हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 06.07.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 339 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये   RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

झारखंड में 1000 करोड़ निवेश की तैयारी

नई टेक्सटाइल नीति से 20 हजार से अधिक रोजगार का लक्ष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से झारखंड टेक्सटाइल, अपैरल एवं फुटवियर नीति-2026 का मसौदा तैयार किया है। प्रस्तावित नीति के तहत करीब 1000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने और 20 हजार से अधिक अतिरिक्त रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का मानना है कि नई नीति से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, आजीविका के अवसर बढ़ेंगे और राज्य में सामाजिक-आर्थिक बदलाव को मजबूती मिलेगी।

मसौदे के अनुसार, केंद्र सरकार की पीएम मित्रा योजना की तर्ज पर राज्य में नए टेक्सटाइल और अपैरल पार्क विकसित किए जाएंगे। इन पार्कों में प्रोसेसिंग, टेस्टिंग, डिजाइन और वेयरहाउसिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, समर्थ योजना और राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के साथ समन्वय स्थापित कर उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया जाएगा।

वेतन सब्सिडी के तहत पुरुष श्रमिकों के लिए 5 हजार रुपये और महिला श्रमिकों के लिए 6 हजार रुपये प्रति माह तक की प्रतिपूर्ति पांच वर्षों तक किए जाने का प्रस्ताव है। एससी, एसटी, दिव्यांग और जोन-3 जिलों में कार्यरत श्रमिकों को अतिरिक्त एक हजार रुपये प्रतिमाह का लाभ भी मिलेगा।

नीति के अनुसार, एमएसएमई इकाइयों में कम से कम 50 और गैर-एमएसएमई इकाइयों में 100 श्रमिकों का नियोजन आवश्यक होगा। साथ ही कुल रोजगार का कम से कम 75 प्रतिशत स्थानीय निवासियों को देना अनिवार्य किया जाएगा।

स्थानीय युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण पर जोर

नीति में स्थानीय युवाओं के कौशल विकास और रोजगार को विशेष प्राथमिकता दी गई है। स्थानीय श्रमिकों के प्रशिक्षण के लिए प्रति व्यक्ति 13 हजार रुपये तक की सहायता दी जाएगी, जबकि एससी, एसटी, महिला और दिव्यांग प्रशिक्षुओं को अतिरिक्त एक हजार रुपये मिलेंगे।

निवेशकों को मिलेंगी आकर्षक सब्सिडी

नई नीति में निवेशकों के लिए कई प्रोत्साहन प्रस्तावित किए गए हैं। योग्य इकाइयों को कॉम्प्रिहेंसिव प्रोजेक्ट इन्वेस्टमेंट सब्सिडी (सीपीआईएस) के तहत स्थायी पूंजी निवेश का 20 प्रतिशत, अधिकतम 50 करोड़ रुपये तक, दो चरणों में दिया जाएगा। एससी, एसटी, महिला और दिव्यांग उद्यमियों को 5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्निकल टेक्सटाइल और फुटवियर उद्योगों के लिए भी अतिरिक्त 5 प्रतिशत लाभ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा ऑनलाइन आवेदन, सिंगल विंडो प्रणाली और विवाद निपटारे जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे निवेश प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके।

जोन के आधार पर अतिरिक्त प्रोत्साहन

राज्य को तीन जोन में विभाजित कर प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। रांची, धनबाद, बोकारो, रामगढ़ और पूर्वी सिंहभूम जैसे जोन-1 जिलों को अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा। जोन-2 के जिलों को 3 प्रतिशत और जोन-3 के अपेक्षाकृत पिछड़े जिलों को 5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा, ताकि संतुलित औद्योगिक विकास सुनिश्चित हो सके।

नई नीति से पूर्वी भारत का टेक्सटाइल हब बनने की उम्मीद

सरकार का कहना है कि वर्ष 2016-21 की नीति के दौरान राज्य में 500 से 1000 करोड़ रुपये का निवेश आया था और 10 से 15 हजार प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए थे। नई नीति के जरिए निवेश और रोजगार के दायरे को और विस्तारित कर झारखंड को पूर्वी भारत का प्रमुख टेक्सटाइल, अपैरल और फुटवियर हब बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

झारखंड में नई औद्योगिक नीति का ड्राफ्ट जारी, निवेश बढ़ाने पर सरकार का फोकस

झारखंड में औद्योगिक विकास को नई गति देने और निवेश के अवसर बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। उद्योग निदेशालय ने झारखंड टेक्सटाइल, परिधान एवं फुटवियर नीति-2026 तथा झारखंड औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति (जेआईआईपीपी)-2026 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। इन दोनों नीतियों पर सरकार ने उद्योग जगत, विशेषज्ञों, हितधारकों और आम नागरिकों से सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की हैं। दोनों नीतियों के विस्तृत प्रारूप झारखंड सिंगल विंडो पोर्टल पर सार्वजनिक किए गए हैं, ताकि व्यापक स्तर पर चर्चा और सुझावों के आधार पर इन्हें अंतिम रूप दिया जा सके। सरकार का उद्देश्य आधुनिक औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप नीतियां तैयार कर राज्य में घरेलू और वैश्विक निवेश को आकर्षित करना है। इन नीतियों पर व्यापक चर्चा के लिए 8 और 9 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर का हितधारक परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 9 जुलाई को आयोजित विशेष फीडबैक सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। दो दिवसीय कार्यक्रम में देशभर के उद्योगपति, विनिर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधि, टेक्सटाइल विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री भाग लेंगे। इस दौरान कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है, जिससे झारखंड में औद्योगिक निवेश और औद्योगिक सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद है। सरकार ने ड्राफ्ट नीतियों को सार्वजनिक कर पारदर्शी और सहभागी नीति निर्माण प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है। अंतिम कैबिनेट मंजूरी से पहले प्राप्त सुझावों को शामिल कर नीतियों को अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बनाया जाएगा। उद्योग निदेशालय के अनुसार, यह पहल झारखंड को औद्योगिक रूप से सशक्त, निवेश के लिए आकर्षक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राम मंदिर विवाद : वीएचपी की केंद्रीय बैठक अयोध्या के बजाय दिल्ली में आज, चंपत राय की मौजूदगी पर संशय

एजेंसी

नयी दिल्ली : राम मंदिर के चंदे में कथित हेराफेरी मामले की जांच के बीच विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने अपनी केंद्रीय प्रबंधन समिति (सेंट्रल मैनेजमेंट कमेटी) की बैठक अयोध्या के बजाय नई दिल्ली में आयोजित करने का फैसला किया है। अब यह बैठक 18 और 19 जुलाई को होगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक में शामिल होने वाले पदाधिकारियों की संख्या भी घटा दी गई है, जबकि वरिष्ठ नेता चंपत राय की मौजूदगी को लेकर भी संशय बना हुआ है।

वीएचपी की यह बैठक पहले 25 से 29 जून तक अयोध्या में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने बताया कि राम मंदिर के चंदे में कथित हेराफेरी मामले में एसआईटी और पुलिस की जांच जारी है। इसी को देखते हुए बैठक का स्थान बदला गया है।

सूत्रों के मुताबिक, पहले करीब 350 पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना थी, लेकिन अब केवल 150 प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक प्रांत से प्रतिनिधियों की संख्या भी चार से घटाकर दो कर दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, वीएचपी अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय की बैठक में भागीदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। हालांकि, संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, केंद्रीय संगठन महासचिव मिलिंद परांडे और केंद्रीय महासचिव बजरंग लाल बागड़ा के बैठक में शामिल होने की संभावना है।

पद्म विभूषण लोक कलाकार डॉ. तीजन बाई का निधन, प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ की मशहूर लोक कलाकार और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने रात 3:15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वो पिछले कुछ समय से बीमार थीं। तीजन बाई के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक जताया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की इस लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में एक विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका जाना कला एवं संस्कृति जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!"

भारतीय लोक कला में असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। बचपन में स्कूल का मुंह न देख पाने वाली पंडवानी गायिका तीजन बाई साक्षरता अभियान में किसी तरह पांचवीं की सीढ़ी ही चढ़ पाईं, लेकिन उनकी पंडवानी की ऐसी धूम रही कि भारत रत्न छोड़ सब पुरस्कार मिल गए। तीजन बाई ऐसी हस्ती हैं, जिन्हें चार बार डी. लिट.की उपाधि मिली।

सेना के ट्रक और एम्बुलेंस में टक्कर, तीन की मौत, दो गंभीर

एजेंसी

श्रीगंगानगर : श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ क्षेत्र में आज सुबह नेशनल हाइवे-62 पर सेना के ट्रक और एक निजी एम्बुलेंस के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में एम्बुलेंस में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।

यह हादसा सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र में 22 एलजीडब्लयू के पास हुआ। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया।

राम मंदिर दान विवाद पर मोहन भागवत की पहली प्रतिक्रिया, बोले

होसबाले के बयान का करता हूं समर्थन

एजेंसी

अयोध्या : राम मंदिर दान राशि से जुड़े कथित चोरी के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जो बयान दिया है, वह उसका पूरा समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने इस विषय पर विस्तृत टिप्पणी करने से परहेज किया।

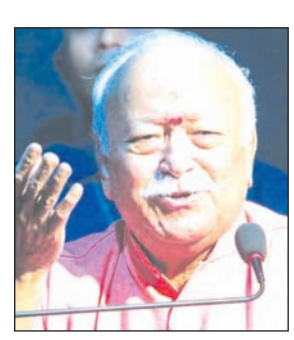

मोहन भागवत ने यह प्रतिक्रिया 'सन्मार्ग माइंड वेलनेस' के उद्घाटन समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने कहा कि इस मामले पर दत्तात्रेय होसबाले का बयान ही उनका भी मत है।

इससे पहले दत्तात्रेय होसबाले ने कहा था कि राम मंदिर की दानपेटियों से कथित चोरी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस घटना से देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं और जांच पूरी होने के बाद जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

पीओके में पाकिस्तान विरोधी आंदोलन तेज

प्रदर्शनकारियों ने भारत से की मानवीय मदद की अपील

एजेंसी

नयी दिल्ली : पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। सामाजिक कार्यकताओं की गिरफ्तारी और आंदोलन के प्रमुख नेताओं पर कार्रवाई के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इसी बीच, जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के कुछ नेताओं ने सीमा के इस पार रहने वाले लोगों से मानवीय सहायता की अपील की है।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने दावा किया कि पीओके के कई इलाकों में राशन और दवाइयों की भारी कमी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पुंछ, मेंढर, राजौरी और डोडा सहित सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों से मानवीय सहायता की अपील करते हुए कहा कि स्थानीय लोग कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

हालांकि, राशन और दवाइयों की कमी के इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

एक अन्य वायरल वीडियो में अमन खान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) का उल्लेख करते हुए दोनों ओर के लोगों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से पूछा कि क्या उन्हें एलओसी की ओर बढ़ना चाहिए, जिस पर भीड़ ने समर्थन में नारे लगाए।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि शांतिपूर्ण आंदोलन पर बल प्रयोग किया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों की ओर से दिए गए इन बयानों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्टों के अनुसार, हाल के दिनों में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और आंदोलन के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर को नजरबंद किए जाने के बाद पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन तेज हुए हैं। जेएएसी लगातार इन कार्रवाइयों का विरोध कर रही है और इसे नागरिक अधिकारों का मुद्दा बता रही है।

खामेनेई को नम आंखों से विदाई : नमाज-ए-जनाजा में उमड़ी लाखों की भीड़

एजेंसी

तेहरान : ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की नमाज-ए-जनाजा रविवार को राजधानी तेहरान स्थित इमाम खुमैनी मुसल्ला मस्जिद में अदा की गई। अंतिम विदाई देने के लिए लाखों लोग समारोह में शामिल हुए और पूरे परिसर में शोक का माहौल रहा।

सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग मस्जिद परिसर पहुंचने लगे थे। कई लोग ईरानी राष्ट्रीय ध्वज लेकर अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचे। नमाज-ए-जनाजा का नेतृत्व आयतुल्ला जाफर सुबहानी ने किया।

समारोह में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, राजनीतिक नेतृत्व और प्रमुख धार्मिक हस्तियां भी मौजूद रहीं। आयतुल्ला खामेनेई का निधन 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल हमलों के दौरान हुआ था, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव और संघर्ष बढ़ गया था।

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, सोमवार को तेहरान में मुख्य अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 7 जुलाई को कुम में अंतिम संस्कार से जुड़े धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 8 जुलाई को इराक के बगदाद, नजफ और कर्बला में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी, जहां धार्मिक और राजनीतिक नेता उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद पार्थिव शरीर को प्रमुख शिया धार्मिक स्थलों पर ले जाया जाएगा।

आयतुल्ला अली खामेनेई को 9 जुलाई को उत्तर-पूर्वी ईरान के पवित्र शहर मशहद स्थित इमाम अली रजा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा, जिसे शिया समुदाय के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है।

जनाजे में नजर आए तीन बेटे, सुप्रीम लीडर गैरमौजूद

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में लाखों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला में आयोजित नमाज-ए-जनाजा के दौरान खामेनेई के तीन बेटे—मसूद खामेनेई, मेसम खामेनेई और मुस्तफा खामेनेई—पिता के ताबूत के पीछे एक साथ दिखाई दिए। हालिया युद्ध के बाद यह पहला अवसर था जब तीनों सार्वजनिक रूप से साथ नजर आए। अयातुल्ला अली खामेनेई का ताबूत ईरानी राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ था, जिसके ऊपर उनकी पहचान का प्रतीक काली पगड़ी रखी गई थी।

एक नजर

शादी के बंधन में बंधे आमिर खान और गौरी स्प्रैट

मुंबई : बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी रचा ली है। 5 जुलाई को मुंबई के पाली हिल स्थित अपने आवास पर दोनों ने बेहद निजी माहौल में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज की। मूसलाधार बारिश के बीच आयोजित इस समारोह में केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल हुए। शादी के बाद दोनों परिवारों ने इस खास मौके का सादगी के साथ जश्न मनाया।

बांकीपुर उपचुनाव में जनसुराज से उम्मीदवार होंगे प्रशांत किशोर

पटना : जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार होंगे। उनकी उम्मीदवारी की घोषणा रविवार को जनसुराज के अध्यक्ष मनोज भारती ने की। उम्मीदवारी की घोषणा के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि पिछले चार वर्षों से जनसुराज ही उनका जीवन है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर से चुनाव लड़ने की जो जिम्मेदारी पार्टी ने उन्हें सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसुराज की यात्रा आने वाले दिनों में चाहे जितनी भी आगे बढ़े, स्थापना काल से जुड़े साथियों और पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी पर भरोसा जताने वाले मतदाताओं का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने बांकीपुर के कार्यकताओं का विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके आग्रह पर ही उन्होंने चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो शूटर मुठभेड़ में ढेर

नयी दिल्ली : लॉरेंस बिश्नोई-हरिराम उर्फ हैरी बॉक्सर-अनिल पंडित गिरोह के दो इनामी शूटर आज सुबह यहां पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। इनकी पहचान प्रवेश और हिमांशु के रूप में हुई है। दोनों हांसी में जिम संचालक कपिल की हत्या में शामिल थे। दोनों पर हरियाणा पुलिस ने एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। मुठभेड़ के दौरान स्पेशल सेल का एक सिपाही भी गोली लगने से घायल हो गया। उसका इलाज चल रहा है। इसकी पुष्टि हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रांत भूषण ने की। यह सफलता दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ के संयुक्त अभियान में मिली।

4 किलो सोना के साथ महिला गिरफ्तार

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 4 किलोग्राम सोने के साथ दुबई से आई महिला को गिरफ्तार किया है। बरामद सोने की कीमत घरेलू बाजार में कीमत लगभग 6 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले की गहन छानबीन डीआरआई टीम कर रही है। मामले की जांच कर रहे डीआरआई अधिकारी ने रविवार को बताया कि उनकी टीम को मुंबई एयरपोर्ट पर तस्करी के सोने सहित महिला के आने की पूर्व सूचना मिली थी।

एक नजर

विस्थापन और कट-ऑफ डेट पर आज चेपाखुर्द में महाजुटान

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत चेपाखुर्द में पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू की अगुवाई में आज विस्थापन एवं 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून से जुड़े विभिन्न मुद्दों, विशेष रूप से विस्थापन कट-अप डेट को लेकर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। इस जनसभा में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी के .राजू ,राज्य सरकार के मंत्री राधा कृष्ण,किशोर इरफान अंसारी, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ,जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में विस्थापित एवं प्रभावित परिवारों के शामिल होने की संभावना है। जनसभा में वर्ष 2013 के भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, विस्थापित परिवारों के अधिकार, उचित मुआवजा, रोजगार, पुनर्वास और अन्य लंबित मांगों पर भी चर्चा होने की संभावना है। जिसकी तैयारी पूरी हो गई है।योगेंद्र साहू ने बताया कि जनसभा का शुभारंभ गोंदलपुरा में 11:00 बजे, बड़कागांव समाधान भवन में दोपहर 12:00 बजे अल्पाहार , तत्पश्चात 1:00 बजे चेपाखुर्द मैदान में जनसभा का आयोजन होगा। यहां कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात लोग केरेडारी के लिए रवाना हो जाएंगे।

ट्रेन के चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक की मौत

बरही : बरही थाना क्षेत्र के केदारूत निवासी सचिन कुमार भुईयां उम्र 28 वर्ष पिता विजय भुईयां की अहले सुबह रेलवे ट्रैक 30/5 पर ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर जमा हो गए, वहीं स्थानीय लोगों ने इस बात की सूचना पद्मा थाना को दी। सूचना के बाद पद्मा पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजन को सौंप दिया गया।

बिजली तार बिछाने को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प, दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज

बरही : थाना क्षेत्र के दुलमाहा पंचायत के तेलोडीह गांव में बिजली विभाग द्वारा पुराने नंगे तार की जगह नए कवर वाले तार लगाने का कार्य चल रहा है।इस दौरान बिजली तार बिछाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ओर से हिंसक झड़प में बदल गया। घटना को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर बरही थाना में जानलेवा हमला, मारपीट, छिनतई और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोप लगा कर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। एक पक्ष के निर्मल यादव ने आरोप लगाया है कि खेत के दूसरी ओर बिजली का तार लगाने का विरोध करने पर पंचायत के उपमुखिया मनोज यादव समेत छह लोगों ने गाली-गलौज करते हुए कुल्हाड़ी से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिसके कारण निर्मल यादव गंभीर रूप से घायल हो गया।इस दौरान हमलावर ने मारपीट करते हुए गले से चांदी की चेन, सोने की अंगूठी छीना तथा मोबाइल तोड़ दिया गया। वहीं दूसरे पक्ष की रामप्यारी देवी पति मनोज यादव ने आवेदन द्वारा आरोप लगाया है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने से मना करने पर निर्मल यादव सहित उनके परिवार के लोग मेरे तथा मेरे पति मनोज यादव पर कुल्हाड़ी से वार करते हुए मेरे गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। हिंसक झड़प में दोनों पक्ष घायल हो गए।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की बैठक बरही के उत्सव वाटिका में संपन्न

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की बैठक उत्सव वाटिका बरही में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति एवं संचालन प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव ने किया। बैठक में बतौर अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव, राष्ट्रीय कल्याण सचिव बिपिन बिहारी पांडेय मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन विस्तार, संगठन मजबूती के साथ-साथ जनकल्याण को लेकर किए जाने वाले कार्यक्रम की चर्चा की गई। साथ ही संगठन का विस्तार पंचायत स्तर पर किए जाने का निर्णय लिया गया। मौके पर जिला स्वास्थ्य सचिव के पद पर चिकित्सक घनश्याम प्रसाद कश्यप, प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर अधिवक्ता सुजीत कुमार का मनोनयन करते हुए उन्हें परिचय पत्र एवं अंगवस्त्र के साथ-साथ स्वागत एवं सम्मान किया गया। बैठक में बरही चौक सहित चारों मार्गों में व्याप्त गंदगी, ट्रैफिक की समस्या, चौक पर जाम लगने की समस्या आदि पर चर्चा की गई। साथ ही इस समस्या के समाधान के लिए स्थानीय प्रशासन से मिलकर समाधान ढूंढने पर भी पहल करने की बात कही गई। कोषाध्यक्ष रवि शंकर कुमार ने कोष बढ़ाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कपिल प्रसाद केशरी ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन जनहित के मुद्दों को भी उठाएगा। राष्ट्रीय संगठन सचिव राजकुमार यादव ने कहा कि शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत है। राष्ट्रीय कल्याण सचिव बिपिन बिहारी पांडेय ने कहा कि हम सभी को मिलकर बरही के मूलभूत समस्या पेयजल, कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए सामूहिक पहल करने की जरूरत है। प्रदेश संयोजक भरत यादव ने कहा कि बरही चौक चार-चार नेशनल हाईवे का संगम है। अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इसके लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल में ब्लड स्टोरेज यूनिट होनी चाहिए, एम्बुलेंस की पर्याप्त सुविधा होनी चाहिए। मौके पर शिक्षाविद सत्येंद्र कुमार शर्मा एवं आलोक कुमार बरनवाल को संगठन में शामिल किया गया। उन्हें अंगवस्त्र के साथ स्वागत किया गया। शिक्षा स्वास्थ्य एवं नशापान के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। मौके पर संगठन से जुड़े डॉ सुनील कुमार दत्त, भरत यादव, रामचंद्र साव, गोपाल पंडित, दिलीप कुमार गुप्ता, घनश्याम यादव, ब्रह्मदेव यादव, अशोक यादव, सरयू साव, जीपी कश्यप, सत्येंद्र कुमार शर्मा, रोशन कुमार सिंह, जनार्दन चौरसिया, सुजीत कुमार, आलोक कुमार बरनवाल, अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, महेश प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष मो तैयब, देवेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

धार्मिक आयोजनों में शामिल हुए विधायक प्रदीप प्रसाद, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद आज सदर प्रखंड अंतर्गत सिलवार स्थित जगन्नाथ धाम में भगवान शिव की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य कलश यात्रा में श्रद्धापूर्वक शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई तथा भगवान भोलेनाथ से हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र सहित समस्त झारखंड की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की। इसके उपरांत विधायक प्रदीप प्रसाद न्यू कॉलोनी, मेरु में आयोजित 108 रुद्रचंडी महायज्ञ एवं मां काली मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में भी शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां काली एवं भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। प्राण-प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ जैसे पावन अनुष्ठान समाज में सकारात्मक ऊर्जा, धार्मिक चेतना और लोककल्याण की भावना का संचार करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति एवं सभी श्रद्धालुओं को सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

योग एवं तीरंदाजी में बेहतर करने वाले पीएम श्री मध्य विद्यालय के बच्चे हुए को सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पीएम श्री मध्य विद्यालय में शिक्षक अभिभावक बैठक एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार एवं संचालन शिक्षिका नीलू कुमारी, दीपक राणा और देवेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस बैठक के दौरान विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष बातचीत की गई। जिसमें योग दिवस के दिन बेहतर करने वाले 11 बच्चों को अभिभावकों के समक्ष सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय के तीन विद्यार्थी 43ँ आरजेके गोल्ड मेडल ओपन नेशनल आर्चरी कंपटीशन हरिद्वार में भाग लिया जिसमें पीयूष कुमार जिन्होंने अंडर 13 रैंकिंग राउंड में एक सिल्वर, अंडर 15 रैंकिंग राउंड में एक ब्रांज, एलिमिनेशन राउंड में एक ब्रांज और सीनियर रैंकिंग राउंड में एक सिल्वर और एलिमिनेशन राउंड में एक सिल्वर के साथ कूल 5 मेडल हासिल किया। दूसरा सौरव कुमार जिसने अंडर 13 एलिमिनेशन राउंड में एक गोल्ड मेडल जीता और तीसरा अभिषेक कुमार जो अंडर 13 रैंकिंग राउंड में एक गोल्ड मेडल जीत कर पूरे विद्यालय को गौरवान्वित किया । विद्यालय परिवार ने उनके अभिभावकों के समक्ष पुरस्कृत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। विद्यालय के प्रभारी अशोक कुमार के द्वारा विद्यालय में अनेक आधुनिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की जानकारी अभिभावकों को दिया गया साथ ही आज के समय में बच्चों को नशा से दूर रखने की सख्त सलाह दी । विद्यालय की भाषा शिक्षिका नीलू कुमारी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपना जगह बना पाने वाले छात्रों को निजी खर्चे से पुरस्कृत कर भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया।

कटकमसांडी में बाइक व मोबाइल लूटकांड का 6 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमसांडी थाना क्षेत्र में हुई बाइक एवं मोबाइल लूट की घटना का हजारीबाग पुलिस ने महज 5 से 6 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई पल्सर आरएस-200 मोटरसाइकिल, वीवो कंपनी का मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त सिल्वर-ब्लैक रंग की अपाचे मोटरसाइकिल तथा एक चाकू बरामद किया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार 4 जुलाई 2026 को कटकमसांडी थाना में एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें अज्ञात अपराधियों द्वारा एक युवक से उसकी पल्सर आरएस-200 मोटरसाइकिल एवं वीवो कंपनी का मोबाइल फोन लूट लेने की शिकायत दर्ज कराई गई। आवेदन के आधार पर कटकमसांडी थाना कांड संख्या-107/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) एवं पुलिस निरीक्षक, पेलावल अंचल के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी करते हुए घटना में शामिल दो अपराधियों की पहचान की और कांड दर्ज होने के कुछ ही घंटों के भीतर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने लूटी गई पल्सर आरएस-200 मोटरसाइकिल एवं वीवो मोबाइल फोन बरामद कर लिया। साथ ही घटना में प्रयुक्त सिल्वर-ब्लैक रंग की अपाचे मोटरसाइकिल तथा एक चाकू भी जब्त किया गया। सभी बरामद सामानों को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया गया है।

हाईवा की चपेट में आने से एक की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

चतरा : सिमरिया-चतरा मुख्य मार्ग पर देल्हो स्थित इंडियन गैस एजेंसी के समीप रविवार को सड़क हादसे में कोयला लदे हाईवा की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान देल्हो गांव निवासी सहदेव यादव के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने मुआवजा, दोषी चालक पर कार्रवाई और सड़क सुरक्षा की मांग को लेकर सिमरिया-चतरा मुख्य मार्ग जाम कर दिया। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के साथ ग्रामीणों को समझाने का प्रयास शुरू कर दिया। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

बरही के मदनपुर गांव आज भी पक्की सड़क से वंचित, 2 किमी कच्चे रास्ते से जूझते ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार (कृष्णा प्रजापति)

बरही : बरही प्रखंड से लगभग 20 किलोमीटर दूर डपोक पंचायत के मदनपुर गांव से केंदुआ गांव जाने वाला सड़क, जो डपोक पंचायत वासियों का मुख्य सड़क है, आजादी के वर्षों बीत जाने के बाद भी यहां के लोग बुनियादी सुविधाओं में सबसे महत्वपूर्ण पक्की सड़क से वंचित हैं। इस गांव के लोगों के लिए विकास अब भी अधूरा सपना ही बना हुआ है। यह स्थिति न केवल सरकारी दावों पर सवाल खड़े करती है, बल्कि जनप्रतिनिधियों के चुनावी वादों पर भी लोगों में आक्रोश है। इस सड़क के जर्जर हालत को देखते ही ग्रामीणों की बदहाली की तस्वीर भी बयां करती है। बरही प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में जहां एक ओर पक्की सड़कों का जाल बिछ चुका है वहीं दूसरी ओर डपोक पंचायत के मदनपुर गांव तक पहुंचने के लिए आज भी लोगों को करीब दो किलोमीटर कच्चे रास्ते पर निर्भर रहना पड़ता है। खासकर बरसात के दिनों में इस सड़क से लोगों को आने जाने में बहुत परेशानी होती है, सबसे परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ होती है। सड़क के अभाव में गांव का संपर्क दूसरे गांव के मुख्य मार्ग से पूरी तरह से बाधित रहता है, जिससे लोगों को रोजमर्रा के कामों में भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायती राज व्यवस्था लागू होने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि चुनावी वादों के बावजूद विकास अधूरा है। लोग कहते हैं कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि बड़े-बड़े वादे करते हैं और गांव के विकास का भरोसा दिलाते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद वे इन वादों को भूल जाते हैं। बरसात के मौसम में स्थिति और भी दयनीय हो जाती है, कच्ची सड़क पर कीचड़ इतना बढ़ जाता है कि गाड़ी मोटर से क्या लोगों को पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। किसी आपातकालीन स्थिति में गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंचने से लोगों में स्वास्थ्य संकट की चिंता सताते रहता है, खासकर बीमार और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाना बड़ी चुनौती बन जाता है। ग्रामीण लालू यादव, ईश्वर यादव, मनोज दास, सुनील दास, पवन यादव, उमेश दास, मुकेश दास, इंद्रदेव यादव, जोबी राम, मनोज यादव, शंकर यादव, सकलदेव कुमार, रघुवीर चन्द्रवंशी, रामू यादव, प्रसादी रविदास सहित कई लोगों ने बताया कि गांव में बिजली, पानी, स्कूल सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, परंतु पक्की सड़क के अभाव में लोगों को आवागमन की समस्या गंभीर बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने सांसद, विधायक एवं जिला प्रशासन से अविलंब पक्की सड़क निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि दो किलोमीटर सड़क का निर्माण हो जाए, तो न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि गांव के विकास की राह भी खुल जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मुखिया ने 15वीं वित्त योजना से 12 चापानल कराई मरम्मत

बड़कागांव : बड़कागांव मध्य पंचायत में पानी की समस्या को देखते हुए 15वीं वित्त योजना के तहत 12 चापानल की मरम्मति कराई गई। मुखिया मो तकरीमुल्लाह और पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर ने बताया कि पंचायत में कई चापानल खराब हो जाने से ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा था। जिसे देखते हुए मरम्मति कार्य कराई गई। इस भीषण गर्मी में ग्रामीणों के समक्ष पेयजल की बड़ी समस्या थी, जिसका समाधान किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ मुखिया मो तकरीमुल्लाह ने निजी खर्च से मध्य पंचायत के वार्ड न 7 और 8 में 100 मीटर से भी अधिक लंबी नाली का साफ - सफाई एवं निकले कचरे को ट्रैक्टर से फेंकवाया, जिसका ग्रामीणों ने सराहना की।

समाजसेवी रंजीत पंडित ने निजी खर्च से कराई जर्जर सड़क की मरम्मत

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के चंदौल पंचायत अंतर्गत लंबकी तालाब से बचरिया जाने वाली सड़क की जर्जर स्थिति से परेशान ग्रामीणों को आखिरकार राहत मिल गई। समाजसेवी रंजीत पंडित ने अपने निजी खर्च से सड़क की मरम्मत कराकर लोगों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान किया। बताया जाता है कि यह सड़क लंबे समय से बदहाल थी। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए थे,जिनमें बारिश का पानी भर जाने के कारण आवागमन काफी कठिन हो गया था। सबसे अधिक परेशानी ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं तथा स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों को उठानी पड़ रही थी। कई बार लोग फिसलकर घायल भी हो जाते थे। ग्रामीणों ने इस समस्या से समाजसेवी रंजीत पंडित को अवगत कराया और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की।लोगों की परेशानी को देखते हुए रंजीत पंडित ने बिना किसी सरकारी सहायता की प्रतीक्षा किए बगैर अपने निजी खर्च से मोरम डालकर सड़क की मरम्मत कराई। सड़क की मरम्मत होने के बाद अब लोगों का आवागमन सुगम हो गया है और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ग्रामीणों ने समाजसेवी रंजीत पंडित के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रंजीत पंडित के हौसले को हम सभी ग्रामीण सलाम करते हैं। उनके इस सराहनीय कार्य से पूरे क्षेत्र के लोगों को सीधा लाभ मिला है।विशेष रूप से स्कूली बच्चों और किसानों को अब आने-जाने में काफी सुविधा होगी।इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि जनहित के कार्यों में समाजसेवी रंजीत पंडित हमेशा बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। सड़क की मरम्मत से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है तथा लोगों ने उनके इस कार्य की सराहना की। बताते चले की समाजसेवी रणजीत पंडित लगातार क्षेत्र में सेवा भावना से कार्य कर रहे हैं और कई असहाय लोगों को आर्थिक रूप से मदद भी कर रहे हैं। इन दिनों क्षेत्र में उनके कार्यों के लेकर काफी चर्चा बनी हुई है।

कोनरा पंचायत में मतदाताओं के बीच एसआईआर प्रपत्र का हुआ वितरण

बरही : कोनरा पंचायत के विभिन्न मतदान केंद्रों में मतदाताओं के बीच एसआईआर प्रपत्र का वितरण किया गया। बीएलओ, बीएलए, पर्यवेक्षक, पंचायत सहायक और पंचायत प्रतिनिधियों ने मतदाताओं को एसआईआर प्रपत्र देने के साथ प्रपत्र को भरने में मतदाताओं का सहयोग किया। एसआईआर को सफल बनाने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मतदाताओं को एसआईआर प्रपत्र में सही जानकारी देने के लिए जागरूक किया जा रहा हैं। मतदाताओं को सहयोग करने वालों में कोनरा पंचायत की मुखिया यास्मीन तबस्सुम, पंचायत सचिव सह पर्यवेक्षक ललिता कुमारी, पंचायत सहायक हशबुन निशा, पिंटू कुमार रजक, बीएलओ अनिता कुमारी, कांति देवी, मो शनौवर, साहनी बेगम, नगमा परवीन, गुलशन जहां,संयुक्ता सिन्हा, बीएलए रिजवान अली, मो मुमताज, बीरेंद्र रविदास, वार्ड सदस्य आफताब आलम और उपमुखिया मोहम्मद इजहार शामिल थे।

एसडीओ ने गांवों का भ्रमण कर बीएलओ को एसआईआर में तेजी लाने का निर्देश दिया

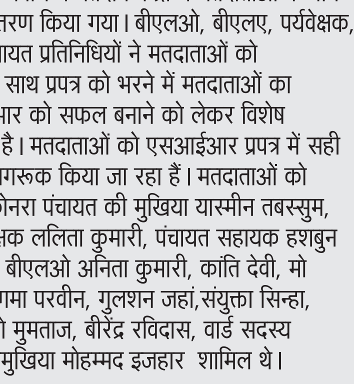

बरही : बरही में मतदाताओं के बीच एसआईआर का प्रपत्र वितरण और भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रविवार को एसडीओ जोहन टुडू ने बरही के विभिन्न पंचायतों में स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और बीएलओ को एसआईआर प्रपत्र वितरण और भरने की विधि से अवगत कराया। कई मतदान केंद्र के बाहर दरी बिछी थी जहां बीएलओ और मतदाता बैठकर प्रपत्र भर रहे थे, वहां पर दरी में बैठकर एसडीओ ने बीएलओ और मतदाताओं को एसआईआर प्रपत्र भरने में सहयोग किया। बरही के डपोक,गुड़ियो और धमराय के विभिन्न मतदान केंद्र में बीएलओ का उत्साह बढ़ाया। कहा कि जहां कहीं कोई दिक्कत हो वह अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

एक नजर

रातू के श्रमिक यूपी में ट्रेन से कटकर मौत, गांव में शोक

रांची : झारखंड के रांची जिले के रातू थाना क्षेत्र के पुरियो निवासी संस्कृत लोहरा की शनिवार को उत्तर प्रदेश के झींझक रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। वह रेलवे में चल रहे कार्य में ठेकेदार के अधीन श्रमिक के रूप में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार वह रेल ट्रैक पार कर रहा था, इसी दौरान दिल्ली से दरभंगा जा रही अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया। पत्नी दुलारी देवी और पुत्र शिवा लोहरा का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, पुरियो गांव में जैसे ही मौत की खबर पहुंची, शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि संस्कृत लोहरा मिलनसार स्वभाव का था और हर वर्ष परिवार के साथ काम के सिलसिले में बाहर जाता था। समाजसेवी कृष्णा भगत ने बताया कि वह जब भी गांव आता था, सभी से मिलकर जाता था। मुखिया ज्योति देवी ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने परिवार का जिम्मेदार व्यक्ति था। परिवार में छह बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि अन्य बच्चे बाहर काम करते हैं।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम में 273वें अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट, पुंदाग की ओर से संचालित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को 273वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजन किया गया। संत शिरोमणि स्वामी डॉ. सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन-पूजन के बाद महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, छाछ, लीची जूस और आलू चिप्स का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ महाप्रसाद ग्रहण कर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और पूरे दिन भक्तिमय माहौल देखने को मिला। इससे पहले श्री राधा रानी का पुष्पों और आभूषणों से विशेष एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया।

उत्साहपूर्वक मना राष्ट्रीय जनता दल का 30वां स्थापना दिवस

रांची : राष्ट्रीय जनता दल के 30 वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को प्रदेश कार्यालय, रांची में राजद के रांची जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र महतो की अध्यक्षता में उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय जनता दल की 30 वर्षों की संघर्षपूर्ण यात्रा, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, संविधान की रक्षा और वंचित समाज के अधिकारों के लिए पार्टी के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने सामाजिक न्याय की जिस विचारधारा को देशभर में नई पहचान दी, उसे तेजस्वी यादव जनसरोकारों और विकास की नई सोच के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल हमेशा जनता की आवाज रहा है और आगे भी सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करता रहेगा। इस अवसर पर पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा एवं जनहित के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

जगन्नाथपुर रथ मेला की तैयारियां तेज, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस-प्रशासन ने बनाई व्यापक रणनीति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला की तैयारियां तेज हो गई हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुचारु यातायात व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर रविवार को नीलांदरी भवन में पुलिस-प्रशासन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) मनोज कौशिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन, नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (रूरल एसपी) गौरव गोस्वामी, यातायात पुलिस अधीक्षक (ट्रैफिक एसपी) राकेश सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। एडीजी मनोज

कौशिक ने बैठक के दौरान कहा कि पिछले वर्ष रथ मेले में स्वयंसेवकों की भूमिका काफी सराहनीय रही थी। इस बार भी बड़ी संख्या में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि स्वयंसेवकों की सूची पहले से तैयार कर उनकी जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जाएं, ताकि भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन और आपात स्थिति से निपटने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। एडीजी ने बताया कि रथ यात्रा शुरू होने से पहले ही पुलिस बल और स्वयंसेवकों को उनके निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात कर दिया जाएगा। भगवान जगन्नाथ के रथ के पूरे मार्ग पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारों की व्यवस्था भी की जाएगी। बैठक में प्रशासन ने मेला आयोजन समिति को पांच-पांच स्वयंसेवकों की टीम गठित करने तथा उनके लिए अलग-अलग नियंत्रण केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया। इन नियंत्रण केंद्रों के माध्यम से किसी भी आपात स्थिति में त्वरित समन्वय और राहत कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। रथ मेले की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में वॉच टावर स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा ड्रोन कैमरों के माध्यम से मेले और रथ यात्रा मार्ग की लगातार निगरानी की जाएगी। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जबकि असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मेले की सुरक्षा व्यवस्था के लिए 300 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। साथ ही मोबाइल चोरी और जेबतराशी जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया जा रहा है। यह टीम ऐसी घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी सुनिश्चित करेगी। पुलिस-प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, स्वयंसेवकों और पुलिसकर्मियों के साथ सहयोग बनाए रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नियंत्रण कक्ष या निकटतम पुलिसकर्मी को दें, ताकि जगन्नाथपुर रथ मेला सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

दशमफॉल में युवती की हत्या का आरोपी खूंटी से गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के दशमफॉल इलाके में 23 जून को मिले अज्ञात युवती के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने हत्या के आरोप में खूंटी जिले के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रेम प्रसंग और ईर्ष्या के कारण आरोपित ने युवती की हत्या कर शव को दशमफॉल क्षेत्र में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर मृतका और आरोपित के मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए हैं। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी ने रविवार को बताया कि 23 जून 2026 को दशमफॉल इलाके से एक अज्ञात युवती का शव बरामद हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों तथा अन्य सुरागों के आधार पर मृतका की पहचान खूंटी जिले के बरिगड़ा गांव निवासी 18 वर्षीय हिस्सी कुमारी के रूप में की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला था। अनुसंधान में सामने आया कि चेतन मुंडा (18) नामक युवक ने युवती को किसी अन्य युवक के साथ देखकर ईर्ष्या और गुस्से में उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित शव को रांची के दशमफॉल इलाके में ले गया और पहचान छिपाने के उद्देश्य से वहां फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने तकनीकी जांच और साक्ष्यों के आधार पर आरोपित चेतन मुंडा को खूंटी से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन तथा आरोपित का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया, जिन्हें जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

रांची पुलिस ने सड़क पर शराब पीने वालों और नियम तोड़ने वाले पब-बार पर की कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने शनिवार देर रात विशेष अभियान चलाया। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा के नेतृत्व में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क किनारे शराब पीने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वाले पब-बार के खिलाफ एक साथ कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि शराब दुकानों के बाहर लोग वाहन खड़े कर खुलेआम शराब पीते हैं और हुड़दंग करते हैं।

इससे राहगीरों, विशेषकर महिलाओं और परिवारों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की अलग-अलग टीमों ने शहर के

विभिन्न इलाकों में स्थित शराब दुकानों के बाहर औचक जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर हंगामा करने वाले कई लोगों को हिरासत में लिया गया। उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए कड़ी चेतावनी भी दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर कानून-व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा। इसी अभियान के तहत पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने शनिवार देर रात शहर के करीब एक दर्जन पब और बार में भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठानों के संचालन समय, लाइसेंस की शर्तों तथा अन्य वैधानिक नियमों के अनुपालन की जांच की गई। पुलिस ने कहा कि जिन पब और बार में नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

झारखंड में नौ जुलाई तक बारिश, वज्रपात और तेज हवा की चेतावनी, येलो अलर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में नौ जुलाई तक बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में एक जून से पांच जुलाई तक सामान्य 236.1 मिलीमीटर वर्षा के मुकाबले 129 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य से लगभग 45 प्रतिशत कम है। पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर में सबसे अधिक 50.4 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसी अवधि

में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 35.5 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम तापमान रांची के नामकुम में 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार सुबह रांची और आसपास के क्षेत्रों में हल्की बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस से राहत मिली। रविवार को रांची का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34 डिग्री और न्यूनतम 27.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.5 डिग्री और न्यूनतम 27.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 35.1 डिग्री और न्यूनतम 27.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 31.4 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

गौ-सेवा कर अग्रवाल युवा सभा ने दिया सेवा और संस्कार का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची अग्रवाल युवा सभा की ओर से रविवार को हरमू रोड स्थित रांची गौशाला (गोकुलधाम) में गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान निर्बल और असहाय गायों को हरी सब्जियां, घास, रोटी और गुड़ खिलाकर उनकी सेवा की गई। इस अवसर पर गौ संरक्षण और गौ सेवा के महत्व को समाज तक पहुंचाने का संदेश भी दिया गया। सभा के प्रवक्ता अमित प्रकाश बजाज ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति में गौ सेवा की परंपरा और उसके महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि समाज के अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने और गौ संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के दानदाता निखिल सुल्तानिया और अनूप टेकरीवाल रहे, जिनके सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सभा ने दोनों दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक और धार्मिक कार्यों में समाज के सहयोग से ही ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आगे बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम के संयोजक अग्र अनुराग सिंघानिया और अग्र विशाल महल्का ने आयोजन की सभी व्यवस्थाओं का संचालन किया। इस दौरान अग्रवाल युवा सभा के सदस्यों और उनके परिवारजनों ने भी उत्साहपूर्वक गौ सेवा में भाग लिया तथा गायों को चारा खिलाकर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा को लेकर प्रदेश कांग्रेस की कार्यशाला

एआईआर प्रक्रिया में पार्टी पदाधिकारी मतदाता पुनरीक्षण फार्म भरवाने का करें कार्य : के राजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की प्रगति और मतदान केंद्रों पर चल रहे कार्यों की समीक्षा के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में प्रदेश स्तरीय समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें पार्टी नेताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराने तथा अभियान की नियमित निगरानी पर विशेष जोर दिया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने की। इसमें

झारखंड प्रभारी के. राजू मुख्य अतिथि, जबकि सह-प्रभारी डॉ. श्रीबेला प्रसाद और भूपेंद्र मरावी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा विधानसभा में विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, विधायक विक्सल कोंगाड़ी, भूषण बाड़ा, सुरेश बैठा, ममता देवी, डॉ. प्रदीप कुमार बालमुचू, बंधु तिर्की सहित कई विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा कि एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटियों, विधानसभा प्रभारियों, बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बीएलए-2 के समन्वय से घर-घर जाकर मतदाता पुनरीक्षण प्रपत्र भरवाने का अभियान तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने अभियान के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने और कार्यों की नियमित ऑनलाइन रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। सह-प्रभारी डॉ. श्रीबेला प्रसाद ने कहा कि जिला से लेकर बूथ स्तर तक सभी पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और किसी योग्य मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से न हटे। सह-प्रभारी भूपेंद्र मरावी ने कहा कि लोकसभा क्षेत्रों में आयोजित समीक्षा बैठकों में संबंधित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बाबूलाल मरांडी ने नितिन नवीन से की मुलाकात, संगठनात्मक मुद्दों पर हुई चर्चा

रांची : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन को मजबूत बनाने, आगामी राजनीतिक रणनीति और विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। रविवार को बयान जारी कर बाबूलाल मरांडी ने बताया कि शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई मुलाकात सकारात्मक और सार्थक रही। उन्होंने कहा कि बैठक में संगठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस चर्चा से संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिलेगी। राजनीतिक दृष्टि से इस मुलाकात को झारखंड भाजपा की आगामी संगठनात्मक रणनीति और कार्यक्रमों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एसआईआर-2026: रांची में घर-घर पहुंच रहे बीएलओ इन्यूमरेशन फॉर्म वितरण व डिजिटाइजेशन में तेजी

रांची : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत रांची जिले में इन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से चल रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) रविवार सुबह से ही घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच इन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण और संग्रहण कर रहे हैं। उपायुक्त ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया है कि वे प्रतिदिन सुबह अधिक से अधिक घरों तक पहुंचकर फॉर्म का वितरण और संग्रहण सुनिश्चित करें, क्योंकि इस समय अधिकांश मतदाता अपने घरों पर उपलब्ध रहते हैं। इससे पात्र मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित होने के साथ अभियान को भी गति मिलेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि दोपहर बाद बीएलओ द्वारा संग्रहित इन्यूमरेशन फॉर्म का समयबद्ध डिजिटाइजेशन किया जाए, ताकि वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया समानांतर रूप से प्रभावी ढंग से संचालित हो सके तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्धारित समयसीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके। अभियान के तहत जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ ने घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित किया। इस दौरान उन्हें इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराने के साथ उसकी प्रक्रिया संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी गई। जिला प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ के साथ पूरा सहयोग करें और इन्यूमरेशन फॉर्म सही एवं पूर्ण रूप से भरकर निर्धारित समय के भीतर उपलब्ध कराएं, ताकि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

झारखंड कुरमी महासभा ने आयोजित किया 12वां जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह

अनगड़ा : अनगडा जेडी नेशनल बीएड कॉलेज में कुरमी महासभा जिला अध्यक्ष ज्योतिष महतो के नेतृत्व में 12 वी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य जिसका विधिवत उद्घाटन ब्रजकिशोर गांधी ने किया है। समारोह में मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पूर्व उमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ,विशिष्ट अतिथि रोशन लाल महतो ,राम टहल चौधरी अमर कुमार चौधरी कुमेस्वर महतो, अमर कुमार चौधरी, जलेंद्र कुमार ,कुमुद कला मेहता, राजेश कुमार, कारीनाथ महतो आतिश महतो ,शिवलाल महतो कारीनाथ महतो ,जय प्रभा महतो ,देवकी महतो ,गोबिंद महतो, मंजू देवी, रणधीर चौधरी, गोरखनाथ महतो आरती मेहता, सकलनाथ महतो ,अंकुर चौधरी, कांसी महतो जगरनाथ महतो, शामिल थे संचालन गोवर्धन महतो और जयप्रभा महतो ने किया। इस समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली 80 विद्यार्थियों को सम्मानित किया मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज के मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना, शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना हम सबो का कर्तव्य बनता है। झारखंड कुरमी महासभा के पदाधिकारियों ने कहा है कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज को नई दिशा देने और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने का प्रभावी माध्यम है। इस मौके पर छात्र-छात्राओं के अभिभावक एवं समाज के अगुवा मौजूद थे।

रांची सिटीजन फोरम ने 47 वार्ड पार्षदों से की मुलाकात मानदेय और विकास कार्यों में देरी पर जताई चिंता

रांची : रांची सिटीजन फोरम ने नगर निगम क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों की स्थिति जानने के उद्देश्य से चलाए जा रहे वार्ड पार्षद मुलाकात अभियान के तहत रविवार तक नगर निगम के 53 में से 47 वार्ड पार्षदों से उनके-अपने वार्डों में मुलाकात की। फोरम के अध्यक्ष दीपेश निराला के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पार्षदों को अंगवस्त्र भेंट कर निर्वाचित होने की शुभकामनाएं दीं तथा विभिन्न नागरिक समस्याओं से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा। अभियान के दौरान वार्ड पार्षदों ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि चुनाव परिणाम घोषित होने के तीन महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उन्हें अब तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फंड की कमी के कारण वार्डों में कई विकास योजनाओं को स्वीकृति नहीं मिल पा रही है, जिससे आवश्यक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पार्षदों के अनुसार, वित्तीय संसाधनों के अभाव में स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, नालियों की सफाई, जलजमाव की समस्या का समाधान, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तथा अन्य छोटे विकास कार्य समय पर शुरू नहीं हो पा रहे हैं। इसका असर आम नागरिकों को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं पर भी पड़ रहा है। फोरम के अध्यक्ष दीपेश निराला ने कहा कि झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 का समुचित अनुपालन नहीं होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि नगर निगम में वार्ड समिति, क्षेत्रीय समिति, विषय समिति तथा नगरपालिका लोकपाल जैसी वैधानिक व्यवस्थाओं का अब तक गठन नहीं किया गया है। उनके अनुसार इन समितियों के गठन से स्थानीय समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों में तेजी लाई जा सकती है।

एक नजर

कोडरमा में दो कमरे के मकान पर 36.44 लाख का बिजली बिल

कोडरमा : बिजली विभाग की लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर के कोलटेक्स क्षेत्र स्थित एक साधारण दो कमरे के मकान के उपभोक्ता स्वरूप सरकार को 36 लाख 44 हजार 364 रुपये बकाया का बिजली बिल थमा दिया गया। हैरत की बात यह है कि उपभोक्ता का दावा है कि वे पिछले कई महीनों से बिल में सुधार कराने के लिए बिजली विभाग के कार्यालय का लगातार चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान करने के बजाय अब विभाग ने कनेक्शन काटने का नोटिस जारी कर दिया है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, कोडरमा की ओर से जारी नोटिस में 15 दिनों के भीतर 36,44,364 जमा करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर बिजली कनेक्शन विच्छेद करने और बकाया वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। इसके साथ ही कोडरमा के लखीबागी में महेश पाण्डेय को 69 लाख 76 हजार 492 रुपये, कानूनगो बीघा की रूपा सामंता को 4 लाख 25 हजार 489 रुपये, रंजीत सिंह को 1 लाख 66 हजार 662 रुपये, सुजानपुर के अनिल कुमार को 1 लाख 33 हजार 419 रुपये, नयाडीह के रामू पासवान को 1 लाख 26 हजार 582 रुपये और राज इंटरनेशनल स्कूल को 1 लाख 6 हजार 827 रुपये का बिल भेजा गया है। यह सभी डिस्प्यूटेड बिल कि श्रेणी में रखे गए हैं, पर महीनों बीत जाने के बाद भी बिल सुधारा नहीं गया है।इधर उपभोक्ता स्वरूप सरकार का कहना है कि उनके घर की वास्तविक बिजली खपत इतनी नहीं हो सकती कि लाखों रुपये का बिल बन जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवेदन देकर बिल में सुधार की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। अब डिस्कनेक्शन नोटिस मिलने से पूरा परिवार मानसिक तनाव में है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक साधारण दो कमरे के मकान का बिजली बिल आखिर 36 लाख रुपये कैसे बन गया।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूर्व की भांति जारी रहेगी स्पर्श पूजा : सभा

देवघर : बाबा बैद्यनाथ मंदिर में स्पर्श पूजा को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पंडा धर्मरक्षिणी सभा ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि मंदिर में पूर्व की भांति ही स्पर्श पूजा जारी रहेगी और पूजा-पद्धति में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। पंडा धर्मरक्षिणी सभा के वरीय उपाध्यक्ष चंद्र शेखर खवाड़े ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि हाल ही में पंडा धर्मरक्षिणी सभा और जिला प्रशासन के बीच हुई बैठक में श्रावणी मेला की व्यवस्थाओं सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इनमें बाबा मंदिर में जलार्पण के लिए बाह्य अर्घा की व्यवस्था प्रमुख मुद्दा रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाह्य अर्घा की व्यवस्था केवल उन श्रद्धालुओं के लिए की जा रही है, जो शारीरिक रूप से असमर्थ हैं, शीघ्र दर्शनम कूपन का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं या फिर बुजुर्ग, बीमार, महिलाएं और बच्चे हैं, जिनका उद्देश्य केवल बाबा पर जल अर्पित करना है। ऐसे श्रद्धालुओं के लिए यह एक वैकल्पिक सुविधा होगी। खवाड़े ने कहा कि मंदिर की पारंपरिक पूजा-पद्धति, स्पर्श पूजा या अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन, छेड़छाड़ या प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। श्रद्धालु पहले की तरह गर्भगृह में स्पर्श कर पूजा-अर्चना कर सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 15 जुलाई 2026 को श्रावण मास की पूजा व्यवस्था को लेकर एक और बैठक प्रस्तावित है, जिसके बाद व्यवस्थाओं को लेकर और अधिक स्पष्टता सामने आएगी। साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि बाबा मंदिर के गर्भगृह में मोबाइल फोन या कैमरे से फोटो, वीडियो, रील और सेल्फी लेना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

शिक्षा बचाओ आंदोलन तेज : जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति ने किया चरणबद्ध आंदोलन का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के तमाम शैक्षणिक संस्थानों को बचाने, शिक्षा बचाओ, कोडरमा बचाओ, छात्रों-नौजवानों का भविष्य बचाओ, छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, तथा विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से कोडरमा के कॉलेजों को हटाकर सर जेसी बोस विश्वविद्यालय गिरिडीह से संबद्ध करने के फैसले के खिलाफ अब आंदोलन को और तेज करने का फैसला लिया गया है। इसी को लेकर जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति, कोडरमा की कोर कमिटी की विस्तारित बैठक रविवार को राधा कृष्ण मिशन स्कूल,पांडेडीह, कोडरमा में आयोजित हुई। बैठक संरक्षक सदस्य राम रतन अवध्या की उपस्थिति में समिति अध्यक्ष महेश भारती की अध्यक्षता तथा सचिव देवेंद्र कुमार के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि कोडरमा की शिक्षा व्यवस्था के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। जिले के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। कॉलेजों की दुर्दशा, शैक्षणिक संसाधनों की कमी, छात्राओं की सुरक्षा के सवाल, और विश्वविद्यालयीय संबद्धता के नाम पर कोडरमा के छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डालना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। समिति ने स्पष्ट कहा कि हजारीबाग की दूरी लगभग 55 किलोमीटर और गिरिडीह की दूरी लगभग 130 किलोमीटर होने के बावजूद कोडरमा के कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से हटाकर सर जेसी बोस विश्वविद्यालय गिरिडीह से जोड़ना छात्रों, अभिभावकों और गरीब परिवारों पर अनावश्यक आर्थिक, मानसिक और समयगत बोझ डालने जैसा है। यह निर्णय न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि कोडरमा के छात्र-हितों के खिलाफ भी है। समिति ने मांग की कि इस फैसले पर तत्काल पुनर्विचार कर छात्रों के हित में ठोस निर्णय लिया जाए। बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति ने तय किया कि जिलेभर में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा तथा गांव-गांव, टोला-मोहल्लों, बाजारों और शैक्षणिक परिसरों में पर्चा वितरण कर शिक्षा बचाओ आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही 16 जुलाई को हमें समस्या नहीं, समाधान चाहिए विषय पर जे जे कॉलेज प्रांगण में सर्वदलीय आम बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, अभिभावकों, छात्र-युवा प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और आम जनता को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि शिक्षा के सवाल पर व्यापक जनमत तैयार हो सके। इसके अलावा 19 जुलाई को झुमरी तिलैया झंडा चौक के पास हस्ताक्षर अभियान सह जनसभा आयोजित की जाएगी, जहां जिले की जनता से सीधे संवाद कर शिक्षा, छात्र सुरक्षा और विश्वविद्यालयीय समस्याओं के मुद्दे पर जनसमर्थन जुटाया जाएगा। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि आंदोलन की अगली रणनीति तय करने के लिए 28 जुलाई को कोर कमिटी की अगली बैठक आयोजित की जाएगी।

राजद ने मनाया 30वां स्थापना दिवस, सामाजिक न्याय और संगठन मजबूती का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरीतिलैया के शिव वाटिका में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पार्टी का झंडा केंद्रीय संसदीय बोर्ड सदस्य एवं कोडरमा के पूर्व राजद प्रत्याशी सुभाष प्रसाद यादव ने फहराया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने समाजवाद और सामाजिक न्याय के समर्थन में नारे लगाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेन्द्र यादव ने की, जबकि संचालन नगर अध्यक्ष घनश्याम तुरी ने किया। जिप अध्यक्ष रामधन यादव और नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोहर राम ने संयुक्त रूप से केक काटकर स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में सुभाष प्रसाद यादव ने कहा कि राजद सामाजिक न्याय की विचारधारा पर चलने वाली पार्टी है और गरीबों, वंचितों व पिछड़ों के अधिकारों के लिए हमेशा संघर्ष करती रही है। उन्होंने कोडरमा में रोजगार, पत्थर-ढिबरा व्यवसाय और जनसमस्याओं का मुद्दा उठाते हुए कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

जिप अध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि राजद सभी वर्गों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रही है। वहीं युवा राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश प्रसाद यादव ने युवाओं से बेरोजगारी और भविष्य के मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की।

कार्यक्रम को सरफराज नवाज, सरफुद्दीन अंसारी, रामबचन यादव, विजय यादव, डॉ. कमालुद्दीन, मनोज रजक, संजय दास, अमरजीत कौर सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन दीपक यादव ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में राजद पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं समर्थक उपस्थित रहे।

एसआईआर प्रक्रिया में भाग लेना हर एक नागरिक की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी : शालिनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा देश भर में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इस बीच कोडरमा में भी एसआईआर अभियान को गति दे दिया गया है। इसी क्रम में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री ने स्वयं गणना प्रपत्र भरकर उस पर हस्ताक्षर किए और कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 214 की बीएलओ बबिता साव को सौंपा। मौके पर गुप्ता ने कोडरमा की आम जनमानस को संदेश देते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान जब बूथ स्तर पदाधिकारी यानी कि बीएलओ उनके घरों पर गणना प्रपत्र लेकर पहुंचेंगे तो वे उसे बिना विलंब कर बारीकी से फार्म भरे, उस पर हस्ताक्षर करें और बीएलओ को त्वरित उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है और इससे मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने में सहायता मिलेगी। सभी योग्य मतदाता अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर पाए यही है एसआईआर का उद्देश्य उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना लोकतंत्र की मजबूती के लिए अति आवश्यक है। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान इस उद्देश्य से चलाया जा रहा है कि सभी योग्य मतदाताओं को मतदान का अधिकार सुनिश्चित हो तथा मतदाता सूची पूरी तरह सही और अद्यतन रहे।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने सुदूरवर्ती मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन द्वारा सतगावां प्रखंड के सुदूरवर्ती मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथ स्तरीय पदाधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने बीएलओ से घर-घर भ्रमण, गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र एवं मृत मतदाताओं के नाम विलोपित करने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का पूर्ण अनुपालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर पुनरीक्षण कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा बीएलओ के घर-घर भ्रमण के दौरान आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी उपलब्ध कराकर मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुभाष यादव, सहायक निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

देवघर में जुलाई मध्य से शुरू होगी होमगार्ड भर्ती की आवेदन प्रक्रिया

देवघर : जिले में होमगार्ड भर्ती की तैयारी तेज हो गई है। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय समिति की बैठक में गृह रक्षा वाहिनी की नियुक्ति प्रक्रिया को मंजूरी दे दी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जुलाई माह के मध्य से आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, जबकि राजकीय श्रावणी मेला-2026 के समापन के बाद भर्ती की आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। बैठक में उपायुक्त ने भर्ती प्रक्रिया से जुड़े सभी चरणों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही उपायुक्त ने शारीरिक दक्षता परीक्षा और लिखित परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

भाजपा अनुसूचित मोर्चा की जिला बैठक संपन्न, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सफल बनाने का आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा की जिला बैठक रविवार को साहू धर्मशाला, झुमरी तिलैया में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सिमरिया के पूर्व विधायक आदरणीय किशुन दास उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामचंद्र राम ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री महादेव दास ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि किशुन दास ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज देश और समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी कार्यकर्त्ताओं से प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का भी आधार है। भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा और सेवा भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में सक्रिय भागीदारी ही भाजपा की पहचान है। उन्होंने अनुसूचित मोर्चा के कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया। सभी से आह्वान किया कि सभी रक्फ़ के लिए बीएलए और बीएलओ से मिलकर सहयोग करें। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, सदस्यता विस्तार, बूथ सशक्तिकरण तथा सामाजिक जागरूकता अभियानों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा के गणेश दास, कृष्णा दास, बैजनाथ मिर्धा, राजू दास, रवि दास, शशि कुमार दास, अर्जुन दास,बलराम कुमार, कैलाश दास, अजय दास, कोडरमा जिला प्रभारी प्रवीण मेहता, जिला महामंत्री नरेंद्र पाल, सुनील बड़गांवे, संतोषी देवी सहित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जन्मशताब्दी वर्ष पर डोमचांच में प्रज्ञा पुराण कथा का शुभारंभ, निकली भव्य कलश यात्रा

झुमरी तिलैया : वंदनीया माताजी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री चेतना केन्द्र, डोमचांच में आयोजित पांच दिवसीय प्रज्ञा पुराण कथा का शुभारंभ रविवार को भव्य कलश एवं चेतना शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर तथा हाथों में धर्मध्वज, मशाल, वेद, पौधे और प्रेरक संदेशों की तख्तियां लेकर नगर भ्रमण किया। गायत्री महामंत्र, जयघोष और प्रेरक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा ने देवकन्याओं के सिर पर कलश एवं वेद स्थापित कर किया। उन्होंने कहा कि वंदनीया माताजी का जीवन सेवा, साधना, संस्कार और नारी जागरण का प्रेरणास्रोत रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का विस्तार करना है। शांतिकुंज हरिद्वार के निदेर्शानुसार जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रमों के तहत टोली के नकुल देव, प्रदीप साव, मुकेश राणा और संजय शर्मा प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 8:30 बजे तक गायत्री चेतना केन्द्र, डोमचांच में प्रज्ञा पुराण कथा का वाचन एवं प्रेरक प्रवचन करेंगे। यह आयोजन 8 जुलाई तक प्रतिदिन चलेगा। स्थानीय क्षेत्रों में आध्यात्मिक ऊर्जा और संस्कारों का वातावरण सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 6 जुलाई की सुबह 8 बजे भेलवाटांड़ देवी मंडप तथा 7 जुलाई की सुबह 8 बजे बेहराडीह देवी मंडप में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कारों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 9 जुलाई को गायत्री चेतना केन्द्र, डोमचांच में नवकुंडीय गायत्री महायज्ञ, पूर्णाहुति, विभिन्न संस्कारों तथा शांतिकुंज की टोली के विदाई समारोह के साथ होगा। गायत्री परिवार, डोमचांच ने श्रद्धालुओं से प्रतिदिन सपरिवार प्रज्ञा पुराण कथा, यज्ञ एवं संस्कारों में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ लेने तथा युग निर्माण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करने की अपील की है। आयोजन को सफल बनाने में डोमचांच गायत्री परिवार के सभी कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे, झुमरी तिलैया में 'स्वनिधि महोत्सव' आयोजित

झुमरी तिलैया : प्रधानमंत्री स्वनिधि (पीएम स्वनिधि) योजना के सफलतापूर्वक छह वर्ष पूरे होने के अवसर पर झुमरी तिलैया नगर परिषद द्वारा 'स्वनिधि महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को योजना से जोड़ते हुए उन्हें स्वरोजगार के लिए आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना था। महोत्सव के दौरान 35 लाभुकों की ऑनलाइन क्रेडिट प्रक्रिया पूरी कराई गई। वहीं विभिन्न बैंकों के माध्यम से कुल 94 स्ट्रीट वेंडर्स के ऋण आवेदनों को स्वीकृति के लिए अग्रसारित किया गया। इनमें 54 वेंडर्स के 15-15 हजार रुपये, 28 वेंडर्स के 25-25 हजार रुपये तथा 12 वेंडर्स के 50-50 हजार रुपये के ऋण आवेदन शामिल हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अंकित गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके व्यवसाय के विस्तार को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद द्वारा पात्र लाभुकों को योजना का लाभ दिलाने के साथ-साथ अन्य सरकारी योजनाओं से भी जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। सिटी मिशन मैनेजर नीलम कुमारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत तीन चरणों में ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। समय पर ऋण चुकाने वाले लाभुकों को ब्याज सब्सिडी का लाभ मिलता है, वहीं डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाता है। उन्होंने स्ट्रीट वेंडर्स से डिजिटल भुगतान अपनाने और समय पर ऋण अदायगी करने की अपील की। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन, सड़क सुरक्षा बीमा योजना, कन्या योजना सहित कुल आठ विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी जानकारी स्ट्रीट वेंडर्स को दी गई, ताकि वे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2020 में शुरू हुई प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर परिषद क्षेत्र से अब तक 2,041 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1,970 आवेदन स्वीकृत किए गए। योजना के अंतर्गत 1,929 स्ट्रीट वेंडर्स को अब तक लगभग 2 करोड़ 96 लाख रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है, जबकि स्वीकृत ऋण राशि का कुल मूल्य लगभग 3 करोड़ 9 लाख रुपये है। कार्यक्रम में प्रकाश रंजन झा, उद्योग विभाग कोडरमा के राजीव सिंह, सीआरपी वीणा देवी, खुशबू कुमारी, रिंकू देवी, सुनीता देवी, आशा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। स्ट्रीट वेंडर राजेश केशरी और संतोष कुमार ने डिजिटल भुगतान के महत्व पर अपने विचार साझा किए। वहीं कई छोटे व्यवसायियों ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना उनके व्यवसाय के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है और इससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

टैलेंट हंट में एथलीटों ने दिखाई शानदार प्रतिभा

देवघर : एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित 'टैलेंट हंट कार्यक्रम' के तीसरे चरण के तहत रविवार को पालोजोरी प्रखंड के फुटबॉल स्टेडियम में प्रखंड स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-16 और सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मैदान पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान शॉट पुट (गोला फेंक) सहित विभिन्न स्पधार्ओं का आयोजन किया गया, जिसमें खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। टैलेंट हंट कार्यक्रम में कुल 56 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 37 लड़के और 19 लड़कियां शामिल थीं। सभी प्रतिभागियों ने अपनी गति, ताकत और खेल कौशल से उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता में बेटियों की उल्लेखनीय भागीदारी ने आयोजन को और भी प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के योजना आयोग अध्यक्ष आशीष झा ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य जिले के हर प्रखंड और गांव में छिपी खेल प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें आगे बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि टैलेंट हंट का अगला चरण 12 जुलाई को मधुपुर प्रखंड में आयोजित किया जाएगा और उम्मीद है कि वहां से भी कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आएंगे। एसोसिएशन के सचिव मनोज मिश्रा ने कहा कि संस्था खिलाड़ियों के घर तक खेल की सुविधा पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि पालोजोरी में कई प्रतिभाशाली एथलीट मिले हैं, जिन्हें प्रशिक्षण देकर जिला और राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि चयनित खिलाड़ियों को 21 एवं 22 जुलाई को देवघर के केकेएन स्टेडियम में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वहां से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में देवघर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चांडिल प्रखंड में जिला परिषद के तीन योजनाओं का विधायक सविता महतो ने किया शिलान्यास

20.51 लाख रुपये की लागत से डीप बोरिंग व शौचालय का होगा निर्माण

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : प्रखंड क्षेत्र में जिला परिषद मद से स्वीकृत तीन विकास योजनाओं का शिलान्यास रविवार को ईचागढ़ विधायक सविता महतो एवं जिला परिषद सदस्य पिंकी लायेक ने संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण कर किया। इस अवसर पर विधायक सविता महतो ने कहा कि क्षेत्र के विकास और लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पेयजल और स्वच्छता से जुड़ी ये योजनाएं ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। सरकार गांव-गांव तक विकास की योजनाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है और आगे भी जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। शिलान्यास की गई योजनाओं में चांडिल प्रखंड के आसनबनी पंचायत स्थित कांदरबेड़ा सरदार टोला सरकारी स्कूल के पीछे कालीचरण सिंह की जमीन में 6.50 लाख रुपये की लागत से डीप बोरिंग सह पाइपलाइन कार्य, चिलगु पंचायत के सालगाड़ीह में संजय कुंभकार के घर के सामने 6.50 लाख रुपये की लागत से डीप बोरिंग सह पाइपलाइन कार्य तथा रुचाप पंचायत के डैम रोड मार्केट कॉम्प्लेक्स परिसर में 7.51 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक शौचालय निर्माण एवं पानी टंकी पर लाइन मोटर सहित निर्माण कार्य शामिल है। इन तीनों योजनाओं पर कुल 20.51 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। जिला परिषद सदस्य पिंकी लायेक ने कहा कि इन योजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में पेयजल एवं स्वच्छता की सुविधा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं और आगे भी जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य ओम प्रकाश लायेक, काबलु महतो, मुखिया बिदू मुर्मू, मुखिया प्रतिनिधि शत्रुघन सिंह सरदार, आनंद सिंह, शिव चरण रजवाड़, मदन मुर्मू, अशोक दास, बिल्टू राय समेत काफी संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

एक नजर

सापदा घाट में तिरुलडीह पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

तिरुलडीह : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत तिरुलडीह थाना पुलिस ने अवैध बालू खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए सापदा घाट से अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त किए हैं। यह कार्रवाई तिरुलडीह थाना प्रभारी कोशल कुमार के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। पुलिस के घाट पर पहुंचते ही दोनों ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टरों को कब्जे में लेकर थाना परिसर लाया है। थाना प्रभारी कोशल कुमार ने बताया कि अवैध खनन और बालू के अवैध परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जब्त वाहनों के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध खनन और बालू तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए आगे भी इस तरह के सघन अभियान लगातार जारी रहेंगे।

उत्तर प्रदेश संघ पर मनमानी का लगाया आरोप

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी स्थित क्वुस्ट रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश संघ के संस्थापक सचिव प्रो. डी.पी. शुक्ला ने संघ एवं मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के संचालन को लेकर वर्तमान नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश संघ की स्थापना वर्ष 1954 में स्वर्गीय महावीर सिंह के प्रयासों से हुई थी। बाद में ट्रस्ट का गठन कर टाटा स्टील से लीज पर भूमि ली गई और वरिष्ठ समाजसेवियों के सहयोग से मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल की स्थापना की गई। प्रो. शुक्ला ने बताया कि वर्ष 2020 में कार्यकारिणी के निर्णय के अनुसार गौरी गांव में ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के उद्देश्य से भूमि खरीदी गई। भूमि की रजिस्ट्री और म्यूटेशन के बाद बाउंड्री निर्माण का अधिकांश कार्य भी पूरा हुआ, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश दुबे और लल्लन राय ने विकास कार्यों में लगातार बाधाएं उत्पन्न कीं। उनका कहना था कि वर्तमान नेतृत्व विकास के बजाय संस्था को नुकसान पहुंचा रहा है तथा अध्यक्ष संविधान के विपरीत सचिव के अधिकारों का भी प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश संघ के संविधान की अनदेखी करते हुए मनमाने ढंग से समितियों का गठन किया गया और निष्पक्ष जांच के बजाय पक्षपातपूर्ण कार्रवाई कर उन्हें, मैनेजिंग ट्रस्टी विजय सिंह राणा और देवेश अवस्थी को निष्कासित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर में बाउंसर तैनात कर आजीवन सदस्यों के प्रवेश पर रोक लगाई जा रही है। प्रो. शुक्ला ने वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि सचिव के हस्ताक्षर के बिना लगभग दो करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जो संघ के संविधान और वित्तीय नियमों का उल्लंघन है।

उन्होंने पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुका है। इसलिए उसके बाद लिए गए सभी निर्णय निरस्त कर सरकार की निगरानी में उत्तर प्रदेश संघ का निष्पक्ष चुनाव कराया जाना चाहिए। प्रेस वार्ता में विजय सिंह राणा, देवेश अवस्थी, अनिल कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

टाटा लीज नवीनीकरण से पहले मूल रैयतों को मिले न्याय

हरमोहन की अगुवाई में भू-राजस्व मंत्री मूलवासी अधिकार मंच ने सौंपा ज्ञापन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : झारखंड मूलवासी अधिकार मंच का प्रतिनिधिमंडल मंच के मुख्य संयोजक हरमोहन महतो के नेतृत्व में राज्य के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुआ से उनके चाईबासा स्थित आवास में मिला तथा ज्ञापन सौंपा। उक्त ज्ञापन में टाटा स्टील की प्रस्तावित लीज नवीनीकरण प्रक्रिया से पहले 18 मौजा के मूल रैयत खतियानधारियों, आदिवासी एवं मूलवासी विस्थापितों के अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की है। आग्रह किया कि टाटा कंपनी की स्थापना के दौरान विस्थापित हुए 18 मौजा के मूल रैयतों के साथ न्याय किए बिना लीज नवीनीकरण नहीं किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 1996, 1908 और 1937 के खतियानों के आधार पर सर्वे कराने, वर्ष 2005 के लीज नवीनीकरण की समीक्षा कराने तथा लीज प्रक्रिया से बाहर रह गई रैयती

जमीनों को मूल रैयतों को लौटाने की मांग की है। साथ ही अवैध कब्जों पर कार्रवाई, ग्राम सभा की सहमति के बिना भूमि संबंधी प्रक्रिया पर रोक और लीज नवीनीकरण की समितियों में रैयत एवं विस्थापित प्रतिनिधियों को शामिल करने की भी मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के बावजूद अबतक राज्य सरकार को समुचित प्रस्ताव नहीं भेजा गया है। हरमोहन महतो ने कहा कि टाटा स्टील की लीज नवीनीकरण से पहले विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, रोजगार और भूमि अधिकारों पर सरकार को ठोस निर्णय लेना चाहिए।

रेलवे का अवैध टिकट बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

सरिया : रेलवे टिकटों की कालाबाजारी और अवैध कारोबार के खिलाफ हजारीबाग रोड आरपीएफ को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। आरपीएफ इंस्पेक्टर विश्वनाथ कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार को हजारीबाग रोड बुकिंग ऑफिस के सामने से एक व्यक्ति को अवैध रूप से टिकट बेचने के जुर्म में रंगे हाथों पकड़ा गया। आरपीएफ द्वारा पकड़े गए व्यक्ति की पहचान प्रदीप कुमार गुप्ता के रूप में हुई है, जो सरिया वार्ड नंबर 6 का रहने वाला है। कड़ाई से पूछताछ करने पर प्रदीप ने स्वीकार किया कि वह खुद टिकट का धंधा नहीं करता, बल्कि घनश्याम मंडल नामक व्यक्ति के लिए रेलवे बुकिंग काउंटर से अवैध रूप से टिकट कटवाता है और फिर उसे ऊंचे दामों पर बेचने का धंधा करता है। गिरफ्तारी के बाद जब आरपीएफ ने

प्रदीप कुमार गुप्ता की तलाशी ली, तो उसके पास से निम्नलिखित चीजें बरामद हुईं। स्लीपर क्लास के दो लाइव रेलवे बुकिंग टिकट। कुल 210 रेलवे टिकटों के फोटो। व्हाट्सएप चैट से टिकटों के इस अवैध धंधे और खरीद-बिक्री से जुड़े कई पुख्ता सबूत। इन पुख्ता सबूतों के आधार पर आरपीएफ ने प्रदीप कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। प्रदीप और उसके मालिक घनश्याम मंडल के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया है।आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त प्रदीप कुमार गुप्ता को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। वहीं, इस अवैध कारोबार का मुख्य सूत्रधार घनश्याम मंडल फिलहाल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए आरपीएफ लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही उसे भी दबोच लिया जाएगा।

बजरंग दल और विहिप के स्वास्थ्य शिविर में 120 से अधिक मरीजों की हुई जांच

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : विश्व हिंदू परिषदझबजरंग दल, जिला खूंटी की ओर से सेवा सप्ताह के तहत रविवार को बड़ाईक टोली में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा जरूरतमंद मरीजों के बीच मुफ्त दवाइयों का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनसेवा की दिशा में सराहनीय प्रयास बताया। शिविर का नेतृत्व बजरंग दल के जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो ने किया। उनके नेतृत्व में कार्यकताओं ने पंजीकरण, मरीजों की व्यवस्था एवं चिकित्सा टीम के समन्वय की जिम्मेदारी निभाई। शिविर में केएस गंगा अस्पताल के

डॉ. अंजीव नयन, डॉ. मुनमुन, डॉ. अतुल कुमार, डॉ. पवन राम सहित चिकित्सकीय टीम तथा एसजीवीएस के डॉ. अभिषेक मिश्रा एवं सहयोगियों ने स्वास्थ्य जांच और परामर्श दिया। एमबीटी ट्रस्ट की टीम ने भी आयोजन में सहयोग किया।

डॉ. अंजीव नयन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य जांच से गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान संभव है। डॉ. अभिषेक मिश्रा ने स्वास्थ्य जागरूकता को समाज के विकास का आधार बताते हुए ऐसे शिविरों की आवश्यकता पर बल दिया।

विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष विनोद जायसवाल ने कहा कि सेवा संगठन की पहचान है और भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यक्रम जारी रहेंगे। जिला उपाध्यक्ष विकास मिश्रा ने चिकित्सकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

बॉटम बाजार रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर परिसर में मुनि प्रमाण सागर सभागार का हुआ उद्घाटन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शहर के बॉटम बाजार रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर परिसर में नवनिर्मित मुनि 108 प्रमाण सागर सभागार का उद्घाटन रविवार को चंद्र प्रकाश जैन ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनिश्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन के दौरान समाज के लोगों ने भगवान महावीर स्वामी की जय, आचार्य प्रमाण सागर जी महाराज की जय, मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज की जय तथा मुनिश्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज की जय के जयघोष लगाए, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। उद्घाटन के समय जैन समाज के सदस्य एवं पदाधिकारी ही उपस्थित थे। उद्घाटन के उपरांत दिगंबर जैन पंचायत,

हजारीबाग के अध्यक्ष नागेंद्र जैन, महामंत्री संजय अजमेरा सहित समाज के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने चंद्र प्रकाश जैन, उनकी धर्मपत्नी लता जैन, दामाद प्रणीत जैन तथा परिवार के अन्य सदस्यों का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि नवनिर्मित मुनि 108 प्रमाण सागर सभागार का निर्माण आधुनिक सुविधाओं एवं आकर्षक स्वरूप के साथ किया गया है। उद्घाटन समारोह के पश्चात पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनिश्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को अपने प्रवचनों से धर्म, संस्कार, सदाचार एवं मानव जीवन के मूल्यों पर चलने की प्रेरणा दी।

एक साल बाद भी अधूरी पड़ी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, कीचड़ और गड्ढों से ग्रामीण बेहाल

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत छोटी चुनचुरिया से आतरग्राम, चिमटिया होते हुए ईचागढ़ तक बन रही सड़क निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के करीब एक वर्ष बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। करोड़ों रुपये की इस महत्वाकांक्षी योजना की धीमी रफ्तार अब ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। अधूरा निर्माण, जगह-जगह बड़े गड्ढे और बारिश के कारण कीचड़ से सड़क की हालत बद से बदतर हो चुकी है। बता दें कि.... सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत 23 अगस्त 2023 को हुई थी, जबकि इसे 22 फरवरी 2025 तक पूरा किया जाना था। निर्माण कार्य का जिम्मा एमएस मेगोटिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। लेकिन तय समय बीत जाने के बावजूद कई हिस्सों में अब तक जीएसबी की परत भी नहीं बिछाई गई है, जिससे निर्माण कार्य की धीमी गति साफ दिखाई देती है। निर्माण एजेंसी की लापरवाही और संबंधित विभाग की उदासीनता का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। अधूरी सड़क अब बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बारिश के दौरान सड़क पर जलभराव और कीचड़ से हालात और गंभीर हो जाते हैं। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा बना रहता है, जबकि स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य में हो रही देरी और कथित लापरवाही की शिकायत ग्रामीणों द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से भी भेजी जा चुकी है। इसके बावजूद निर्माण कार्य में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और ग्रामीण कार्य विभाग से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, निर्माण कार्य में तत्काल तेजी लाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा लापरवाही बरतने वाले संवेदक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र सड़क निर्माण पूरा नहीं कराया गया

छोटा चुनचुरिया-आतरग्राम-चिमटिया-ईचागढ़ सड़क निर्माण ठप गड्ढों में तब्दील हुई सड़क; प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंची शिकायत

संक्षिप्त खबरें

रात होते ही गुल हो रही बिजली, गर्मी में रातजगा करने को मजबूर हैं सरिया के लोग

सरिया : भीषण और उमस भरी गर्मी के बीच बिजली विभाग की लचर कार्यशैली स्थानीय उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल बन चुकी है। क्षेत्र में बिजली की अघोषित और अनियमित कटौती मानो अब विभाग की रुटीन बन चुकी है। जिससे आम जनता का जीना मुहाल हो गया है। यह तीखा हमला झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता और झारखंड आंदोलनकारी त्रिभुवन मंडल ने अपने कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान किया। संवाददाता सम्मेलन में बिजली संकट पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए झामुमो नेता ने कहा कि विभाग जान-बूझकर पीक आवर्स में बिजली की कटौती कर रहा है। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि हर दिन रात के लगभग 8:00 से 9:00 बजे के बीच जब लोग दिनभर की थकान मिटाने घर लौटते हैं तभी बिजली काट दी जाती है। इसके बाद बिजली सीधे आधी रात के बाद यानी तड़के 2:00 से 3:00 बजे के आसपास लौटती है। इस बीच उमस भरी और चिपचिपी गर्मी में बिना पंखे-कूलर के बंद कमरों में बैठना तो दूर,सांस लेना भी दूभर हो जाता है। बच्चे,बुजुर्ग और बीमार लोग पूरी-पूरी रात जागकर काटने को मजबूर हैं। दिनभर की तपिश के बाद रात को भी आराम न मिलने से जनता में बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश पनप रहा है। श्री मंडल ने विभागीय अधिकारियों के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी या तो फोन नहीं उठाते या फिर तकनीकी खराबी का घिसा-पिटा बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लेते हैं। जनता की समस्याओं के प्रति प्रशासन का यह रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। झामुमो नेता ने विभाग के उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन से मांग की है कि रात के समय की जाने वाली इस बेतहाशा कटौती पर तुरंत रोक लगाई जाए। उन्होंने दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि सरिया अनुमंडल को अविलंब अनवरत 22 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। यदि विभाग ने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया और कटौती बंद नहीं हुई तो बिजली विभाग के खिलाफ एक जबरदस्त और उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। श्री मंडल ने साफ किया कि जनता के हकों के लिए झामुमो सड़क पर उतरने से पीछे नहीं हटेगा।

चिलचिलाती धूप में भी थमे नहीं कदम, अंचल अधिकारी ने किया मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण

सरिया : भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप भी लोकतंत्र के काम में बाधा नहीं बन सकी। रविवार की छुट्टी के दिन भी सरिया प्रखंड के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी (उड) पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों (बूथों) का सघन दौरा कर जारी गणना प्रपत्र वितरण कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जमीनी हकीकत का जायजा लिया और प्रतिनियुक्त कर्मियों को कार्य में तेजी लाने व पारदर्शिता बरतने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उपस्थित कर्मियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने के लिए हर एक मतदाता का डेटा सटीक और दुरुस्त होना अनिवार्य है। मौसम चाहे कितना भी तल्ख क्यों न हो, हमारा कर्तव्य है कि हम हर अर्हता प्राप्त नागरिक तक पहुंचें। गणना प्रपत्र का वितरण शत-प्रतिशत और त्रुटिहीन होना चाहिए, ताकि कोई भी योग्य व्यक्ति अपने अधिकार से वंचित न रह सके। सभी बीएलओ और संबंधित कर्मी पूरी ईमानदारी और तत्परता से इस कार्य को समय पर पूरा करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार की भीषण गर्मी में भी अधिकारी खुद फील्ड में उतरे, जिससे कर्मियों में भी ऊर्जा का संचार देखा गया। बूथों पर जाकर प्रपत्र वितरण की पंजी (रजिस्टर) और उपलब्ध आंकड़ों का बारीकी से मिलान किया गया। सभी प्रपत्रों को निर्धारित समय के भीतर वितरित कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया।

राशनकार्ड लाभुकों की जातिवार जानकारी अपडेट करने का डीलरों को दिया गया प्रशिक्षण

बरही : बरही प्रखंड सभागार में रविवार को बरही प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में संचालित पीडीएस विक्रेताओं के लिए दुकान से संबंधित राशनकार्ड लाभुकों का जातिवार अद्यतन जानकारी प्राप्त करने को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मनोहर भगत ने प्रखंड के सभी डीलरों को आहार मोबाइल एप्लीकेशन एप द्वारा लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से दुकान से संबंधित सभी लाभुकों का जातिवार अद्यतन जानकारी प्राप्त करने का सिस्टम बारीकी से समझाया। प्रशिक्षण के बाद डीलर अपने मोबाइल या ईपोश मशीन के माध्यम से लाभुकों की जातिवार अद्यतन जानकारी अपलोड करेंगे, उसके बाद जानकारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के लॉगिन में जाएगी। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा वेरिफिकेशन करने के बाद जिला आपूर्ति अधिकारी के लॉगिन में जाएगी और वह उसे अप्रूव करेंगे। प्रशिक्षण शिविर में बंटी ठाकुर, सुखदेव साव, किशोर ठाकुर, महादेव प्रसाद, मंटु ठाकुर, नंदकिशोर कुमार, राम-लखन यादव, नंदकिशोर प्रसाद, संतोष केशरी, चंद्रदेव रविदास, मो क्युम, मुरली यादव, प्रशांत कुमार, छोटेलाल राम, प्रभु यादव, मुकेश राना, जहुर अंसारी, लखन राम, सीताराम सिंह सहित बरही प्रखंड के सभी डीलर शामिल हुए।

घर-घर हो रहा है एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण

खूंटी : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो जावेद हुसैन के निर्देश पर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचक नामावली के अद्यतन कार्य में तेजी लाई गई है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी और सहायक निर्वाचक निबंधन अधिकारी के नेतृत्व में एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य युद्धस्तर पर संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण कर रहे हैं। साथ ही प्राप्त प्रपत्रों का निर्धारित समय सीमा के भीतर बीएलओ के माध्यम से डिजिटाइजेशन भी सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि निर्वाचक नामावली का शुद्धिकरण एवं अद्यतन कार्य समय पर पूरा हो सके। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर फॉर्म वितरण और डिजिटाइजेशन कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

पंजाब के बड़े राजनैतिक दलों में अस्थिरता का दौर

पंजाब विधान सभा चुनाव की आहट ने प्रदेश का सियासी पारा काफी बढ़ा दिया है।एक तरफ सभी दल चुनाव की तैयारियों में लगे हैं तो दूसरी तरफ कुछ माह पूर्व आम आदमी पार्टी में टूट के बाद अब पंजाब कांग्रेस के नये अध्यक्ष के नाम की घोषणा के बाद जिस तरह से पार्टी में कलह मची हुई है, वह कई सवाल खड़े कर रहा है,लेकिन यह सवाल किसी नीतिगत बहस या विकास के एजेंडे को लेकर नहीं, बल्कि दो प्रमुख दलों कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के भीतर मची भारी उथल-पुथल को लेकर है। राज्य की सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए जहां कांग्रेस और आप को अपनी संगठनात्मक एकता प्रदर्शित करनी चाहिए थी, वहां ये दल अंदरूनी कलह, असंतोष और बगावत के भंवर में फंसते नजर आ रहे हैं। पंजाब की राजनीति के इतिहास में शायद ही ऐसा कोई दौर रहा हो, जहां प्रमुख विपक्षी दलों के भीतर इतना अधिक अविश्वास और बिखराव देखने को मिला हो, जैसा कि वर्तमान में दिखाई दे रहा है। कांग्रेस पार्टी के भीतर हालिया संगठनात्मक बदलावों ने आग में घी डालने का काम किया है। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) के अध्यक्ष पद पर बरकरार रखने का आलाकमान का निर्णय पार्टी के एक बड़े धड़े को रास नहीं आया है। इस निर्णय से नाराज पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का मोरिंडा स्थित आवास पर किया गया शक्ति प्रदर्शन केवल एक विरोध नहीं, बल्कि पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुला विद्रोह है। चन्नी का यह कदम दशार्ता है कि कांग्रेस के भीतर सत्ता के अलग-अलग केंद्र बन चुके हैं, जो आपस में तालमेल बिठाने के बजाय एक-दूसरे को नीचा दिखाने में अधिक रुचि रखते हैं। जब एक पूर्व मुख्यमंत्री और दलित चेहरा माने जाने वाले नेता नेतृत्व के फैसलों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाते हैं, तो इसका सीधा असर जमीनी स्तर के कार्यकताओं के मनोबल पर पड़ता है। यह कलह ऐसे समय में सामने आई है जब पार्टी को एकजुट होकर चुनाव की रणनीति बनानी चाहिए थी, लेकिन अब नेतृत्व का पूरा ध्यान अपने ही नेताओं को मनाने और पार्टी में फूट को रोकने पर केंद्रित हो गया है। इसी बीच, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात ने पंजाब के सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। रंधावा ने इसे व्यक्तिगत या गैर-राजनीतिक मुलाकात करार दिया है, लेकिन राजनीति में गैर-राजनीतिक कुछ भी नहीं होता, विशेषकर चुनाव से ठीक पहले। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की ऐसी मेल-मुलाकातें अक्सर दल-बदल की पटकथा की ओर इशारा करती हैं। रंधावा का यह कदम न केवल पार्टी नेतृत्व के लिए एक संकेत है, बल्कि कार्यकताओं के बीच भ्रम और संदेह भी पैदा करता है। कांग्रेस पहले से ही पंजाब में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए जूझ रही है, और ऐसी घटनाओं से यह संदेश जा रहा है कि पार्टी के भीतर निष्ठा का संकट गहराता जा रहा है। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी की स्थिति भी इससे भिन्न नहीं है। कुछ माह पूर्व आम आदमी पार्टी के भीतर जो बिखराव देखने को मिला, वह पार्टी के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं था। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित आठ सांसदों का भाजपा में शामिल होना न केवल पार्टी के संख्याबल को कम करने वाला था, बल्कि यह पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व क्षमता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा गया। एक ऐसी पार्टी, जिसने भ्रष्टाचार के विरोध और विकल्प के तौर पर अपनी पहचान बनाई थी, उसके भीतर ही जब इतने बड़े पैमाने पर दल-बदल होता है, तो जनता के बीच यह संदेश जाता है कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व अपने कुनबे को एकजुट रखने में विफल रहा है। भाजपा का यह रणनीतिक कौशल कहा जाएगा कि वह कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ही दलों के असंतुष्ट नेताओं के लिए एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में उभर रही है।

सूडोकु नवताल- 7847

★★★✫✩ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7846 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

अलविदा खामनेई : मर के जीना सिखा दिया तूने

तनवीर जाफरी

ईरान के सर्वोच्च नेता शहीद सैयद अली खामनेई के बहुप्रतीक्षित अंतिम संस्कार की रस्म इन दिनों ईरान- इराक में अदा की जा रही है। विश्व के अब तक के सबसे बड़े अंतिम संस्कार के इस राजकीय शोक में भारत, पाकिस्तान, रूस, चीन,सऊदी अरब,अफगानिस्तान सहित लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। गौरतलब है कि गत 28 फरवरी को पवित्र रमजान माह में अमेरिका व इस्त्राईल द्वारा किये गये कायराना हवाई हमले में सैयद अली खामनेई ,उनकी बेटी बुशरा हुसैनी खामेनेई व दामाद मिस्बाह अल-हुदा बाकरी उनकी 14 महीने की पोती जहरा मोहम्मदी गुल पायगानी तथा खामनेई के बेटे व वर्तमान सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामनेई की पत्नी सभी एक साथ शहीद हो गये थे। ईरान पर अमेरिका व इस्त्राईल द्वारा थोपे गये युद्ध में उलझे होने के कारण खामनेई के अंतिम संस्कार की रस्म अब तक अदा नहीं की जा सकी थी। अब निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार संस्कार की रस्म की शुरूआत 3 जुलाई से हो चुकी है। 3 जुलाई को ईरान के उप गृह मंत्री ब्रिगेडियर जनरल अली अकबरपूर जमशीदियान द्वारा विदेशी गणमान्य लोगों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला मस्जिद में 4 व 5 जुलाई का दो दिन का शोक समारोह आयोजित किया गया। इसके बाद 5 जुलाई को मुख्य जनाजे की नमाज अदा की गयी। 6 जुलाई को तेहरान में जनाजे की अंतिम यात्रा निर्धारित समयानुसार सुबह 6 बजे शुरू होगी। अगले दिन यानी 7 जुलाई को ईरान के प्रमुख धार्मिक शहर कुम में भी अंतिम यात्रा निकाली जाएगी और यहाँ की प्रसिद्ध पवित्र जमकरान मस्जिद में नमाज- ए-जनाजा अदा की जाएगी।

इसी तरह 8 जुलाई को इराक के नजफ और कर्बला में भी अंतिम यात्रा निकाली जायेगी। निर्धारित योजनानुसार इराक में 7 जुलाई की शाम शहीद खामनेई का जनाजा नजफ पहुंचेगा। 8 जुलाई को सुबह 6 बजे नजफ और शाम 4 बजे कर्बला में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद पार्थिव शरीर को वापस ईरान ले जाया जाएगा। याद रहे कि मक्का और मदीना के बाद नजफ और कर्बला को शिया इस्लाम के सबसे ऐतिहासिक व पवित्र शहरों के रूप में मान्यता हासिल है। इसतरह अंतिम दिन यानी 9 जुलाई को अली खामेनेई के जनाजे को मशहद में शिया समुदाय के आठवें इमाम, इमाम रजा के मकबरे में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। अंतिम विदाई के बाद भी चालीस दिनों तक विभिन्न प्रांतों में धार्मिक सभाएं, प्रार्थनाएं आदि आयोजित की जाएंगी और अगले साल तक भी कार्यक्रम और सम्मेलन आयोजित किए जाते रहेंगे। अनुमान लगाया जा रहा है कि अंतिम संस्कार के इस आयोजन में ईरान-इराक सहित पूरे विश्व के करीब ढाई से तीन करोड़ तक लोग शरीक होंगे। अंतिम विदाई के इन समारोहों को ईरान केवल एक धार्मिक रस्म के रूप में ही नहीं बल्कि पिछले दिनों हुये युद्ध के बाद उभरी ईरान की राजनीतिक और कूटनीतिक ताकत के बड़े प्रदर्शन के तौर पर भी देख रहा है।

इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे भी होते हैं, जिनकी पहचान केवल पद, सत्ता या प्रसिद्धि से नहीं होती, बल्कि उनके चरित्र, जीवन-शैली,सादगी,समर्पण और सेवा-भाव से बनती है। आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई का जीवन भी उन्हीं व्यक्तित्वों में प्रमुख था जिसे सादगी, अनुशासन, आत्म-नियंत्रण और समर्पण के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। हालांकि उन्होंने ईरान में सर्वोच्च नेता के रूप में 47 वर्ष बिताए, जिसमें लगभग 40 वर्ष ईरान के रक्षा मंत्री , प्रेसिडेंट और सुप्रीम लीडर के तौर पर शामिल हैं। इसके बावजूद उनका सादा जीवन इस बात का संदेश देता है कि महानता केवल भव्यता के प्रदर्शन में नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने में होती है।

खामेनेई ने बचपन से ही शिक्षा, कुरआन और दीनी सेवा को अपने जीवन के केंद्र में रखा। उन्होंने पढ़ाई, तालीम, तफसीर, और राजनीतिक-सामाजिक गतिविधियों को एक साथ आगे बढ़ाया, और बार-बार गिरफ़्तारी व निर्वासन के बावजूद अपना काम ताउम्र जारी रखा। वे अपने निजी जीवन में भी साधारण रहन-सहन पसंद करते थे। उनका पूरा परिवार भी बेहद साधारण जीवन जीता था। उन्होंने कभी सरकारी वेतन नहीं लिया। खामनेई निजी लाभ, दिखावे और सत्ता की सुविधाओं से हमेशा दूर रहते थे। इसीलिये उनके जीवन को एक आदर्श,ईमानदारी व ज़िम्मेदारी की मिसाल के रूप में पेश किया जाता है। उनका पारिवारिक वातावरण धार्मिक, संयमी और सरल था। बचपन से ही उन्होंने कठिनाइयों, सीमित साधनों और संघर्षों के बीच शिक्षा प्राप्त की। ऐसे वातावरण में पले-बढ़े व्यक्ति के भीतर ही जीवन की सच्ची क़ीमत समझने की क्षमता विकसित होती है। शायद इसी कारण उनके व्यक्तित्व में दिखावे से अधिक गंभीरता, और आराम से अधिक कर्तव्य दिखाई देता है।

जब कोई व्यक्ति सत्ता की शक्ति के शिखर पर होते हुए भी सामान्य जीवन मूल्यों से जुड़ा रहता है, तो वह केवल प्रशंसा का पात्र ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिये प्रेरणास्त्रोत भी बन जाता है। उन्होंने अपने निजी जीवन में भी हमेशा विलासिता से दूरी बनाए रखी और सादगी को ही अपनी आदत, अपनी शैली और अपने स्वभाव का हिस्सा बनाया। यह सादगी केवल बाहरी नहीं थी, बल्कि उनके विचारों और प्राथमिकताओं में भी नजर आती थी। वे दिखावे के बजाय दायित्व को महत्व देते थे और निजी सुविधा की जगह सार्वजनिक जिम्मेदारी को। मानवता का मूल भी यही है कि शक्ति व सुविधा का उपयोग अपने अहंकार के लिए नहीं बल्कि दूसरों की भलाई के लिए होना चाहिये। इसी लिये शहादत से ठीक पहले कहे गये उनके वह शब्द इतिहास में दर्ज हो चुके हैं कि जब उनसे उनके सलाहकारों द्वारा अमेरिकी-इस्त्राईली हमलों से बचने के लिये सुरक्षित स्थान पर जाने के लिये कहा गया तो उन्होंने अपनी जान बचाने के लिए किसी बंकर या सुरक्षित स्थान पर जाने से यह कहकर मना किया कि 'पहले राजधानी तेहरान के सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित जगह की व्यवस्था हो तभी मैं भी अपना घर छोड़ूंगा'। और इसी के कुछ क्षणों बाद ही वे भीषण हवाई हमले में शहीद हो गये।

निःसंदेह उनके इसी समर्पण,सादगी व शिक्षा को सर्वाधिक महत्व देने के साथ करबला से प्रेरणा लेने का ही परिणाम था कि उन्होंने न केवल अपने जीते जी अमेरिका के स्वयं को विश्व का सर्वशक्तिमान समझने का घमंड चकनाचूर कर दिया बल्कि अपनी शहादत के बाद भी एक ऐसा ईरान खड़ा कर गये जो क्या अमेरिका तो क्या इस्त्राईल किसी के भी वर्चस्व या शक्ति को स्वीकार करने से इंकार कर रहा है। उनकी शहादत पूरी दुनिया के लोगों खासकर सत्ताधीशों के लिये उदाहरण पेश करती है। शहीद सैयद अली खामनेई को अलविदा कहते हुये कुंवर महेंद्र सिंह बेदी 'सहर' के शब्दों में यही कहूंगा कि 'जी के मरना तो सब को आता है। मर के जीना सिखा दिया तूने।।

लोककला से लोकसमृद्धि तक : बिहार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नई कहानी

हृदयनारायण दीक्षित

तमिलनाडु सरकार भारतीय संस्कृति पर लगातार हमलावर है। हाई कोर्ट के उस फैसले के विरुद्ध राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट गई है, जिसमें कोर्ट ने गोहत्या पर पाबंदी लगाई थी। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया है कि गाय वध किए जाने योग्य है। दूसरी तरफ, गाय भारतीय संस्कृति में मां की तरह आदरणीय हैं। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक गाय की प्रतिष्ठा है लेकिन विचारधारा के प्रति दुराग्रही तत्व गोहत्या की बातें करते हैं।

मंत्रों के अर्थार्थ में अपनी-अपनी दृष्टियाँ होती हैं। वैदिक समाज गाय को अघन्या/अवध्य मानता था। ऋग्वेद (1.164.27) में वह अघन्या है (वध न किए जाने योग्य), सौभाग्यदायिनी है। गाय सम्पूर्ण वैदिक साहित्य की श्रद्धा केन्द्र है। अथर्ववेद में वह विराट ब्रह्म है। वह एक सूक्त (9.12) की देवता है, गाय का ऊपरी जबड़ा द्युलोक है, निचला पृथ्वी, जीभ विद्युत है, दाँत मरुद्गण हैं, उदर भाग अंतरिक्ष है, दोनों कंधे मित्र और वरुण हैं आदि।

इसके पहले ऋग्वेद (8.101.215) में कहते हैं, यह रुद्रों की माता, वसुओं की दुहिता, आदित्यों की बहन तथा अमृत की नाभि है। यह अवध्य है। थोड़े शब्द बदल कर यही मंत्र अथर्ववेद में भी दुहराया गया है। यजुर्वेद भी गाय की महिमा से भरापूरा है। अथर्ववेद (12.4) में गाय को कष्ट पहुँचाने वालों का दण्ड वर्णित है, जो गाय के कान को पीड़ा देते हैं वे मानो देवताओं पर प्रहार करते हैं।

जो गौ पर परिचय चिह्न बनाते हैं, उनका धन नष्ट होता है। जो साज-सज्जा के लिए गौ बाल काटते हैं इस अपराध कर्म से उनकी संतानें मृत्यु को प्राप्त होती हैं। जिस गोपति के सामने कौआ गाय के बाल नोचता है, उसकी संतानें मर जाती हैं आदि। फिर गोहत्या के बारे में (अथर्व 12.9) कहा, गौघाती इस लोक और परलोक दोनों में दण्डनीय है।

ऋग्वेद (8.4.11) के एक मंत्र उक्षात्राय, वशात्राय, सोमपृष्ठाय वेधसे के आधार पर मैकडनल और कीथ ने वैदिक इंडेक्स में आर्यों को गोमांस भक्षी बताया है। यहाँ ऋषि अग्नि की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने उक्षा का अर्थ बैल तथा वशा का अर्थ गाय लगाया। उनके मुताबिक अग्नि देव मांस भक्षी हैं। इन विद्वानों ने उक्षा और वसा के साथ प्रयुक्त अन्नाय (अन्न) शब्दों पर गौर नहीं किया। सातवलेकर ने इसी मंत्र के अनुवाद में कहा, अन्न को रस से सिंचित करने वाले, अन्न को रमणीय बनाने वाले सोमपीठ अग्नि की हम उपासना करते हैं।

भारत में अन्न मांस नहीं था। 10वें मंडल के 27वें सूक्त के मंत्र 17 को भी गोमांस भक्षण के पक्ष में इस्तेमाल किया जाता है। वे मंत्र 17 के पीवान मेष का अर्थ भेड़ का पकाया जाना लगाते हैं। लेकिन लुडविग ने पीवान मेष का अर्थ जल से फूला मेघ किया है। सत्यकेतु विद्यालंकार ने बताया, ह्यह्ये मंत्र पहेलियों के रूप में हैं। यहाँ मेष का अर्थ भेड़ न होकर मेघ राशि अभिप्रेत है ... पीवानंमेष का अर्थ मेष राशि के तारा पुंज को चमकाना है। (प्राचीन भारतीय इतिहास का वैदिक युग, पृ. 213)

देवता मनुष्य की श्रद्धा है। मनुष्य अपना प्रिय खाद्य ही देवताओं को अर्पित करता है। गोदुग्ध वैदिक समाज का प्रिय पेय है। एक ऋषि अग्नि को दूध देना चाहते हैं लेकिन उनके पास अघन्या गाय है नहीं। (ऋ. 8.102.19) ऋषि इन्द्र से कहता है, अघन्या अपना दूध तुम्हें देती है। (9.1.9) इन्द्र अघन्या रक्षक (8.69.2) हैं तब वह और उनके अनुयायी आर्य अघन्या भक्षक कैसे होंगे? अघन्या अश्विनी देवों को भी दूध देती है। (1.164.27) गाएँ ऋग्वैदिक समाज में ही ऋषित्व की श्रेणी में पहुँच गईं। वे सोम की स्तुति करती हैं। अथर्व. में तो खैर वे देवता हैं ही। घी, अग्नि का अन्न है। वैदिक समाज जौ खाता था। अग्नि को भी जौ खिलाता था। वे गाय के दूध में सोम मिलाकर इन्द्र को भेंट करते थे। एक अन्न था धाना/धान्या। वे इन्द्र को धाना खिलाते थे। (ऋ 4.24.7)

ऋषि इन्द्र से कहते हैं, प्रतिदिन पधारो, धाना खाओ। (ऋ 3.53.7) खेती के देवता पूषन थे। वे करम्भ प्रेमी हैं। मार्क्सवादी विचारक डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया, करम्भ भुना हुआ अनाज था। करम्भ इन्द्र पूषन सबका प्रिय है। लेकिन घी के साथ मिलाकर तैयार अपूपह्य अन्य देवों के साथ मरुतगण भी खाते हैं। (ऋ 3.52.7) मैकडनल और कीथ ने एक और वैदिक व्यंजन पुरोडासह्य को ह्याज्ञ की रोटी बताया है। ऋषि इन्द्र से कहते हैं, प्रार्थना सुनो, पुरोडाइस खाओ। (ऋ 4.32.16) जो इन्द्र को पुरोडास खिलाता है, उसे इन्द्र पापों से बचाते हैं (ऋ 8.31.2) वैदिक समाज का जौ, धाना, करम्भ, अपूप, पुराडास, दूध और घी प्रेम चारों वेदों में व्याप्त है। गोमांस खिलाने का कहीं जिक्र ही नहीं। गाएं श्रद्धा हैं। अन्न खाद्य है। एक देवता बृहस्पति हैं। उन्होंने गायों को आकाश तक चरने भेजा (ऋ 2.24.14) मैकडनल ने लिखा, वह बादलों में जाकर गायों को पुकारते हैं। (ऋ 10.68.12)

ऋग्वेद से लेकर महाभारत और वर्तमानकाल तक गाय भारतीय संस्कृति और परम्परा में पूज्य है। तुलसीदास ने रामजन्म के कारण में से एक कारण गोसंवर्द्धन बताया, विप्र धेनु सुर संतहित लीन्ह मनुज अवतार। गीता में कृष्ण ने अर्जुन को अपने तमाम रूपों में से एक गाय रूप भी बताया। कृष्ण गोपाल थे। कौटिल्य ने भी गोसंरक्षण को जरूरी बताया। प्राचीन भारत गोपूजक था। गाय प्रतिष्ठा थी, गाय समृद्धि थी, गाय ऐश्वर्य थी। चैथी सदी के चीनी यात्री फाहियान व 7वीं सदी ह्वेनसांग के निष्कर्ष हैं कि भारत में मांसाहारी नहीं हैं।

गोहत्या के विरुद्ध भारत में अनेक आंदोलन हुए। गांधीजी ने गोहत्या बंदी को स्वराज का एक अंग बताया। गाय भारतीय अर्थव्यवस्था की माँ है, समाज व्यवस्था और सांस्कृतिक व्यवस्था का श्रद्धा केन्द्र। बावजूद इसके गोहत्या की पक्षधरता है। ऐसे तत्व गोमांस का पक्ष लेकर न जाने कैसा भारत बनाने का ख्वाब देख रहे हैं। अपने इतिहास, संस्कृति और अतीत को अपमानित करने का ऐसा कृत्य निन्दनीय है। विश्व इतिहास में किसी राष्ट्र में ऐसे आत्मघाती विचार नहीं मिलते। यह भारत का अपमान है। सनातन संस्कृति और परम्परा पर बेहूदा प्रहार है।

विकास की धंसती सड़कें और भ्रष्टाचार की गहरी नींवें

ललित गर्ग

जिस दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर को आधुनिक भारत के तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, उसकी सड़क उद्घाटन के महज ढाई महीने बाद पहली ही बरसात में धंस गई। सड़क इस तरह धंसी कि कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर विकास की चमकदार तस्वीर के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया। प्रश्न यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क पहली ही वर्षा का सामना क्यों नहीं कर सकी? क्या निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया गया? क्या जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं थी? या फिर यह भ्रष्टाचार, लापरवाही और जवाबदेही के अभाव का परिणाम है? यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में नई सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों और सार्वजनिक भवनों के ध्वस्त होने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों का गिर जाना पूरे देश को झकझोर गया था। एक ही दिन पांच पुल-पुलियों का धराशायी होना केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार का जीवंत प्रमाण था। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में 135 लोगों की जान चली गई। कोलकाता के विवेकानंद फ्लाईओवर के गिरने से अनेक परिवार उजड़ गए। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत गिरने की घटना और मुंबई के घाटकोपर में विशाल होर्डिंग गिरने से हुई मौतों ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि सार्वजनिक निर्माण की गुणवत्ता गंभीर संकट से गुजर रही है।

इन घटनाओं को केवल प्राकृतिक आपदा या भारी वर्षा का परिणाम बताकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। यदि पहली ही बारिश में सड़क धंस जाए, पुल बह जाएं या भवनों की छतें गिर जाएं, तो यह प्रकृति की नहीं, बल्कि मानव निर्मित विफलता की एवं गहरे में पैठे भ्रष्टाचार की कहानी है। आधुनिक इंजीनियरिंग और तकनीक के इस युग में ऐसी घटनाएं अस्वीकार्य हैं। यह विकास नहीं, बल्कि विकास के नाम पर जनता के साथ किया गया विश्वासघात है। सड़कें और पुल किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति की धमनियां होते हैं। इनके माध्यम से व्यापार चलता है, गांव शहरों से जुड़ते हैं, किसान अपनी उपज बाजार तक पहुंचाते हैं और आम नागरिक सुरक्षित आवागमन करते हैं। जब यही आधारभूत संरचनाएं असमय ध्वस्त होने लगें, तो केवल कंक्रीट और लोहे का ढांचा नहीं टूटता, बल्कि जनता का शासन और प्रशासन पर विश्वास भी टूटता है।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर की सड़क धंसने के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजर और टीम लीडर को निलंबित किया तथा निर्माण कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल निलंबन से समस्या का समाधान हो जाएगा? अनुभव बताता है कि अधिकांश मामलों में निलंबित अधिकारी कुछ समय बाद बहाल हो जाते हैं या उनका स्थानांतरण कर दिया जाता है। जिन कंपनियों को काली सूची में डाला जाता है, वे कुछ समय बाद नए नाम से फिर सरकारी ठेके प्राप्त करने लगती हैं। परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार का चक्र लगातार चलता रहता है। वास्तविक समस्या जवाबदेही के अभाव की है। निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया-डिजाइन, सामग्री, तकनीकी परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय नहीं होती। जब दोषियों को कठोर दंड नहीं मिलता, तब भ्रष्टाचार को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिल जाता है। यही कारण है कि हर वर्ष बरसात के साथ सड़कें उखड़ती हैं, पुलों में दरारें पड़ती हैं और करोड़ों रुपये की परियोजनाएं समय से पहले दम तोड़ देती हैं। देश में सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं का बड़ा हिस्सा कमीशनखोरी और रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। ठेके हासिल करने से लेकर बिलों के भुगतान तक अनेक स्तरों पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। जब परियोजना की लागत का बड़ा भाग अवैध लेन-देन में खर्च हो जाता है, तब निर्माण की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। घटिया सामग्री का उपयोग, तकनीकी मानकों की अनदेखी और समय सीमा का दबाव मिलकर ऐसी संरचनाएं तैयार करते हैं जो पहली ही परीक्षा में असफल हो जाती हैं। विडंबना यह भी है कि प्रत्येक दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं, लेकिन व्यवस्था में कोई मूलभूत परिवर्तन नहीं आता। दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध मुकदमे वर्षों तक लंबित रहते हैं। जनता का आक्रोश धीरे-धीरे शांत हो जाता है और फिर कोई नई दुर्घटना उसी कहानी को दोहरा देती है।

दैनिक पंचांग

6 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

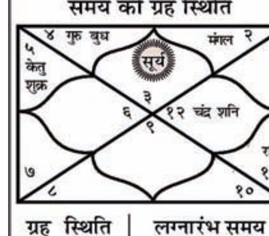

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.10 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	08.26 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.38 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.49 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.03 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	17.19 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.25 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.11 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.44 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	00.14 बजे से
		वृष	01.55 बजे से
		मिथुन	03.53 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 187 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 13.48 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 16.08 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 15.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.48 बजे तदनन्तर विष्टि 01.42 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 42' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872762 **जूलियन दिन** 2461227.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 20 **विशेष** पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

एसबीआई आरसेटी में 14 दिवसीय कॉस्ट्यूम ज्वेलरी प्रशिक्षण संपन्न

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से १४ दिवसीय कास्ट्यूम ज्वेलरी उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन। आरसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा, दीपक आजीविका सखी मंडल के प्रखंड प्रबंधक प्रिय ज्योति सेन आरसेटी के वरीय संकाय राजहंस कुमार ने सभी प्रशिक्षओं को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किया। मौके पर आसेर्टी प्रशिक्षक बनपलासी सरकार ने प्रशिक्षुओं को ज्वेलेरी के विभिन्न आईटम्स जैसे चूरी, लहठी, इयरिंग, ब्रेसलेट इत्यादि बनाने को सिखाये इस कार्यक्रम में कुल २३ प्रशिक्षुओ का सफल मूल्यांकन सीता साह और आलम खान के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल से आई हुई कुल २३ दीदियों ने कॉस्ट्यूम ज्वैलरी उद्यमी प्रशिक्षण प्राप्त की, आरसेटी निदेशक प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुये कहा कि महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन कर समाज वार देश के आर्थिक विकाश में सहयोग कर सकती है और अपने परिवार को आर्थिक कमजोरी को मजबूत कर सकती और कहा कि जेएसपीएलएस और आरसेटी समाज के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है। उनके उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखा रहे है। मौके पर सभी प्रखंडों से आए कुल २३ प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आरसेटी के आकाश कुमार, रंजीत कुमार, सुरेन्द्र मुर्मू और तौफिक आलम सहित दर्जनों महिलाएं उपस्थित थे।

सीमेंट लोड ट्रक के टायर में लगी आग

साहिबगंज: जिले के बोरियो-तीनपहाड़ मुख्य पथ के डुमरिया तसर केन्द्र के पास रविवार के अहले सुबह सिमेंट लोड ट्रक के पिछले टायर हिट हो जाने से आग लग गई। चालक एवं खलासी ट्रक से नीचे कूद कर जान बचाई। शोर मचाने के बाद आस-पास के ग्रामीण जमा हो गए। सामाजिक कार्यकर्ता किशोर कुमार ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी रोहित कुमार ने त्वरित कारवाई करते हुए पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी को मौके पर भेजा। काफी मशक्कत के बाद चालक एवं खलासी तथा ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाई गई। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक चालक मो. अख्तर ने बताया कि सीमेंट लोड ट्रक फरक्का के अंबुजा सीमेंट फैक्टरी से सीमेंट लेकर ट्रक तीनपहाड़ के रास्ते बोरियो की ओर आ रहा था। हरिणचरा के आगे तसर केन्द्र के पास अचानक ट्रक के पिछले टायर में आग लग गई। आग को बुझाया गया।

मारपीट में घायल चार पर केस दर्ज

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के प्राणटोला के मिथुन मंडल ने घर में घुसकर मारपीट करने व घायल करने का आरोप लगाते हुए चार लोगों के विरुद्ध केस किया है। उन्होंने पुलिस को बताया है कि राधानगर थाना क्षेत्र के खड़ी टोला की महिला समेत चार लोगों ने लाठी-डंडा लेकर उनके घर में जबरन प्रवेश कर उनके साथ मारपीट की। इससे वे घायल हो गया। पुलिस केस दर्ज कर छानबीन में जुट गई है।

कोटालपोखर पत्थर डिपो रोड पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, शिनाख्त में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के कोटालपोखर थाना क्षेत्र के स्टेशन जाने वाली पत्थर डिपो रोड पर रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर कोटालपोखर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति के लापता होने की जानकारी हो या मृतक की पहचान के संबंध में कोई सूचना हो, तो तत्काल कोटालपोखर पुलिस से संपर्क करें, ताकि शव की शिनाख्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके।

जाली नोटों के साथ पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। जहां जाली नोट के परिचालन के मामले में जाली नोट के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एवं गिरफ्तार आरोपी की पहचान संतोष मंडल (42), डेढ़गामा निवासी, थाना राजमहल जिला साहिबगंज के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम गश्ती के दौरान सूचना मिली थी कि संतोष मंडल 200 रुपया के जाली नोट चला रहा है सूचना के सत्यापन के दौरान पुलिस ने उसे पकड़कर तलाशी ली, जिसमें उसके पास से 200 मूल्य के 14 संदिग्ध जाली नोट (कुल 2,800) बरामद हुए सभी नोटों को जब्त कर लिया गया। एवं पूछताछ में आरोपी ने बताया कि जाली नोट टपुआ निवासी आनंदो मंडल ने परिचालन के लिए दिए थे। इसके बाद पुलिस ने आनंदो मंडल की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की, लेकिन वह फरार मिला। इस संबंध में राजमहल थाना कांड संख्या 229/26 में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार संतोष मंडल को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

हिंदू धर्म रक्षा मंच की बैठक संपन्न, सितंबर से चलेगा व्यापक सदस्यता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : हिंदू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय कार्यालय, कासिम बाजार में बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता मंच के वरिष्ठ एवं सम्मानित सदस्य प्रमोद जैन ने की। बैठक में मुख्य रूप से सदस्यता अभियान चलाने पर चर्चा हुई। मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने सदस्यता अभियान की टीम की घोषणा करते हुए राजेश अग्रवाल को प्रभारी तथा मिथुन राजवंशी, नकुल बर्मन, विनोद सिंह, राम कुमार साहा, श्रीदाम बसु, सचिन घोष एवं सुमित अग्रवाल को सह-प्रभारी बनाया। बैठक मे निर्णय लिया गया कि सदस्यता अभियान सितंबर माह में चलाया जाएगा। इसके पूर्व मंच के कार्यकर्ता व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने राजमहल के शवदाह गृह की समस्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राजमहल की उत्तरवाहिनी गंगा के किनारे बिजली चालित शवदाह गृह के निर्माण की मांग को लेकर शीघ्र ही मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं स्थानीय प्रशासन को पत्र भेजा जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन भी किया जाएगा। बैठक में देवाशीष मंडल, लालचंद घोष, अंकुश (पिंटू) मजूमदार, अमृत मजूमदार, फेकन मंडल, ऋषभ कुमार सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजद ने मनाया 30वां स्थापना दिवस, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का 30वां स्थापना दिवस रविवार को जिले में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष महावीर मड़ैया की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं ने राजद के संस्थापकों और वरिष्ठ नेताओं के योगदान को याद करते हुए संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष महावीर मड़ैया ने कहा कि राजद सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और गरीब, किसान, मजदूर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई निरंतर लड़ती रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी नेताओं ने संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष को और तेज करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में जिला सचिव रजित सिंह एवं हजरत शेख, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष इकरामुल भेसारी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला सचिव अधिवक्ता हक साहेब, आदिवासी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कान्ह हांसदा, जिला सचिव कोर्नेलियस मरांडी, किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लाल मरांडी, युवा राजद के जिला अध्यक्ष अमन कुमार, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष मनोज मड़ैया, अमड़ापाड़ा प्रखंड अध्यक्ष बिनोद कुंडू, पाकुड़ सदर के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रमेश सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुक्तेश्वर धाम गंगा घाट पर चला स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन, कोलकाता के सौजन्य से तथा नगर परिषद (नगर पालिका), साहिबगंज के सहयोग से रविवार प्रातः मुक्तेश्वर धाम गंगा घाट पर विशेष गंगा स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान में शिक्षा केंद्र के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, नगर परिषद के कर्मियों, गंगा समिति के सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गंगा घाट की साफ-सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान घाट परिसर से प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्रित कर उनका समुचित निस्तारण किया गया। सभी प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त गंगा, स्वच्छ गंगा का संकल्प लिया तथा लोगों से गंगा तटों पर कचरा एवं प्लास्टिक नहीं फेंकने की अपील की। इस अवसर पर मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य एवं जिला गंगा समिति, साहिबगंज के सदस्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि गंगा हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत है। इसकी स्वच्छता प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने वन महोत्सव सप्ताह के अवसर पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्ष पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा जलवायु संतुलन के आधार हैं। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में प्लास्टिक का उपयोग कम करने, नियमित स्वच्छता अभियान चलाने तथा लगाए गए पौधों की देखभाल करने का आग्रह किया। डॉ. सिंह ने कहा, सिर्फ. 60 मिनट का श्रमदान गंगा के प्रति सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी का सशक्त संदेश बन सकता है। आइए, स्वच्छ गंगा अभियान से जुड़ें और स्वच्छ, निर्मल एवं अविरल गंगा के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में एपीओ संजय कुमार तिवारी, नगर परिषद के कर्मी शिव हरि एवं सुरेश निर्मल, शिक्षा केंद्र के अनिकेत, नीति कुमारी एवं जिया कुमारी ने भी अपने जागरूकता संबोधन में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा गंगा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी नागरिकों से नियमित श्रमदान एवं जनभागीदारी का आह्वान किया।

उधवा चौक ओवरब्रिज के नीचे दलदल में फंसा गिट्टी लदा ट्रक, आठ घंटे तक यातायात बाधित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के उधवा फोर लेन सड़क निर्माण के तहत उधवा चौक पर निमार्णाधीन ओवरब्रिज के कारण प्रत्येक दिन सड़क जाम की समस्या से लोगों को जुझना पड़ता है। वहीं ओवरब्रिज के नीचे उधवा-राजमहल रोड़ पर किचड़ और डस्ट में बड़ी वाहनों का फंसना रोजमर्रा बन गया है। जिसमें अधिकांश भरी वाहन फंसने से यातायात घंटों बाधित रहता है। बीते रात 10 बजे उधवा चौक ओवरब्रिज के नीचे एक गिट्टी लोडेड ट्रक संख्या बीआर 10 जी 3872 दलदल में फंस गए। जिससे करीब आठ घंटे तक यातायात व्यवस्था ठप रहा। रविवार के सुबह छः बजे फोर लेन सड़क निर्माण कम्पनी के पोप लेन से फंसे हुए ट्रक को निकाला गया। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण कम्पनी द्वारा बीच-बीच में डस्ट व मिट्टी डालकर वैकल्पिक व्यवस्था कर देते हैं। परंतु दिनभर में सड़क पुनः दलदल बन जाता है। वहीं ओवरब्रिज के नीचे हमेशा जलजमाव होने से लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है।

गायत्री परिवार के जिला समन्वय समिति का हुआ गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : वर्षा के आगमन के साथ ही जिला भर में पौधरोपण कार्यक्रम गायत्री परिवार द्वारा चलाया जाएगा। इसके साथ ही भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में शामिल होने वाले जिला भर के बच्चे बच्चियों का पंजीयन का काम शुरू हो चुका है। इस प्रकार गायत्री परिवार के संपूर्ण गतिविधियों का संचालन जिला और प्रखंड स्तर के समन्वय समिति के माध्यम से किया जाता है। शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को हुए गायत्री परिवार की आम बैठक को संबोधित करते हुए शांतिकुंज प्रतिनिधि एवं उप जोन समन्वयक इंजीनियर अनिल कुमार ने ये बातें कही। बैठक की शुरूआत सामूहिक सस्वर गायत्री महामंत्र के चौबीस बार पाठ के साथ की गई। बैठक में उप जोन समन्वयक इंजीनियर अनिल कुमार की देखरेख में जिला समन्वय समिति का गठन किया गया। सर्वप्रथम सबों की सहमति से शिवशंकर प्रसाद निराला को जिला समन्वयक मनोनीत किया गया तथा हरिहर प्रसाद मंडल को उप समन्वयक। उसी प्रकार जिला महिला समन्वयक सरिता पोद्दार तथा करुणामई भारती को उप समन्वयक मनोनीत किया गया। ओम प्रकाश उरांव को जिला युवा समन्वयक तथा मधु कुमारी को उप समन्वयक मनोनित किया गया। गायत्री परिवार द्वारा संचालित आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी के जिला समन्वयक संगीता कुमारी तथा उप समन्वयक प्रियंका सोनी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला समन्वयक निरंजन मंडल तथा उप समन्वयक सिताबी यादव सप्त आंदोलन के जिला समन्वयक ओंकार नाथ मिश्रा तथा उप समन्वयक किरण देवी को मनोनीत किया गया। मौके पर उप जोन समन्वयक इंजीनियर ने बताया कि नव मनोनीत जिला समन्वय समिति की संपूर्ण सूची शांतिकुंज हरिद्वार के पूर्वी जोन कार्यालय को भेजा जाएगा तथा इसके अनुमोदन के उपरांत पूज्य शैल जी के आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन पर ये सभी जिला के विभिन्न क्षेत्रों में मिशन की गतिविधियों के विस्तार में लग जाएंगे।

मौके पर उपजोन प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार चौधरी, डॉ राधा मोहन मंडल, सिताबी यादव, संजीत चौधरी, राजकिशोर राय, डॉ दीपक कुमार, ओम प्रकाश उरांव, शिवशंकर प्रसाद निराला, रामप्रताप चौधरी, मोतीलाल यादव, सत्यदेव प्रसाद सिंह, हरिहर प्रसाद मंडल, देव मुनि पोद्दार, संगीता कुमारी, अनीता देवी, सरिता पोद्दार, करुणामई भारती, आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

निजी विद्यालयों के अस्तित्व और मान्यता को लेकर 8 जुलाई को होगी अहम बैठक

पाकुड़: जिले के निजी विद्यालयों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श और साझा रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन (जेपीएसए), जिला इकाई पाकुड़ की ओर से 8 जुलाई (बुधवार) को एक अति आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक दोपहर 1:50 बजे शहरकोल स्थित ओपन स्काई स्मार्ट स्कूल परिसर में होगी। एसोसिएशन ने जिले के सभी निजी विद्यालय संचालकों, प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है। बैठक में विशेष रूप से यू-डाइस एवं मान्यता से वंचित विद्यालयों को 30 अगस्त 2026 तक मान्यता नहीं मिलने की स्थिति में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत संभावित कार्रवाई तथा ऐसे विद्यालयों के हितों की रक्षा के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। इसके अलावा वर्ष 2019 से पूर्व स्थापित निजी विद्यालयों से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामले, वर्तमान स्टे आदेश के बाद की स्थिति, आगे की कानूनी प्रक्रिया तथा विद्यालयों के पक्ष को प्रभावी ढंग से रखने के लिए संयुक्त रणनीति तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि यह बैठक किसी एक संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि पाकुड़ जिले के सभी निजी विद्यालयों के अस्तित्व, सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखकर आयोजित की जा रही है। इसलिए सभी निजी विद्यालय संचालकों, प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों से समय पर बैठक में शामिल होकर अपने सुझाव देने तथा विद्यालयों के हित में सामूहिक रणनीति तैयार करने का आग्रह किया गया है।

एसआईआर को लेकर एसडीपीआई सक्रिय, पंचायतों में हेल्प डेस्क लगाकर लोगों को देगी सहायता

पाकुड़: जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत इन्यूमेरेशन फॉर्म भरने को लेकर लोगों के बीच फैली भ्रम की स्थिति को दूर करने के उद्देश्य से सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने पहल तेज कर दी है। इसी कड़ी में रविवार को पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय, पाकुड़ में जिला अध्यक्ष मुबारक शेख की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसआईआर की प्रक्रिया, इन्यूमेरेशन फॉर्म भरने में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों तथा आम लोगों के बीच फैली भ्रांतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि सही जानकारी के अभाव में कई लोग इधर-उधर भटक रहे हैं और उन्हें प्रक्रिया पूरी करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि एसडीपीआई युवाओं को इन्यूमेरेशन फॉर्म भरने का प्रशिक्षण देकर उन्हें जनसहयोग के लिए तैयार करेगी। इसके साथ ही विभिन्न पंचायतों में हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे, जहां लोगों को फॉर्म भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने तथा अन्य संबंधित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद हांजेला शेख, प्रदेश उपाध्यक्ष हबीबुर रहमान, प्रदेश महासचिव (संगठन) शमीम अख्तर, जिला महासचिव मंजर शेख, जिला महासचिव (संगठन) मोजहेदुल इस्लाम सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेएलकेएम ने हसन अंसारी पर फिर जताया भरोसा, दोबारा बने पाकुड़ जिला अध्यक्ष

पाकुड़ : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसरोकारों के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से हसन अंसारी को पुन: पाकुड़ जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। संगठन के इस निर्णय से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इसे नेतृत्व द्वारा हसन अंसारी के कार्यों और संगठनात्मक क्षमता पर दोबारा जताए गए विश्वास के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि अपने पिछले कार्यकाल के दौरान हसन अंसारी ने संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा अनुशासित नेतृत्व का परिचय दिया। उन्होंने विभिन्न जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के साथ-साथ संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन्हीं उपलब्धियों को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें पुन: जिला अध्यक्ष का दायित्व सौंपने का निर्णय लिया। पुनर्नियुक्ति के बाद हसन अंसारी ने केंद्रीय नेतृत्व और सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जवाबदेही भी है। उन्होंने कहा कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, पार्टी के जनाधार का विस्तार करने तथा जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ उठाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। हसन अंसारी की पुनर्नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में जेएलकेएम जिले में और अधिक मजबूत होगी तथा संगठन नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा।

बिरसा कृषि रथ से किसानों तक पहुंच रही कृषि नवाचारों की जानकारी

साहिबगंज: जिले के राजमहल किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराने एवं सरकारी कृषि योजनाओं की जानकारी सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजमहल प्रखंड में बिरसा कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है। यह रथ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न पंचायतों का भ्रमण कर किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। एवं रथ के माध्यम से किसानों को खरीफ फसलों के उन्नत उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, गुणवत्तापूर्ण बीजों के चयन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन, जल संरक्षण, आधुनिक सिंचाई तकनीकों तथा कृषि यंत्रीकरण से संबंधित उपयोगी जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही कृषि विभाग एवं आत्मा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर किसानों को इनका लाभ उठाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। बिरसा कृषि रथ में प्रदर्शित दृश्य-श्रव्य सामग्री, जानकारी परक पोस्टर एवं कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के माध्यम से किसानों को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से कृषि संबंधी नवीन तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे अपने क्षेत्र में रथ के आगमन पर आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन लागत कम करने और आय बढ़ाने का प्रयास करें। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह जागरूकता अभियान निर्धारित कार्यक्रम के तहत लगातार संचालित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान नवीन कृषि तकनीकों एवं विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। विभाग का मानना है कि ऐसी पहल किसानों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ कृषि उत्पादन और आर्थिक सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान बीटीएम संजय कृष्ण रंजन, एटीएम प्रवीण कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान से ही स्वर्णिम भविष्य का निर्माण संभव : जेपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में मिथिला-मैथिलीभाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा रविवार को परिषद-संचालित नगर के सेक्टर- 4ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल में हुई। विद्यालय के विद्यापति सभागार में आयोजित इस आमसभा में बड़ी संख्या में परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से सामाजिक, सांगठनिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक उत्थान पर विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्षता कर रहे परिषद के अध्यक्ष जेपी चौधरी ने कहा कि स्वर्णिम भविष्य के निर्माण के लिए सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने

समाज में एकजुटता, संगठन में आपसी समन्वयन तथा विद्यालय के सुचारू संचालन पर बल दिया। इसके पूर्व, आरंभ में परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए आमसभा में विचारणीय विषयों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। आमसभा में बोर्ड परीक्षाओं में परिषद द्वारा संचालित विद्यालय के शानदार प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और बढ़ावा देने तथा शिक्षकों के कौशल-विकास सहित अन्य बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा, खास तौर से संगठन-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई को लेकर कई निर्णय लिये गए। इसी बीच, आमसभा में ध्वनिमत से परिषद के पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक श्रवण कुमार झा को संगठन का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष एवं परिषद के निदेशक मंडल संयोजक राजेंद्र कुमार, निदेशक मंडल सदस्य कृष्ण चंद्र झा, विजय कुमार झा, परिषद के उपाध्यक्ष समरेन्द्र झा एवं विद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष बटोही कुमर सहित मिहिर मोहन ठाकुर (वित्त सचिव), डॉ उदय चंद्र झा, सुदीप कुमार ठाकुर, सुभद्र चौधरी, मनोज कुमार झा, विश्वनाथ झा, रमण कुमार ठाकुर, शंभू झा, विजय कुमार मिश्रा अंजू, संजय कुमार झा, गंगेश कुमार पाठक, श्रेष्ठ नारायण मिश्र, प्रकाश झा, कन्हैया झा, हरिश्चंद्र झा, सुशील कुमार झा, अविनाश कुमार मिश्रा, अरविंद कुमार मिश्रा, अविनाश कुमार झा, विवेकानंद झा, गोविंद कुमार झा, रोशन कुमार तरुण, शंकर कुमार सिंह, गणेश झा, श्रीमोहन झा, मिंटू झा, रोहितलाल सिंह, बालकृष्ण झा, दिलीप ठाकुर, बबलू ठाकुर, एसके झा, अरुण ठाकुर आदि ने भी अपने विचार रखे। आमसभा का संचालन मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के संयुक्त सचिव एवं परिषद के वरिष्ठ सदस्य सुनील मोहन ठाकुर तथा धन्यवाद ज्ञापन परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक ने किया।

एक नजर

गुरुदेव को याद कर चिन्मय विद्यालय बोकारो से रवाना हुई चिन्मय अमृत यात्रा

बोकारो : दो दिवसीय चिन्मय अमृत यात्रा का समापन 5 जुलाई को किया गया। रविवार को यात्रा वाहिनी को चिन्मय विद्यालय बोकारो से चिन्मय मिशन चास और आगे जमशेदपुर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे। परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती का जयकारा लगाकर अमृत यात्रा वाहिनी को विदाई दी गई। चिन्मय अमृत यात्रा वाहिनी को रवाना करने से पहले विद्यालय परिवार के प्रबंधन सदस्य एवं शिक्षकों ने गुरुदेव के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। सभी ने गुरुदेव की पादुका के सामने नतमस्तक किया और उनको याद करते हुए सभी की आंखें नम नजर आई। इस दौरान विद्यालय एनसी मिश्रा, पुनित दोशी, सुप्रिया चौधरी, संजय चक्रवर्ती, एसएन झा, संजीव कुमार, रणवीजय ओझा, रजनीश चौधरी, आदर्श आचार्या, रविशंकर,अंकित श्वेताभ, नितेश पांडे एवं सागर कुमहार मौजूद रहे। इस मौके पर सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि गुरुदेव को याद करना और उनके आदर्श जीवन के बारे में इतने करीब से जानना खुद में एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि अमृत यात्रा केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि ये गुरुदेव के उपदेशों की बहती हुई गंगा है, जो पूरे भारत में लगातार बह रही है।

उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब की भट्ठी ध्वस्त

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम में अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ उत्पाद विभाग ने रविवार को सख्त अभियान चलाया। सहायक आयुक्त उत्पाद अरुण कुमार मिश्रा के निर्देश पर विभाग की टीम ने बिरसानगर थाना क्षेत्र के हुरलूंग इलाके में छापेमारी कर अवैध चुलाई शराब बनाने वाली भट्ठी को ध्वस्त कर दिया। अभियान के दौरान कई संदिग्ध ठिकानों की भी तलाशी ली गई। छापेमारी के दौरान टीम ने करीब 20 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की। इसके अलावा शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाले लगभग 6000 किलोग्राम किण्वित जावा–महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया, ताकि उसका दोबारा उपयोग नहीं किया जा सके।

नगर भाजपा की हुई मासिक बैठक, नवनियुक्त प्रभारी दिलीप श्रीवास्तव का भव्य स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रविवार को भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के निदेशानुसार, भाजपा बोकारो नगर के तत्वाधान में एक महत्वपूर्ण मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता बोकारो नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने की। बैठक में मुख्य रूप से नवनियुक्त नगर मंडल प्रभारी एवं जिला के पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप श्रीवास्तव उपस्थित हुए और उन्होंने औपचारिक रूप से अपना पदभार संभाला। इस अवसर पर बोकारो नगर की पूरी टोली ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र पहनाकर आत्मीय भाव से उनका भव्य स्वागत किया।बैठक को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने कहा कि दिलीप श्रीवास्तव के लंबे राजनीतिक अनुभव का सीधा लाभ भारतीय जनता पार्टी बोकारो नगर को मिलेगा। उनके कुशल मार्गदर्शन में बोकारो नगर संगठन पूरे जिले में खुद को सर्वश्रेष्ठ और सबसे उपयोगी

साबित करने में पूर्ण रूप से सफल रहेगा। इस विशेष मौके पर भाजपा बोकारो नगर के वरीय उपाध्यक्ष मंजीत सिंह, लालबाबू सिंह,मनोज झा, महिला नेत्री डॉ परिंदा सिंह,ओबीसी मोर्चा के महामंत्री श्री मिथिलेश, ज्ञानचंद साहू,प्रमोद सिंह, महिला मोर्चा की अध्यक्षा ममता गोस्वामी, मंजू सिंहएवं पुष्पा मिश्रा, युवा मोर्चा के शंकर त्रिपाठी, लक्ष्य सिंह, अनुराग तिवारी, राजा साहू साथ ही संगठन के सभी सम्मानित पदाधिकारी गण एवं समस्त निष्ठावान कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे, जिन्होंने नए प्रभारी जी को बधाई दी और आगामी सांगठनिक कार्यों को धरातल पर मजबूत करने का सामूहिक संकल्प लिया।

किशोरावस्था शिक्षा पर सीबीएसई की दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5/बी, बोकारो में आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास, मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल तथा प्रभावी शिक्षण पद्धतियों से जुड़े विविध आयामों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला के दूसरे दिन सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन स्वाति प्रियंका एवं विश्वजीत पात्रा ने किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जीवन कौशल, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य, सुरक्षित एवं

सहयोगात्मक विद्यालयी वातावरण, लैंगिक संवेदनशीलता, सकारात्मक व्यवहार, प्रभावी संवाद तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। गतिविधि-आधारित शिक्षण, रोल-प्ले, समूह चर्चा, केस स्टडी एवं सहभागितापूर्ण अभ्यासों के माध्यम से शिक्षकों को कक्षा-कक्ष में इन अवधारणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई तथा अपने अनुभवों और विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी, प्रेरणादायी एवं व्यवहारिक बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों के साथ संवेदनशील एवं प्रभावी संवाद स्थापित करने में सहायता मिलेगी। विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में आयोजित यह दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

ट्रैफिक नियमों को लेकर बोकारो में व्यापक जागरूकता अभियान, 300 से अधिक चालक शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बुधवार को ट्रैफिक विभाग की तरफ से बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया गया। यातायात उपाधीक्षक के नेतृत्व में यातायात थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान में ऑटो/टोटो चालक संघ के पदाधिकारी व लगभग 300-350 चालक शामिल हुए। अभियान यातायात थाना परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें चालक संघ के सदस्यों को यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने वाहनों के आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने के लिए सख्त हिदायतें दी गईं। अधिकारियों ने शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों –नया मोड़, जोधाडीह मोड़, धर्मशाला मोड़, बसंती मोड़, हटिया मोड़, बोकारो रेलवे स्टेशन, जैनामोड़, बेरमो, पेटरवार,

चन्दनकियारी इत्यादि - से आए हुए चालक उपस्थित बताए गए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने विशेष रूप से चेतावनी दी कि सड़कों पर वाहन लावारिस तरीके से खड़ा कर जाम की स्थिति उत्पन्न करना, यात्रियों के आवागमन में बाधा डालना तथा यातायात नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का अनुपालन न करने वाले चालकों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऑटो/टोटो चालक संघ के पदाधिकारियों ने भी अपनी ओर से वाहन कागजातों से जुड़ी समस्याएँ अधिकारियों के समक्ष रखी। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि समस्या होने पर उचित माध्यमों से तथ्य प्रस्तुत करें ताकि संबंधित प्राधिकारी समस्या के समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई कर सके। सभी चालकों ने सहयोग का आश्वासन देते हुए यात्रियों के प्रति उत्तम व्यवहार बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

बारिश में तालाब बनी 8बी स्ट्रीट-33, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों का चलना हुआ मुश्किल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शहर के सेक्टर-8 और सेक्टर-6 को जोड़ने वाली 8बी स्ट्रीट-33 इन दिनों पूरी तरह बेहाल स्थिति में है। करीब 30 वर्षों से मरम्मत न होने के कारण सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे, कच्चा कीचड़ और जलजमाव आम बात बन गई है। लगातार हो रही बारिश के बाद यह सड़क तालाब जैसी बन जाती है, जिससे राहगीरों खासकर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि यह सड़क बोकारो स्टील प्लांट के अंतर्गत आती है तथा उसकी देखभाल और मरम्मत की जिम्मेदारी भी इस्छ प्रबंधन की है। फिर भी, वर्षों से दर्ज कराई जा रही शिकायतों और निवेदन के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। पानी भरने और फिसलन के कारण बच्चों के गिरने और चोटिल होने का खतरा बना रहता है, वहीं रात में राहगीरी भी खतरनाक हो जाती है और दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। "बारिश होते ही हमारा मोहल्ला तालाब बन जाता है, बच्चे स्कूल जाते समय मुश्किल में पड़ते हैं और बुजुर्गों का चलना लगभग नामुमकिन हो जाता है, 8बी स्ट्रीट-33 के निवासी सुनील कुमार ने कहा। कई परिवारों ने बताया कि स्कूल के बच्चों को अक्सर गीले जूतों और गंदे कपड़ों के साथ घर लौटना पड़ता है, वहीं कुछ बच्चों के फिसलकर चोट लगने के भी मामले सामने आए हैं। स्थानीय दुकानदार और वाहन चालक भी प्रभावित हैं; आवागमन भारी रूप से प्रभावित होने से रोजमर्रा की जिंदगी थम सी जाती है। राहगीरों ने कहा कि गड्ढों में गिरने से वाहन नुकसान भी झेलते हैं और छोटे वाहनों की जगह पर चलना खतरनाक हो गया है। "यह स्थिति शहर के सैद्धांतिक विकास के साथ मेल नहीं खाती," एक स्थानीय व्यापारी ने कहा।

संक्षिप्त खबरें

चास में जुडियो रेडीमेड गार्मेंट शोरूम का भव्य शुभारंभ

चास : चास नगर निगम क्षेत्र के जोधाड़ीह मोड़ स्थित जुडियो रेडीमेड गार्मेंट शोरूम का भव्य उद्घाटन रविवार को बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह, चास नगर निगम के महापौर भोलू पासवान एवं उप महापौर पूजा कुमारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए महापौर भोलू पासवान ने कहा कि चास नगर निगम क्षेत्र में इस प्रकार के आधुनिक शोरूम का खुलना शहर के विकास और बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों का परिचायक है। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्रवासियों को ब्रांडेड रेडीमेड परिधानों की खरीदारी के लिए सेक्टर–4 या अन्य स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। चास में ही आधुनिक शॉपिंग की सुविधा उपलब्ध होने से लोगों का समय और खर्च दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठानों की स्थापना नगर के आर्थिक एवं व्यावसायिक विकास का सकारात्मक संकेत है तथा इससे स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने शोरूम प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे प्रतिष्ठानों के खुलने से शहर की व्यावसायिक पहचान और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को बेहतर एवं आधुनिक खरीदारी की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उप महापौर पूजा कुमारी ने शोरूम प्रबंधन एवं चासवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के प्रतिष्ठानों से चास शहर को नई पहचान मिलेगी और स्थानीय स्तर पर विकास की संभावनाएं और मजबूत होंगी। कार्यक्रम में जुडियो के प्रबंधक अभिषेक कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह में EME Developers Pvt. Ltd. के सीईओ कमल जैन, गुरदास सिंह, गोसाई मोदक, महापौर प्रतिनिधि प्रताप कुमार सिंह, उप महापौर प्रतिनिधि कुंदन सिंह, राजकिशोर पोद्दार, शंकर सिन्हा, नेपाल दे , विक्की पासवान,नीरजा वर्णवाल, धराज महाथा, वीरेंद्र राम, अभिजीत मोदक, संतोष शर्मा, सुमित सिंह, आनंद यादव, प्रेम पासवान, टिंकू झा, राहुल पाठक, राकेश कुमार सिंह, दिग्गी पासवान, बीकिन कुमारी यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, व्यवसायी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

चिलगड्ढा में मोर्चा की हुई बैठक, 10 को उपायुक्त आवास घेराव का अल्टीमेटम

जरीडीह (बोकारो) : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को जरीडीह प्रखंड के चिलगड्ढा स्थित पंचायत सचिवालय परिसर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला सचिव जगतु मांझी ने की जबकि संचालन प्रखंड अध्यक्ष मनीलाल मांझी ने किया। केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो मुख्य अतिथि रहे। बोकारो जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा व जिला सचिव परमेश्वर मंडल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो ने संबोधन कर कहा कि विस्थापित तथा स्थानीय लोगों के रोजगार व नियोजन में शत–प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 10 जुलाई 2026 को बोकारो के उपायुक्त आवास का अनिश्चितकालीन घेराव जताया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलनपूर्ण कदम मोर्चा पूर्ण रूप से समर्थन करता है क्योंकि मामला स्थानीय लोगों एवं विस्थापितों की अस्मिता और अधिकारों का है। महतो ने बताया कि बोकारो स्टील प्लांट इसी क्षेत्र के लोगों की जमीन पर स्थापित हुआ है और वर्तमान में लगभग बीस हजार करोड़ की लागत से प्लांट का विस्तार कार्य चल रहा है। केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमार स्वामी ने विस्तार में लगभग बारह हजार पांच सौ लोगों की नियुक्ति की घोषणा की है। महतो ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय और विस्थापित लोग इस मुद्दे पर अपनी आवाज नहीं उठाएंगे तो भर्ती बाहरी राज्यों के लोगों द्वारा भर दी जाएगी, इसलिए यह लड़ाई निर्णायक है और इसे मजबूत तरीके से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। जिला अध्यक्ष राजदेव माहथा ने कहा कि बोकारो संघर्ष की जमीन है और विस्थापित व युवा बेरोजगारों को मिलकर संघर्ष करना होगा तभी उनका अधिकार संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में अब तक विस्थापितों के साथ धोखे और अन्याय होते रहे हैं तथा समस्या का कोई टिकाऊ समाधान नहीं निकला। माहथा ने सभी विस्थापितों और स्थानीय लोगों से अपील की कि वे 10 जुलाई के घेराव कार्यक्रम में पहुंचें और इसे सफल बनाएं। बैठक में विशेशर महतो, दीवाकर महतो, अनाथ बन्धु मंडल, भोला राम मांझी, परशुराम हेम्ब्रम, सुमित साव, हेमंत साहू, डोमन चंद्र दे, शंकर लाल मांझी, महादेव मराण्डी, सनातन मांझी, राधु मांझी, लालधन टुडू, हीरालाल मांझी, राजकिशोर किष्कु, सुख राम हेम्ब्रम, सीता राम मांझी, मनेष राम मांझी, राम वृक्ष महतो सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ इंडिया एसोसिएशन का बोकारो, गिरिडीह और गोमिया में भव्य वृक्षारोपण अभियान का हुआ आयोजन

बोकारो : प्रकृति संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साकार करते हुए ऑल इंडिया बैंक ऑफ इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एम्प्लॉइज एसोसिएशन के तत्वावधान में बोकारो, गिरिडीह एवं गोमिया क्लस्टरों में एक भव्य वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश देते हुए बड़ी संख्या में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक ऑफ इंडिया के डिप्टी जोनल मैनेजर संतोष कुमार ने पौधा लगाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, "वृक्ष इस धरा का प्राण हैं। वे पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हैं तथा मानव जीवन के अस्तित्व का आधार हैं। आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर है। इस अभियान को सफल बनाने में संगठन के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बोकारो क्लस्टर में कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के उपमहासचिव टिंकू कुमार बाल्मीकि एवं सहमहासचिव रामजी कुमार ने किया, जबकि गिरिडीह क्लस्टर में अशांत किस्को तथा गोमिया क्लस्टर में विकास भारती के नेतृत्व में बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। इस अवसर पर उपमहासचिव टिंकू कुमार बाल्मीकि ने कहा, "प्रकृति वह अमूल्य धरोहर है जिसे खोकर पुन: प्राप्त नहीं किया जा सकता।

चार साल से अधर में लटका रसुनिया गांव की सड़क निर्माण, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : खरसावां जिले के चांडिल प्रखंड अंतर्गत रसुनिया गांव की सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। 22 फरवरी 2022 को जिस सड़क का शिलान्यास हुआ था, चार साल बीतने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ। वहीं दूसरे क्षेत्र में 8 महीने के भीतर टेंडर जारी होने से ग्रामीण सवाल कर रहे हैं कि विकास में भेदभाव क्यों। ग्रामीणों का कहना है कि रसुनिया गांव की सड़क का शिलान्यास बड़े स्तर पर किया गया था, लेकिन आज तक निर्माण कार्य जमीन पर नहीं दिखा। इसी बीच कपाली नगर परिषद क्षेत्र में 13 नवंबर 2025 को 6 सड़कों की मांग रखी गई और 09

ग्रामीणों के मुख्य सवाल:

- शिलान्यास के चार वर्ष बाद भी सड़क निर्माण शुरू क्यों नहीं हुआ
- जब दूसरे क्षेत्र में कुछ महीनों में टेंडर जारी हो सकता है तो रसुनिया की सड़क अधूरी क्यों है
- रसुनिया और आसपास के गांवों को पक्की सड़क कब मिलेगी

जून 2026 को सभी 6 सड़कों के लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया। इसी तुलना को लेकर ग्रामीण पूछ रहे हैं कि क्या विकास कार्यों में समानता बरती जा रही है या पक्षपात हो रहा है। क्या वोट बैंक की राजनीति हो रही है और एक विशेष वर्ग को खुश करने के लिए बाकियों की अनदेखी की जा रही है।

बरसात में बढ़ जाती है परेशानी

ग्रामीणों के अनुसार बरसात में यह सड़क कीचड़ और जलभराव के कारण पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। इसी रास्ते से पियालडीह, रुयानी, हाथीनादा, रामायगोड़ा और रसुनिया के पांचों टोला के हजारों लोग रोज आते-जाते हैं। यही मार्ग इन गांवों को शहर से जोड़ने वाला एकमात्र मुख्य संपर्क मार्ग है। इसी रास्ते से छात्र-छात्राएं स्कूल-कॉलेज जाते हैं, मरीज अस्पताल पहुंचते हैं, किसान उपज बाजार ले जाते हैं और मजदूर रोजी-रोटी के लिए शहर आते-जाते हैं। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और आपातकालीन मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत होती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क खराब होने के कारण कई बार वाहन फंस जाते हैं और पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन का अध्यक्ष राकेश रंजन महतो रासुनिया गांव के के निवासी साथ ही ग्रामीनो कहना हे हमें किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं है। हम सिर्फ दूसरे गांवों की तरह समय पर और बराबर विकास चाहते हैं। बरसात में यहां से निकलना बहुत मुश्किल हो जाता है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि रसुनिया गांव की सड़क का निर्माण कार्य अविलंब शुरू किया जाए। परियोजना में देरी की जिम्मेदारी तय हो, निर्माण शुरू होने की स्पष्ट समय-सीमा सार्वजनिक की जाए और बरसात को देखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था या अस्थायी मरम्मत कर राहत दी जाए। यदि 2022 में शिलान्यास हो चुका था तो आज तक काम शुरू क्यों नहीं हुआ। और जब दूसरे क्षेत्रों में प्रस्ताव से टेंडर तक की प्रक्रिया कुछ महीनों में पूरी हो सकती है तो रसुनिया के लोगों को वर्षों इंतजार क्यों करना पड़ रहा है। ग्रामीण अब प्रशासन से जवाब और त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

कोसी का जलस्तर बढ़ते ही 7 पंचायतों में बढ़ा संकट, सड़कें बनीं नदी, कमर तक पानी में चलने को मजबूर लोग

पटना (एजेंसी) कोसी नदी का जलस्तर बढ़ते ही नवहट्टा प्रखंड के तटबंध के अंदर बसे गांवों में मुश्किलों का दौर फिर शुरू हो गया है. नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर अब सीधे लोगों की जिंदगी पर दिखने लगा है. गांवों को जोड़ने वाली सड़कें पानी में डूब चुकी हैं. कहीं घुटने भर तो कहीं कमर तक पानी है. कई जगहों पर सड़कें कीचड़ में बदल गई हैं. ऐसे में लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है. सबसे ज्यादा चिंता उन परिवारों की है, जिनके घर में बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे या बीमार लोग हैं. स्कूल जाने वाले बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में भारी दिक्कत आ रही है. ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बाढ़ के मौसम में यही हाल होता है, लेकिन स्थायी समाधान आज तक नहीं हो सका है. बाढ़ का पानी गांवों तक पहुंचा, सड़कें बनी सबसे बड़ी चुनौती नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण कोसी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. इसका असर तटबंध के अंदर बसे सात पंचायतों पर पड़ने लगा है. खेतों से निकलकर बाढ़ का पानी गांवों को जोड़ने वाली कच्ची और जर्जर सड़कों पर फैल गया है. कई स्थानों पर सड़कें पूरी तरह जलमग्न हैं, जबकि दूसरी जगहों पर घुटने भर कीचड़ जमा है. ऐसे में ग्रामीण जान जोखिम में डालकर पैदल आने-जाने को मजबूर हैं. प्रखंड और जिला मुख्यालय तक पहुंचना भी कठिन होता जा रहा है. हर साल वही परेशानी, फिर भी नहीं मिला स्थायी समाधान ग्रामीणों का कहना है कि तटबंध के अंदर की अधिकांश सड़कें वर्षों से बदहाल हैं. हल्की बारिश में भी इनकी स्थिति खराब हो जाती है और जलस्तर बढ़ते ही पूरा इलाका आवागमन संकट से जूझने लगता है. नेपाल में बारिश के बाद कोसी का जलस्तर बढ़ा लोगों का कहना है कि सरकार हर वर्ष 15 जून से 15 अक्टूबर तक बाढ़ अवधि घोषित करती है, लेकिन इस दौरान तटबंध के भीतर रहने वाले लोगों के लिए न तो सुरक्षित आवागमन की पर्याप्त व्यवस्था होती है और न ही स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी पर्याप्त दिखाई देती है. यदि कोसी का जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं. पटनाः बीएसएससी अभ्यर्थियों ने लंबित परीक्षाओं की तिथि जारी करने की मांग को लेकर आयोग कार्यालय में प्रदर्शन किया. 10-15 दिन में तारीख नहीं आने पर महाआंदोलन की चेतावनी दी. निमार्णाधीन पुल के पास जलजमाव ने बढ़ाई मुश्किलें नवहट्टा प्रखंड की खड़का तेलवा पंचायत के वार्ड संख्या 7 और 8 स्थित चाही टोला में निमार्णाधीन पुल के समीप तेज जल बहाव से बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है. इसके कारण सैकड़ों परिवार अपने घरों तक सीमित होकर रह गए हैं. पुल के पास जलजमाव ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई, मरीजों का इलाज और रोजमर्रा के कामों के लिए भी उन्हें पानी पार कर निकलना पड़ रहा है. बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें ग्रामीणों ने लगाया लापरवाही का आरोप, प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग स्थानीय ग्रामीण बीरजू कुमार, प्रभा देवी, संगीता देवी, जासो देवी और जया देवी सहित अन्य लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य कर रही एजेंसी ने कलवर्ट उपलब्ध होने के बावजूद उसे स्थापित नहीं किया है. उनका कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी की समुचित व्यवस्था कर दी जाती तो जलजमाव की स्थिति नहीं बनती. ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तटबंध के अंदर पक्की सड़क, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और बाढ़ अवधि के दौरान वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. साथ ही निमार्णाधीन पुल के पास शीघ्र कलवर्ट लगाकर जल निकासी की व्यवस्था की जाए. लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे.

बिहार में मानसून हुआ मेहरबान, कल इन जिलों में मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी

पटना (एजेंसी) बिहार में मानसून पूरी तरह एक्टिव हो गया है. बंगाल की खाड़ी में बने दबाव के चलते सोमवार यानी 6 जुलाई को पटना, गया और भागलपुर समेत कई जिलों में भारी बारिश, आंधी और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है. इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी. मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने बताया कि बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर बना कम दबाव का क्षेत्र अब और ज्यादा मजबूत होकर डिप्रेशन में बदल गया है. इसके असर से मानसून ट्रफ बेहद एक्टिव हो गई है. यही वजह है कि सोमवार यानी 6 जुलाई को बिहार के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव दिख सकता है. मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने राज्य के अलग-अलग इलाकों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में मौसम का ऑरेंज अलर्ट मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने अरवल, बांका, गया, जहानाबाद, जमुई, नालंदा, लखीसराय, नवादा और शेखपुरा जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में एक-दो जगहों पर वज्रपात गिरने की आशंका जताई गई है. इसके साथ ही इन इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से हवाएं चलने की भी संभावना है. औरंगाबाद, रोहतास और भभुआ जिलों में मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी है. पटना और भागलपुर समेत इन जिलों में येलो अलर्ट बिहार के भागलपुर, बक्सर, पटना, भोजपुर और मुंगेर में मौसम का येलो अलर्ट रहेगा. इन जिलों में भी बिजली गिरने के साथ-साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं. इन इलाकों के लोगों को भी मौसम खराब होने पर सतर्क रहने की सलाह दी गई है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें अगले 5 दिन कैसा रहेगा तापमान का हाल मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने बताया कि अगले 5 दिनों के दौरान बिहार के तापमान में कोई बड़ा उछाल देखने को नहीं मिलेगा. लगातार हो रही बारिश और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को उमस भरी तपती गर्मी से काफी राहत मिलेगी. अगर 6 जुलाई के तापमान की बात करें तो बिहार में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है.

बिहार बोर्ड ने बढ़ाई ऑन स्पॉट एडमिशन की तारीख, 9 जुलाई तक करें आवेदन

पटना (एजेंसी) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने 11वीं ऑन स्पॉट एडमिशन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 9 जुलाई 2026 कर दी है. बिहार बोर्ड के साथ-साथ और अन्य बोर्ड के 10वीं पास विद्यार्थी भी के माध्यम से रिक्त सीटों पर नामांकन करा सकते हैं. बेतिया से रवि रंक की रिपोर्ट इंटरमीडिएट सत्र 2026-28 में 11वीं कक्षा में नामांकन से वंचित विद्यार्थियों को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने बड़ी राहत दी है. बोर्ड ने ऑन स्पॉट एडमिशन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 9 जुलाई 2026 कर दी है. अब बिहार बोर्ड के साथ-साथ और अन्य बोर्ड के छात्र भी के माध्यम से रिक्त सीटों पर नामांकन करा सकेंगे. बोर्ड ने बढ़ाई ऑन स्पॉट एडमिशन की अंतिम तिथि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने सत्र 2026-28 के लिए इंटरमीडिएट की 11वीं कक्षा में ऑन स्पॉट एडमिशन की अंतिम तिथि 1 जुलाई से बढ़ाकर 9 जुलाई 2026 कर दी है. इससे उन हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जो किसी कारणवश अब तक नामांकन नहीं करा सके थे. इच्छुक छात्र-छात्राएं अब सीधे संबंधित +2 स्कूल या इंटर कॉलेज के प्राचार्य से संपर्क कर रिक्त सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे. समेत अन्य बोर्ड के विद्यार्थियों को भी मिलेगा अवसर समिति की ओर से जारी निर्देश के अनुसार बिहार बोर्ड के अलावा और अन्य मान्यता प्राप्त बोर्डों से 10वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं भी इस स्पॉट एडमिशन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं. ऐसे विद्यार्थी प्रणाली के तहत उपलब्ध सीटों पर नामांकन करा सकेंगे. संस्थानों को रिक्त सीटों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने सभी संबद्ध +2 विद्यालयों एवं इंटर कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे अपने परिसर में कम से कम तीन स्थानों पर रिक्त सीटों की सूची प्रदर्शित करें. इससे विद्यार्थियों को उपलब्ध सीटों की जानकारी आसानी से मिलेगी और नामांकन प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहेगी.

सांसद सुधाकर सिंह ने सम्राट चौधरी को लिखा पत्र, चंपारण जमीन विवाद और FIR पर उठाए गंभीर सवाल

पटना (एजेंसी) बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने चंपारण जमीन विवादअ और अपने खिलाफ दर्ज त्रक्षक को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिख निष्पक्ष जांच की मांग की. उन्होंने प्रशासनिक कार्रवाई, पुलिस कार्यशैली और किसानों की जमीन पर वाटर पार्क निर्माण को लेकर गंभीर सवाल उठाए, जिससे मामला राजनीतिक रूप से गरमा गया है. कैमूर के रामगढ़ से एक अहम राजनीतिक खबर सामने आई है, जहां बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और पूर्वी चंपारण के जमीन विवाद को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखा है. इस पत्र के जरिए उन्होंने पूरे मामले की जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है. सांसद ने अपने पत्र में प्रशासनिक कार्रवाई, जमीन

विवाद और पुलिस की कार्यशैली पर कई गंभीर सवाल उठाए हैं. सुधाकर सिंह ने बताया कि 3 जुलाई 2026 को वह अपने किसान साथियों के साथ चंपारण गए थे, जिसे सत्याग्रह की धरती और बापू की कर्मभूमि कहा जाता है. उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्वी चंपारण के जिला अधिकारी सौरभ सुमन यादव और अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने महज 85 दिनों के अंदर करीब 95 साल पुरानी जमीन की जमाबंदी रद्द कर दी. यह जमीन वर्षों से किसानों के कब्जे में थी और उस पर उनकी जोत आबाद थी. सांसद ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि 22 जून को जमीन की मापी कराई गई और अगले ही दिन यानी 23 जून से वहां निर्माण कार्य शुरू करवा दिया गया. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसानों की जमीन पर मनोरंजन के लिए वाटर पार्क बनवाने की इतनी तेजी शायद पहली बार देखने को मिल रही है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य का ठेका भले ही कागज पर किसी कंपनी को दिया गया हो, लेकिन असल में काम अधिकारियों के करीबी लोग ही करवा रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि जब मोतिहारी में पहले से ही 400 एकड़ में फैला मोतीझील मौजूद है, तो किसानों की उपजाऊ जमीन पर कृत्रिम वाटर पार्क बनाने की क्या जरूरत है. उन्होंने इस फैसले को किसानों के हितों के खिलाफ बताया और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की. सुधाकर सिंह ने अपने खिलाफ दर्ज त्रक्षकको भी सवालों के घेरे में खड़ा किया. उन्होंने बताया कि पिपरा थाना में दर्ज त्रक्षक संख्या 361/26 में कई तरह की त्रुटियां हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि प्राथमिकी में व्याकरण और वर्तनी तक सही नहीं है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े होते हैं. कैमूर की सभी खबरें यहां पढ़ें सांसद ने यह भी कहा कि सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसे मामले में प्राथमिकी किसी अधिकारी द्वारा दर्ज होनी चाहिए थी, लेकिन इसमें किसी अनजान व्यक्ति से आवेदन लिखवाकर हस्ताक्षर करवा लिया गया. उन्होंने दावा किया कि हस्ताक्षर में भी कई बार सुधार किया गया है, जो पूरे मामले को संदिग्ध बनाता है. पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल पत्र में उन्होंने पुलिस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन पर जेब से 35 हजार रुपये निकालने का आरोप लगाया गया है, जो पूरी तरह अव्यावहारिक है. उन्होंने सवाल उठाया कि जब मौके पर पुलिस बल मौजूद था तो इस कथित घटना का कोई वीडियो क्यों नहीं बनाया गया. उन्होंने पुलिस की निष्क्रियता और लापरवाही पर भी सवाल खड़े किए. सांसद ने व्यंग्य करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को मोबाइल चलाने और सही तरीके से रिपोर्ट लिखने की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस निर्दोष लोगों पर कार्रवाई करने में ज्यादा सक्रिय दिखती है. सुधाकर सिंह का यह पत्र अब राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है. जमीन विवाद से लेकर पुलिस कार्रवाई तक कई मुद्दों को उन्होंने खुलकर उठाया है. अब देखना होगा कि राज्य सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है और क्या वाकई निष्पक्ष जांच होती है या यह मामला भी राजनीतिक बहस तक ही सीमित रह जाता है.

रामविलास पासवान की जयंती पर भावुक हुए चिराग, बोले- पिता के अधूरे संकल्प पूरे करने में आपका साथ चाहिए

पटना (एजेंसी) लखनऊ में पिता रामविलास पासवान की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि पिता के अधूरे संकल्पों को पूरा करने के लिए कार्यकताओं का साथ चाहिए. इस दौरान उन्होंने सपा और कांग्रेस पर समाज को बांटने की राजनीति करने का भी आरोप लगाया. रामविलास पासवान की जयंती पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान शामिल हुए. कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और बिहार से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे. दोपहर करीब एक बजे जैसे ही चिराग पासवान कार्यक्रम स्थल पहुंचे, समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी कर उनका स्वागत किया. “धरती गूंजे, आसमान” “भाई चिराग पासवान” जैसे नारों से पूरा

परिसर गूंज उठा. चिराग ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया. पिता को याद कर हुए भावुक मंच से संबोधित करते हुए चिराग पासवान भावुक नजर आए. उन्होंने कहा कि आज भी उनके पिता की बातें और सीख उनके मन में ताजा हैं. उन्होंने कहा कि पिता का हाथ पकड़कर राजनीति और समाज सेवा की जो सीख मिली, वही आज उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है. उन्होंने कहा कि मेरे पिता के जो भी सपने और संकल्प थे, उन्हें पूरा करने के लिए आप सभी का साथ चाहिए. रामविलास पासवान के संघर्ष को किया याद कार्यक्रम में पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और जमुई सांसद अरुण भारती ने भी रामविलास पासवान को याद किया. उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान ने हमेशा गरीबों, पिछड़ों, मजदूरों और किसानों की आवाज बुलंद की. उनकी राजनीति समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रही. सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना अपने संबोधन में चिराग पासवान ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि इन दलों ने हमेशा समाज को बांटने की राजनीति की. भाई को भाई से लड़ाने का काम किया. जबकि उनकी पार्टी समाज को जोड़ने और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें मोबाइल फोन को लेकर पिता के विजन का किया जिक्र चिराग पासवान ने कहा कि जब देश में मोबाइल फोन आम लोगों की पहुंच से दूर था, तब उनके पिता ने सपना देखा था कि एक दिन हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल होगा. उन्होंने कहा कि आज वह सपना सच हो चुका है. अब गांव, शहर, रिक्शा चालक और ठेला लगाने वाले तक मोबाइल फोन पहुंच चुका है. कार्यकताओं से मांगा सहयोग अपने संबोधन के अंत में चिराग पासवान ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और रामविलास पासवान के विचारों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विकास की राजनीति करना है.

अंधविश्वास ने छीनी दो जिंदगी: सांप के डंसने पर गर्भवती महिला को मंदिर ले गये परिजन, मौत

पटना (एजेंसी) जमीन पर सो रही गर्भवती महिला को करैत ने डंसा. अस्पताल ले जाने के बजाय मंदिर पहुंचाया गया. इलाज में हुई देरी ने छीन ली जिंदगी. कटोरिया (बांका) से दीपक चौधरी की रिपोर्ट बांका जिले के कटोरिया प्रखंड के कागीसार गांव में अंधविश्वास और इलाज में हुई देरी एक गर्भवती महिला की मौत का कारण बन गई. करैत सांप के डंसने के बाद परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय मंदिर में नीर पिलाने के लिए ले गए. जब तक महिला को कटोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, तब तक काफी देर हो चुकी थी. चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. जमीन पर सो रही थी, करैत ने काट लिया मृतका की पहचान कागीसार गांव निवासी अशोक यादव की 30 वर्षीय पत्नी कविता देवी के रूप में हुई है. वह गर्भवती थी. परिजनों ने बताया कि दो दिन पहले परिवार में छोटी ननद की शादी हुई थी, जिसके कारण घर

में मेहमानों की भीड़ थी. उमस भरी गर्मी के कारण शुक्रवार रात कविता देवी पलंग छोड़ जमीन पर बिछावन लगाकर सो गई. शनिवार की अहले सुबह सोए अवस्था में ही विषैले करैत सांप ने उन्हें डंस लिया. मंदिर में नीर पिलाने में बीत गया कीमती समय शुरूआत में परिवार ने सर्पदंश को गंभीरता से नहीं लिया. सुबह तबीयत बिगड़ने पर उन्हें गांव के दूबे भयहरण मंदिर ले जाया गया, जहां नीर पिलाकर ठीक करने का प्रयास किया गया. हालत लगातार बिगड़ने पर बाद में कटोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनोद कुमार और डॉ. शैलजानंद शुक्ला ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया. मौत के बाद परिवार में मचा कोहराम कविता देवी की मौत की सूचना मिलते ही पूरे परिवार में मातम छा गया. पति अशोक यादव, 10 वर्षीय पुत्र रविश कुमार, सास सुलोचना देवी, ससुर झारी यादव सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल बना हुआ है. चिकित्सकों ने दी अंधविश्वास छोड़ने की सलाह चिकित्सकों ने कहा कि करैत जैसे विषैले सांप के काटने पर हर मिनट कीमती होता है. ऐसे मामलों में झाड़-फूंक, नीर पिलाने या अन्य अंधविश्वासी उपायों में समय गंवाना जानलेवा साबित हो सकता है. मरीज को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर एंटी स्नेक वेनम उपचार शुरू कराना ही सबसे प्रभावी उपाय है. बरसात के मौसम में सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं,

गिरिराज सिंह बोले- वैभव सूर्यवंशी सिर्फ बिहार नहीं, पूरे भारत का लाल, केंद्रीय मंत्री ने कश्मीर मुद्दे पर भी दी प्रतिक्रिया

पटना (एजेंसी) बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंश ी की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें पूरे भारत का लाल बताया. वहीं, जम्मू-कश्मीर में आतंकी से जुड़ी किताबों के मामले पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बेगूसराय में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी और जम्मू-कश्मीर में कथित तौर पर आतंकी से जुड़ी किताबों के मामले पर बड़ा बयान दिया. उन्होंने एक ओर वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की, तो दूसरी ओर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया. “वैभव सूर्यवंशी अद्भुत प्रतिभा का खिलाड़ी” गिरिराज सिंह ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ बिहार का नहीं, बल्कि पूरे भारत का गौरव है. उन्होंने कहा कि सचिन तेंदुलकर, रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज भी वैभव की प्रतिभा की तारीफ कर चुके हैं. उन्होंने कहा कि ऐसे खिलाड़ी कभी-कभी ही पैदा होते हैं. वैभव ने बेगूसराय में करीब पांच से छह साल तक क्रिकेट की प्रैक्टिस की है. उन्हें विश्वास है कि वह आने वाले समय में दुनिया भर में भारत का नाम रोशन करेगा. “बिहार ही नहीं, भारत का बेटा है वैभव” केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ बेगूसराय, समस्तीपुर या बिहार तक सीमित नहीं देखा जाना चाहिए. वह पूरे देश का बेटा है और हर भारतीय को उस पर गर्व होना चाहिए. कश्मीर में किताबों के मुद्दे पर विपक्ष पर हमला गिरिराज सिंह ने जम्मू-कश्मीर के एक पुस्तकालय में कथित तौर पर आतंकी से जुड़ी किताबें रखे जाने के मामले पर भी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि विरोध के बाद किताबें वापस लेना पड़ा, लेकिन यह घटना बेहद गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण है. “तुष्टिकरण की राजनीति कर रहा विपक्ष” उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल सत्ता के लिए तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं. गिरिराज सिंह ने कहा कि उनकी सरकार ऐसी राजनीति में विश्वास नहीं रखती और आतंकवाद से जुड़े किसी भी व्यक्ति का महिमामंडन स्वीकार नहीं किया जा सकता. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर साधा निशाना केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव का नाम लेते हुए कहा कि इस मुद्दे पर दोनों नेताओं की चुप्पी सवाल खड़े करती है. उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस तरह के मामलों पर खुलकर बोलने से बचता है. “आतंकियों का महिमामंडन स्वीकार नहीं” गिरिराज सिंह ने कहा कि किसी भी आतंकी को महान बताना देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ देश को एकजुट रहना चाहिए और ऐसे मामलों में किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए.

भरत तिवारी के घर के बाहर कौन कर रहा रेकी? दहशत में परिवार, मां ने 9 जुलाई से भूख हड़ताल का किया ऐलान

पटना (एजेंसी) भरत तिवारी के परिजनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रशासन के सामने कई मांगें रखीं. परिवार ने चेतावनी दी कि यदि दोषी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी समेत अन्य मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो भरत तिवारी की मां आशा देवी 9 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगी. भोजपुर पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी के परिजनों ने पत्रकारों से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने प्रशासन के सामने कई मांगें रखीं. परिवार ने साफ कहा कि अगर तय समय के भीतर कार्रवाई नहीं हुई, तो भरत तिवारी की मां आशा देवी 9 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगी. साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि देर रात

बिना नंबर प्लेट की गाड़ी से घर की रेकी की जा रही है. दोषी पुलिसकर्मियों की तुरंत हो गिरफ्तारी मृतक की बहन रूबी देवी ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी मांग उन सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों की तत्काल गिरफ्तारी है, जिन पर परिवार को संदेह है. पुलिसकर्मियों पर त्रक्षक भी दर्ज की गई है. उन्होंने कहा कि जब तक आरोपित पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक उनकी मां का अनशन जारी रहेगा. परिवार ने मांगी सुरक्षा रूबी देवी ने कहा कि घटना के बाद पूरा परिवार डर के माहौल में जी रहा है. उन्होंने प्रशासन से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की. उनका कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में सुरक्षा बेहद जरूरी है. जांच से पहले परिवार को दी जाए सूचना परिजनों ने यह भी मांग उठाई कि एनकाउंटर मामले की जांच के लिए जो भी अधिकारी आएं, वे पहले परिवार को सूचना दें. इससे परिवार जांच में सहयोग कर सकेगा और अपनी बात भी रख पाएगा. ग्रामीणों पर दर्ज FIR वापस लेने की मांग परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बदले की भावना से गांव के निर्दोष लोगों को भी केस में शामिल कर दिया है. इस मामले में 14 नामजद और करीब 50 अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. परिजनों ने निष्पक्ष समीक्षा कर बेगुनाह लोगों के नाम हटाने की मांग की है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें बिना नंबर प्लेट की कार से रेकी का आरोप प्रेस कॉन्फ्रेंस में परिवार ने एक और गंभीर आरोप लगाया. उनका कहना है कि देर रात उनके घर के आसपास बिना नंबर प्लेट वाली एक संदिग्ध कार घूमती दिखाई दी. यह पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है. भरत की मां को आशंका है कि परिवार की रेकी की जा रही है. किसी भी समय कोई अप्रिय घटना हो सकती है. उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी हमलोगों ने डायल 112 को दी. उन्होंने आगे कहा कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चौकीदारों की तैनाती की गई. परिवार के अनुसार इस मामले की जानकारी डीएसपी को भी दी गई है. उउळश फुटेज की जांच की मांग परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार और उसमें मौजूद लोगों की पहचान की जाए. उनका कहना है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. भरत तिवारी के परिजनों ने कहा कि वे न्याय मिलने तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे. उनका कहना है कि उनकी सभी मांगें न्याय और निष्पक्ष जांच से जुड़ी हैं, इसलिए प्रशासन को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए.

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरूक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुन: पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुन:जन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह: गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह: क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह: प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवत: यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। ›

कछुआ व्यूह: इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह: अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह: मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह: चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह: महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह: वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह: पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह: कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवत: इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

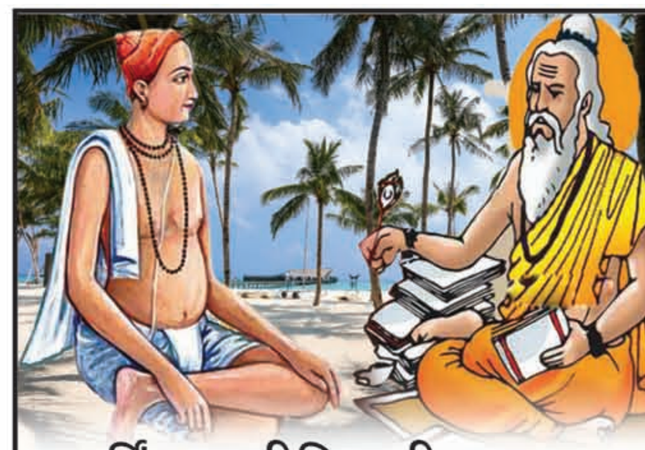

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे।

कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्राय: एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुन: आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्राय: बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान् अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अत: तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतरध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत! स्वियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

लंदन, एजेंसी। विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ग्रिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।

एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्वियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया। पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ वह ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गईं। पिछले कुछ महीनों से शानदार फॉर्म में चल रही एला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने का दम रखती हैं। अब उनका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी से होगा।

दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।निर्णायक सेट में दिमित्रोव ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण समय पर सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत दर्ज की। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है।' अब चौथे दौर में उनका सामना ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी से होगा।

कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं।अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फॉल्ट उनकी हार की बड़ी वजह बने। दूसरी ओर कीज ने अपने दमदार बेसलाइन शॉट्स और सटीक सर्विस के दम पर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

ईशान बोले-हमने परफेक्ट टीम चुनी थी

दूसरे टी-20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का दिया जवाब

लंदन(एजेंसी)। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। ऑफ स्पिनर की कमी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि टीम प्रबंधन ने सर्वश्रेष्ठ संयोजन के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया था।ईशान ने कहा, 'नहीं, मेरा मानना है कि हमने परफेक्ट टीम चुनी थी। जब आप मैच नहीं जीतते हैं तो बहुत सारे सवाल और अगर-मगर सामने आने लगते हैं। लेकिन हमारे सभी गेंदबाज बेहतरीन हैं। उन्होंने पहले भी अलग-अलग परिस्थितियों में टीम को जीत दिलाई है। सपाट विकेटों पर भी विकेट निकाले हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि टीम चयन के लिहाज से हम कुछ अलग कर सकते थे।'

विदेशी परिस्थितियों को बेहतर समझना होगा

हालांकि ईशान ने माना कि भारतीय टीम को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि परिस्थितियां कैसी हैं और हम उनमें कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हम भारत के बाहर खेल रहे हैं, इसलिए बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को यह समझना होगा कि यहां की पिच हमसे क्या मांगती है। सिर्फ एक बल्लेबाज या एक गेंदबाज अंतर नहीं ला सकता। पूरी टीम को मिलकर यह समझना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।'

हमें 20 रन और जोड़ने होंगे

ईशान किशन का मानना है कि भारत लगातार अपनी पारियों के आखिरी ओवरों में गति खो रहा है, जिससे टीम 15-20 रन पीछे रह जा रही है। उन्होंने कहा, 'हमें यह देखना होगा कि हम अतिरिक्त 20 रन कहां से बना सकते हैं। चाहे चौके-छक्कों से या बड़े मैदानों में गैप्स का बेहतर इस्तेमाल करके। इंग्लैंड के बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों को हमसे बेहतर समझते हैं।

इंग्लैंड ने बनाई सीरीज में बढ़त

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन (49), अभिषेक शर्मा (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर (37) की पारियों की मदद से 190/7 का स्कोर बनाया। जवाब में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल की नाबाद 76 रन की शानदार पारी के दम पर 19 ओवर में 191/6 बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। भारत की हार में 17वां ओवर निर्णायक साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन खर्च किए।

सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

- लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को

ह्यूस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज़्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

पहले हाफ में कनाडा का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

दूसरे हाफ में औनाही का जलवा

ब्रेक के बाद मोरक्को ने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया। 50वें मिनट में अशरफ हाकिमी के शानदार सेट-पीस पास पर अज़्ज़ेदीन औनाही ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन पहली टाइमिंग वाला शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद मोरक्को का आत्मविश्वास बढ़ गया, जबकि कनाडा की टीम दबाव में आ गई। 82वें मिनट में तेज जवाबी हमले के दौरान ब्राहिम डियाज के पास पर औनाही ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

रहीमी ने जीत पर लगाई मुहर

इंजरी टाइम (90+8वें मिनट) में ब्राहिम डियाज के शानदार थ्रू पास पर सुफियान रहीमी ने गोल दागकर मोरक्को की 3-0 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। रहीमी इससे पहले एक हेडर में क्रॉसबार से भी टकराए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज करा ही लिया।

मोरक्को ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ मोरक्को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में एक से अधिक बार अंतिम-8 में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। कतर 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचने वाली एटलस लायंस की टीम ने एक बार फिर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। वहीं, कनाडा का शानदार विश्व कप अभियान राउंड ऑफ-16 में समाप्त हो गया। हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम ने पहली बार विश्व कप में मैच जीतने के साथ नॉकआउट चरण तक पहुंचकर अपने देश के फुटबॉल इतिहास में नया अध्याय जरूर जोड़ा।

फ्रांस-पराग्वे के खिलाड़ी भिड़े, हुई धक्का-मुक्की

फ्रांस और पराग्वे के बीच राउंड ऑफ-16 मुकाबले की आखिरी सीटी बजते ही मैदान पर माहौल गर्म हो गया। दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और कुछ देर तक धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। मैच के दौरान ही फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे और पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के बीच भी तनातनी हो गई। एमबाप्पे ने गिल से हाथ नहीं मिलाया, जिसके बाद नाराज गोलकीपर ने उनके जाते समय पीठ पर मैच बॉल फेंक दी। हालांकि, फ्रांसीसी स्टार ने पलटकर कोई जवाब नहीं दिया और अपनी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते रहे।मैच में दोनों टीमों के बीच 70 मिनट तक कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब दोनों टीमों के खिलाड़ी भिड़ने पर आ गए। पर एक वक्त एमबाप्पे की लड़ाई पराग्वे के डिएगो गोमेज से हो गई। इसके बाद पराग्वे के खिलाड़ी एमबाप्पे को धक्का देने लगे। इस पर फ्रांस के खिलाड़ी भी पहुंच गए और जमकर धक्का मुक्की हुई। रेफरी पहले तो बीचबचाव करते हुए एमबाप्पे को साइड ले जाते दिखे, फिर जब दोनों टीमों के खिलाड़ी आ गए तो रेफरी ने किनारा कर लिया।

खत्म हो गई मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच दुश्मनी

चेन्नई, एजेंसी। एक समय भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित विवाद का हिस्सा रहे मुरली विजय और दिनेश कार्तिक अब शायद पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ चुके हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने अपने संबोधन के दौरान दिनेश कार्तिक को लेकर ऐसी बातें कहीं, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वर्षों तक एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने वाले विजय ने सार्वजनिक मंच से कार्तिक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना बेहद अजीज दोस्त बताया।

मंच से दिनेश कार्तिक की जमकर तारीफ

अपने भाषण में मुरली विजय ने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देख रहे हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अब मुझे दिनेश कार्तिक के बारे में बात करनी है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं। वह तमिलनाडु के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह एक बेहद गतिशील व्यक्तित्व के मालिक और मेरे बेहद अजीज दोस्त हैं।'

विजय ने आगे कहा, 'मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से कई बार उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह शानदार क्रिकेटर हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट की समझ ने मेरे करियर में काफी मदद की है और इसके लिए मैं मंच से उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।'

क्या था दोनों के बीच विवाद?

मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच का विवाद 2010 के शुरुआती वर्षों में सामने आया था। उस समय दोनों तमिलनाडु और भारतीय टीम के लिए साथ खेलते थे और बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे। बाद में दिनेश कार्तिक और उनकी तत्कालीन पत्नी निकिता वंजारा का रिश्ता टूट गया। इसके बाद निकिता ने मुरली विजय से शादी कर ली। इस घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरियां बढ़ गईं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं की।

शानदार वापसी की

निजी जीवन में बड़े झटके के बावजूद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने खुद को भारत के भरोसेमंद फिनिशर के रूप में स्थापित किया और कई यादगार पारियां खेलीं। बाद में उन्होंने भारतीय स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल से शादी की। हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा हैं और क्रिकेट कमेंट्री व विश्लेषण में भी सक्रिय हैं। मुरली विजय के इस भावुक बयान को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है।

संजू सैमसन के समर्थन में उतरे अंबाती रायुडू

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिला, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने संजू के समर्थन में सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। रायुडू ने कहा कि सूर्यवंशी का डेब्यू जश्न मनाने लायक है, लेकिन संजू सैमसन के हालिया योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रायुडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'आइए संजू सैमसन के बारे में भी एक पल सोचें। वैभव को डेब्यू करते देखना बेहद खुशी की बात है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, लेकिन यह मत भूलिए कि सिर्फ तीन टी20 मैच पहले संजू टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। मुझे उम्मीद है कि वह दमदार वापसी करेंगे। साथ ही मैं वैभव सूर्यवंशी के लंबे और रिकॉर्ड तोड़ने वाले करियर की भी शुभकामनाएं देता हूं।'संजू सैमसन पहले टी20 मुकाबले में सिर्फ सात गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए युवा वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया।

प्रज्ञानंद ब्लिट्स में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

जागरेब(एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है।

प्रज्ञानंद चौथे स्थान पर खिसके

अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं, जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

ब्लिट्ज वर्ग में नौ दौर का खेल शेष

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानंद ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानंद ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानंद से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है। अगर प्रज्ञानंद इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन लय वापस पा लेते हैं तो उनके पास अब भी पोडियम पर जगह बनाने का मौका होगा।

खाड़ी से यूरोप तक, भारत बदलेगा वैश्विक समीकरण

जयशंकर का वैश्विक कूटनीतिक मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार से एक महत्वपूर्ण छह-देशीय कूटनीतिक यात्रा पर रवाना होंगे, जिसमें कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, बेल्जियम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। आज से 10 जुलाई तक चलने वाली उनकी चार खाड़ी देशों की यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के बाद इस क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। यह यात्रा भारत के लिए इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का एक बड़ा अवसर है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, जयशंकर अपनी खाड़ी यात्रा के दौरान इन देशों के नेताओं और अपने समकक्षों से मुलाकात करेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाना है। इसके साथ ही, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श भी होगा, जिससे भारत की पश्चिम एशिया नीति को नई दिशा मिल सकती है।खाड़ी देशों का दौरा पूरा करने के बाद, विदेश मंत्री 13 जुलाई को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेंगे, जहाँ वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में साल 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे। यह कदम वैश्विक शासन में भारत की बढ़ती आकांक्षाओं और भूमिका को दर्शाता है, जहाँ भारत स्थायी सदस्यता के लिए भी प्रयासरत है। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में, जयशंकर 14 और 15 जुलाई को बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स जाएंगे। यहाँ वे तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में भाग लेंगे और अपने यूरोपीय संघ तथा बेल्जियम के समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। टीटीसी की शुरुआत 2022 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से की गई थी। यह परिषद भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक तकनीकी सहयोग को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे दोनों पक्षों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास और साझाकरण में लाभ मिल सके। जयशंकर का यह बहुआयामी दौरा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक कूटनीतिक पटल पर

भारत की बढ़ती साख और प्रभाव को भी रेखांकित करेगा, जिससे आने वाले समय में वैश्विक समीकरणों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण विज्ञापन : केंद्र सरकार का मेटा को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारत सरकार ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े आपत्तिजनक विज्ञापनों को बढ़ावा देने के मामले में उसकी पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. को नोटिस थमा दिया है। 4 जुलाई को जारी नोटिस का जवाब केंद्र सरकार ने कंपनी से सात दिनों के भीतर मांगा है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को तत्काल प्रभाव से इसतरह के सभी विज्ञापनों को ब्लॉक करने और हटाने का निर्देश दिया है, जो बाल यौन शोषण (सीएसएएम) को बढ़ावा देते हैं या उससे संबंधित कटेंट तक पहुँच बनाते हैं। यह कार्रवाई मीडिया रिपोर्टों के बाद की गई है, जिसमें उजागर किया गया था कि इंस्टाग्राम भारत में रेप और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों का उपयोग करके पेड विज्ञापन दिखा रहा था। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता टेलीग्राम चैनलों पर भेज दिए जाते थे, जहाँ कथित तौर पर बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री मात्र 99 रुपये में ब्रिकी के लिए मौजूद थी। रिपोर्ट में बताया गया कि इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन मेटा के मॉडरेशन सिस्टम से अनुमोदन के बाद ही दिखाते हैं, जिससे इस प्रणाली की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। एक मीडिया हाउस द्वारा इसतरह के एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से किए जाने पर, कंपनी ने लगभग 24 घंटे बाद जवाब दिया था कि यह पोस्ट उसकी कम्यूनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं करती। हालांकि, जब मीडिया ने मेटा से मामले पर स्पष्टीकरण मांगा, तब कंपनी ने स्वीकार किया कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित खातों को निलंबित किया है और आपत्तिजनक यूएलआर को हटाया है। मेटा ने अपनी प्रतिक्रिया में स्वीकार किया कि कोई भी मॉडरेशन सिस्टम पूरी तरह से त्रुटिहीन नहीं होता और समीक्षा प्रक्रिया हर नियम उल्लंघन की पहचान नहीं कर पाती है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 2 खूंखार शूटर मुठभेड़ में ढेर

-दिल्ली पुलिस और एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा एसटीएफ ने एक संयुक्त अभियान में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो खूंखार शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया है। मारे गए शूटरों की पहचान प्रवेश और हिमांशु के तौर पर हुई है, जो पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल की हत्या में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, ये दोनों शूटर हथियारों और गोला-बारूद से लैस थे और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की फिराक में थे, तभी रविवार सुबह पुलिस के साथ उनकी मुठभेड़ हो गई। इस गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हो गया, जबकि अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर कई गोलियां लगीं। एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि पिछले महीने हांसी में जिम चलाने वाले कपिल नाम के एक व्यक्ति की दो अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। इस घटना के संबंध में हांसी सिटी थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि इस जघन्य अपराध को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो मुख्य शूटरों प्रवेश और हिमांशु ने अंजाम दिया था। पुलिस लगातार इनकी तलाश में थी। रविवार सुबह, काउंटर इंटेलिजेंस दिल्ली स्पेशल सेल यूनिट के इंचार्ज मंजीत को एक गुप्त सूचना मिली कि ये दोनों वांछित शूटर भारी हथियारों और गोला-बारूद से लैस हैं और एक और अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस ने बताया कि जब पुलिस की टीमें इन दोनों शूटरों को पकड़ने के लिए आगे बढ़ीं और उन्हें रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। अपनी जान बचाने और जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीमों ने भी फायरिंग की। दोनों तरफ से हुई इस जबरदस्त गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल के पैर में गोली लगी, जबकि चार अन्य अधिकारियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अपराधियों ने कितनी आक्रामक तरीके से हमला किया था। इस मुठभेड़ में दोनों शूटर प्रवेश और हिमांशु भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल शूटरों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने दोनों शूटरों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल कांस्टेबल को तुरंत सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है, ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क का पता लगाया जा सके। यह कार्रवाई लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है, जो संगठित अपराध के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

केदारनाथ यात्रा : भूस्खलन का खतरा, प्रशासन हाई अलर्ट पर

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मॉनसून की शुरुआत के साथ ही पहाड़ों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसका सीधा असर केदारनाथ यात्रा पर हो रहा है। कई क्षेत्रों से लगातार मलबा गिरने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह राजवार ने बताया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कई खतरनाक इलाके चिन्हित किए हैं, जिनकी सीसीटीवी सेंटरों के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग हो रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पूरी तैयारी रखने और किसी भी आपातकालीन स्थिति की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले चार दिनों (5 से 8 जुलाई) तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें 5 जुलाई के लिए कई इलाकों में ऑरेंज अलर्ट शामिल है। इसके मद्देनजर राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। पुलिस, एसडीआरएफ, एनएच, पीडब्लयूडी और बीआरओ जैसे विभागों को भी सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर ट्रेकिंग गतिविधियों को रोकने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को चौबीसों घंटे सक्रिय रहने और किसी भी आपदा की सूचना तत्काल राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष को देने को कहा गया है। इस बीच, जुलाई की शुरुआत में सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग पर मुनकटिया के पास हुए भारी भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग बाधित हुआ था। हालांकि, खराब मौसम और यात्रा में अस्थायी रुकावटों के बावजूद, केदारधाम के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार है। प्रशासन उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

नैनीताल हादसा : बंदरों को पत्थर मारते हुए बालक खिड़की से गिरा, गंभीर घायल

नैनीताल (एजेंसी)। शहर के मल्लीताल क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक होटल में ठहरे दिल्ली के पर्यटक परिवार का तीन वर्षीय बच्चा खिड़की से 20 फीट नीचे गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली निवासी विशाल सोनी अपने परिवार के साथ नैनीताल घूमने आए थे और मल्लीताल स्थित एक होटल में रुके हुए थे। रविवार सुबह उनका तीन वर्षीय बेटा गौरांत कमरे में खेल रहा था। बताया गया कि इसी दौरान बालक को खिड़की के सामने कुछ बंदर दिखाई दिए, जिस पर उसने उन्हें पत्थर मारना शुरू कर दिया। इसी क्रम में अचानक उसका ध्यान हटा और वह असंतुलित होकर होटल की खिड़की से करीब 20 फीट नीचे जा गिरा। बच्चे के गिरने की आवाज सुनकर स्वजनों में चीख-पुकार मच गई। वे तत्काल गौरांत को बीडी पांडे अस्पताल ले गए। अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि बच्चे के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

रील बनाने के चक्कर में 2 को कुचला

लुधियाना (एजेंसी)। एक युवक ने रील बनाने के चक्कर में दो महिलाओं को कुचल दिया। लुधियाना में अपनी सहेली के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद महिला बोनट पर अटक गई। थोड़ी दूर जाकर कार के सामने ही जमीन पर गिर पड़ी जिससे उसकी खोपड़ी पर पहिया चढ़ गया। महिला के शरीर की हड्डियां तक टूट गई। महिला को करीब 10 मीटर घसीटने के बाद गाड़ी सवार वहां भाग गया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया। वहीं, उसकी सहेली को भर्ती कर लिया गया। एक्सीडेंट की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक्सीडेंट करने वाला युवक 12वीं पास है। उसे पुलिस ने अब्दुल्लापुर बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसकी कार राजस्थान से बरामद हुई।

बंगाल में 12 साल की लडक़ी की गैंगरेप के बाद हत्या

– लोगों में आक्रोश, सडक़ पर शव रखकर लगाया जाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में संदिग्ध हालात में 12 साल की लडक़ी की मौत से इलाके में हडक़ंप मच गया है। उसके परिवार और स्थानीय लोगों का आरोप है कि उसके साथ गैंगरेप और हत्या की गई और बाद में उसकी लाश तालाब में फेंक दी गई। इस घटना से इलाके में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि लडक़ी शनिवार शाम पास की दुकान से खाने-पीने का सामान लेने घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। परिवार ने उसे बहुत ढूंढा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह सूर्यपुर हाट इलाके के एक तालाब में उसकी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि चार युवकों ने लडक़ी का अपहरण किया और गैंगरेप के बाद उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद, गुस्साए लोगों ने सडक़ पर लाश रखकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

सूचना मिलने पर बारुईपुर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध, प्रभास मंडल, को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। इस बीच, बाकी आरोपियों का पता लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की सही वजह और रेप के आरोपों की सच्चाई का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है, जबकि परिवार और स्थानीय लोग दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। पुलिस का कहना है कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है। आरोप सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चंदा विवाद: विश्व हिंदू परिषद ने विपक्ष के नेताओं से मांगे सबूत

–सबूत हैं तब पुलिस को दें, अन्यथा भम्र नहीं फैलाए

अयोध्या (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने राम मंदिर निर्माण के लिए चंदे में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विपक्षी नेताओं को खुली चुनौती दी है। उन्होंने अयोध्या के डीसीपी को पत्र लिखकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के नेताओं से सबूत पेश करने की मांग की है, जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले या चोरी का दावा किया है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने स्पष्ट किया कि उनके पत्र का उद्देश्य किसी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि पुलिस से अनुरोध करना है कि वे इन बड़े, पढ़े-लिखे नेताओं से जानकारी, सबूत या गवाह जुटाएं, ताकि राम मंदिर चंदा विवाद से जुड़े आरोपों की सच्चाई सामने आ सके।

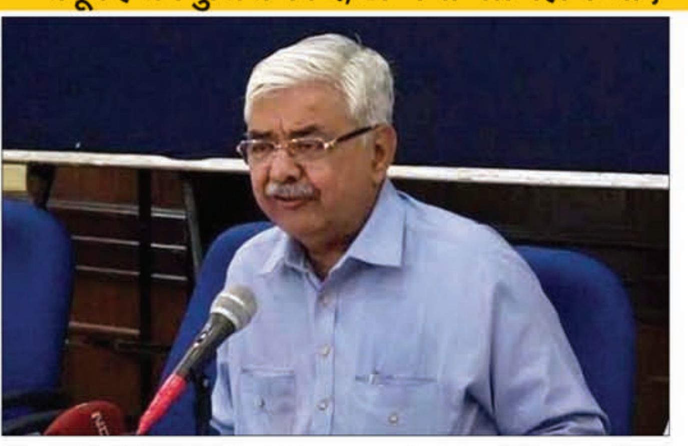

विहिप अध्यक्ष के अनुसार, सपा नेता राम गोपाल यादव ने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले का आरोप लगाया था, वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी हजारों करोड़ के चंदे की हेराफेरी की बात कहकर सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की थी। वहीं आम आदमी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और नेता संजय सिंह ने क्रमशः 200 करोड़ रुपये से अधिक की चोरी का आरोप लगाया था, जिसमें 50 कर्मचारियों के शामिल होने का दावा किया था। विहिप अध्यक्ष कुमार का कहना है कि यदि नेताओं के पास पुख्ता सबूत हैं, तब उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए, अन्यथा, बिना आधार के समाज में भ्रम फैलाने के लिए इनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कुमार के कदम पर आम आदमी पार्टी (आप) ने तीखा पलटवार किया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विहिप अध्यक्ष का यह पत्र दिखाता है कि संगठन देशभर में उठ रहे चंदा चोरी के मुद्दे से बेहद परेशान और डरा हुआ है। आप नेता भारद्वाज ने आरोप लगाया कि विहिप के इरादे साफ नहीं हैं। यदि वे साफ होते, तब वे खुद अपने संगठन से जुड़े गवाह पेश करते, क्योंकि ट्रस्ट में उनके ही लोग शामिल थे। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि विहिप नेता कुमार ने एक तरह से आत्मसमर्पण किया है, क्योंकि उनकी पार्टी या संगठन के लोग मामले में गवाह बनने को तैयार नहीं हैं।

राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के आरोपों पर आलोक कुमार ने हर एक आरोप की बारीकी से जांच की मांग की है, यह कहकर कि चोरी, लूट या डकैती चाहे जो कहा जाए, सच केवल निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगा। उन्होंने राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की टिप्पणियों पर कोई भी बयान देने से इंकार किया। इसके अलावा, विहिप की केंद्रीय समिति की बैठक को अयोध्या से दिल्ली शिफ्ट करने के सवाल पर कुमार ने सख्त रुख दिखाकर कहा कि यह संगठन का आंतरिक मामला है और किसी को भी इस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है कि बैठक कहाँ आयोजित की जाए।

भारत–नेपाल सीमा पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक आवाजाही बंद, मधुबनी में ग्रामीणों का विरोध

मधुबनी (एजेंसी)। भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ा फैसला लिया है। मधुबनी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में अब रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सीमा पर आम आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। यह व्यवस्था भारत सरकार के निर्देशों के तहत लागू की जा रही है। हालांकि, इस निर्णय का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध जताया है। मधवापुर स्थित एसएसबी कैंप में आयोजित बैठक के बाद 48वीं बटालियन के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने बताया कि निर्धारित समय के दौरान केवल मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में ही सीमा पार करने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोजमर्रा के आवश्यक सामान की आवाजाही जारी रहेगी, लेकिन भारी मात्रा में आयात–निर्यात और व्यावसायिक परिवहन पर पूरी तरह रोक रहेगी। सीमा पर बैरिकेडिंग किए जाने के बाद अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच करीब ढाई घंटे तक बैठक हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। बैठक में एसएसबी अधिकारियों के साथ बेनीपट्टी के एसडीएम, डीएसपी, बीडीओ, सीओ और स्थानीय थाना अध्यक्ष सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि शादी–विवाह, आपातकालीन परिस्थितियों और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए रात में भी सीमित आवाजाही की अनुमति दी जाए। उनका कहना था कि सीमा पूरी तरह बंद होने से बच्चों की पढ़ाई, रसोई गैस की आपूर्ति, आवश्यक सेवाओं और दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने सामाजिक एवं पारिवारिक 'रोटी–बेटी' के रिश्तों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। बैठक बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई। फिलहाल सीमा क्षेत्र में इस फैसले को लेकर असंतोष का माहौल है। अब सबकी नजर प्रशासन पर है कि वह सुरक्षा और स्थानीय लोगों की जरूरतों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है।

प्रशांत किशोर बांकीपुर से चुनाव लड़ना फाइनल

नितिन नवीन के करीब को मिल सकता है मौका

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी ने घोषणा की है कि उसके संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने इस बात की पुष्टि की है। यह सीट भाजपा विधायक नितिन नवीन के राज्यसभा सांसद बनने के बाद खाली हुई है, जिससे यह चुनाव काफी अहम हुआ है।

अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि बीते चार सालों से जन सुराज ही उनकी जिंदगी है और पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी लगन से निभाएंगे। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि बांकीपुर से मिलने वाली जीत से न केवल पार्टी का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि बिहार में एक नए राजनीतिक विकल्प की नींव भी मजबूत होगी। पीके ने कहा था कि यदि उनके चुनाव लड़ने से भाजपा बांकीपुर जैसी मजबूत सीट हारती है, तब वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बांकीपुर की जनता से पूरी ईमानदारी से काम करने का वादा किया और कहा कि अगर वे जन सुराज के प्रतिनिधि को चुनते हैं, तब वह विधानसभा में 242 विधायकों पर भारी पड़ेगा।

इस दौरान प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने उन्हें पिछले दरवाजे से बने मुख्यमंत्री और सिलेक्टेड मुख्यमंत्री करार देकर कहा कि उनका असली चाल-चरित्र जल्द ही सामने आ जाएगा। पीके ने बांकीपुर के मतदाताओं से अपील की कि यह चुनाव केवल एक सीट जीतने का नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति को एक नया विकल्प देने और परिवर्तन की शुरुआत करने का है। उन्होंने चार लाख मतदाताओं से समर्थन मांगा।

दूसरी ओर, भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, नील रतन घोष (नीलू दा) का नाम करीब तय है। नील रतन घोष भाजपा के एक पुराने और भरोसेमंद कार्यकर्ता हैं, जो लंबे समय से नवीन के साथ जुड़े रहे हैं और उनके विश्वसनीय हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं की मांग पर उन्हें टिकट मिलने की संभावना है। मंदिरी के रहने वाले नीलू दा मूल रूप से पश्चिम बंगाल से हैं।

ममता की बागियों को चुनौती... तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं?

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी बगावत के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बागी नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। ममता ने स्पष्ट कहा कि अगर उन्हें रोकना है, तब उन्हें मारना पड़ेगा, क्योंकि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाने वाला और उनकी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने बागी नेताओं को सीधी चुनौती देकर कहा, अगर हिम्मत है, तब खुलकर भाजपा में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? ममता ने आरोप लगाया कि ये बागी नेता अब खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं और गद्दारी की भी सीमा होती है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं ने पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वहीं अब उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, जिसने उन्हें राजनीतिक पहचान दी। ममता का यह

बयान तब आया है जब पार्टी के भीतर बड़ी टूट देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं, जिन्होंने पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया है। हाल ही में, टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं। इन विधायकों ने 3 जून को ममता के नेतृत्व से अलग होने की घोषणा की थी, जबकि सांसदों ने 15 जून को त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था। ममता ने कहा कि वे इस बगावत का डटकर मुकाबला करेंगी और जनता के बीच अपनी पार्टी का चिह्न लेकर जाएंगी।

लालू यादव का जनता के नाम खुला पत्र: बड़ी वैचारिक लड़ाई का आह्वान

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार की राजनीति के कद्दावर नेता लालू प्रसाद यादव ने पार्टी के 30वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के नाम एक विस्तृत खुला पत्र लिखा है। अपने इस महत्वपूर्ण संदेश में, लालू यादव ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सीधा और तीखा हमला बोला है, उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और संविधान की मूल भावना को खतरे में डालने का गंभीर आरोप लगाया है। लालू यादव ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और देश का लोकतंत्र इस समय गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है।

लालू यादव यहीं नहीं रुके, उन्होंने भाजपा पर अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल कर संस्थाओं को कमजोर करने और एक विशेष हिंदुत्व के नैरेटिव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि भाजपा ऐसा करके देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों जैसे अहम मुद्दों के साथ-साथ सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। आरजेडी प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एक बड़ी वैचारिक लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल सत्ता हासिल करने की नहीं, बल्कि देश के मूल्यों और सिद्धांतों को बचाने की है, और इसके लिए सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। लालू यादव ने जोर देकर कहा कि आरजेडी सिर्फ चुनाव लड़ने वाली एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना और गरीबों, वंचितों व हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ने को प्रतिबद्ध एक आंदोलन है। उन्होंने पार्टी के सफर को याद करते हुए बताया कि आरजेडी का गठन 5 जुलाई 1997 को इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया गया था, ताकि गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों की आवाज को बुलंद किया जा सके। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से लोगों के साथ लगातार जुड़े रहने और संसद व सड़कों पर जनहित के मुद्दों को पूरी दृढ़ता से उठाते रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी पिछले तीन दशकों से सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी विकास के आदर्शों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। लालू यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के अदम्य साहस, समर्पण और बलिदान की सराहना की, जिन्होंने पिछले 30 वर्षों में आरजेडी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने हर मुश्किल दौर में पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के लिए सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का हार्दिक धन्यवाद किया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**